प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

सुविचार

सिर्फ मन ही किसी का दोस्त
और किसी का दुश्मन होता हैं।

श्रीमद् भगवद् गीता

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची ➢ दिल्ली ➢ देवघर से प्रकाशित

www.purvanchalsurya.com

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

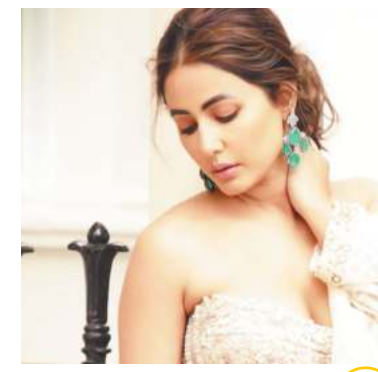

वर्ष - 17 | अंक 325 | दैनिक | रांची | सोमवार 8 जुलाई 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

भारत ने दूसरे टी20 में जिम्बाब्वे को 100 रन से हराया

एक-एक से बराबर हुई 5 मैचों की यह टी20 सीरीज

हरारे। भारत ने जिम्बाब्वे को दूसरे टी-20 में 100 रन से हरा दिया। भारत ने हरारे स्पोर्ट्स क्लब में रविवार को टॉस जीतकर पहले बैटिंग की। अभिषेक शर्मा के शतक और ऋतुराज गायकवाड के 77 रन के सहारे भारत ने 234 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह जिम्बाब्वे

के खिलाफ किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इससे पहले, 2018 में ऑस्ट्रेलिया ने 229 रन का स्कोर बनाया था। जवाबी पारी में जिम्बाब्वे 134 रन बनाकर ऑलआउट हो गया। यह भारत की जिम्बाब्वे के खिलाफ रन के अंतर से सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले टीम इंडिया ने 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में मेलबर्न के मैदान पर जिम्बाब्वे 71 रन से हराया था। भारतीय गेंदबाजों में आवेश खान और मुकेश कुमार 3-3 विकेट लिए।

अगर हिंदू हिंसक होता...

नूपुर ने राहुल पर साधा निशाना, याद दिलाई 'अपनी' बात

- कांग्रेस नेता के बयान को बताया किसी बड़ी साजिश का हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने बिना नाम लिए राहुल गांधी पर निशाना साधा है। नूपुर शर्मा

का दावा है कि हिंदुओं को लेकर दिया गया राहुल गांधी का बयान किसी साजिश का हिस्सा हो सकता है। नूपुर ने दो साल पहले खुद को मिली धमकियों को याद करते हुए कहा कि अगर हिंदू हिंसक होता तो हिंदुओं की बेटी को अपने ही देश में सुरक्षा में नहीं रहना पड़ता। बता दें कि राहुल गांधी ने सदन में भाषण देते वक्त भाजपा पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था खुद को हिंदू कहने वाले लोग लगातार हिंसा में लगे रहते हैं।

आम बजट

बिहार की लगेगी लॉटरी, आंध्र ने भी रखी डिमांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को देश का बजट पेश करेंगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी अपने दम पर बहुमत हासिल करने में असफल रही। एनडीए सरकार की निर्भरता चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और नीतिश कुमार की पार्टी जेडीयू पर अधिक है। यही कारण है कि इस साल के बजट में बिहार और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों पर केंद्र सरकार मेहरबानी दिखा सकती है। मीडिया

रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ही राज्यों ने 2024 के केंद्रीय बजट से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि मांगी है। रॉयटर्स और एक सूत्र द्वारा समीक्षा किए गए दस्तावेजों के अनुसार, भाजपा के दो प्रमुख सहयोगियों ने चालू वित्त वर्ष के लिए फंड के अलावा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए उधार लेने की सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया है। 16 सांसदों वाली टीडीपी और 12 सांसदों वाली जेडीयू ने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में भाजपा को केंद्र में सरकार बनाने में मदद की थी।

जबरदस्त जयघोष के साथ पुरी में शुरू हुई जगन्नाथ रथयात्रा

- **1971 के बाद पहली बार दो दिवसीय यात्रा, राष्ट्रपति मुर्मू ने खींचा सुभद्रा का रथ**

पुरी (एजेंसी)। पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुरू हो गई है। सबसे पहले बलभद्र का रथ खींचा गया है। रथ रुक-रुक कर आगे बढ़ रहा है। कुछ देर बाद सुभद्रा और जगन्नाथ जी का रथ खींचा गया। सूर्यास्त तक ही रथयात्रा चली और कल सुबह आठ बजे से रथयात्रा फिर शुरू होगी। जगन्नाथ मंदिर के पंचांगकर्ता डॉ. ज्योति प्रसाद के मुताबिक, भगवान को आम दिनों से 2 घंटे पहले जगाया गया। मंगला आरती सुबह 4 की बजाय रात 2 बजे हुई। मंगला आरती के बाद करीब ढाई बजे दशावतार पूजन हुआ। 3 बजे नैत्रोत्सव और 4 बजे पुरी के राजा की तरफ से पूजा की गई। सुबह 5.10 बजे के बाद सूर्य पूजा और करीब 5.30 बजे द्वारपाल पूजा हुई। सुबह 7 बजे भगवान को खिचड़ी भोग-प्रसाद लगाया गया। रथयात्रा में बहुत ज्यादा

भीड़ की वजह से भगवान के नवयौवन दर्शन नहीं हो पाए। रथयात्रा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी शामिल हुईं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने रथयात्रा की देश वासियों को शुभ कामनाएं दीं। बलभद्र के बाद देवी सुभद्रा का रथ आगे बढ़ने लगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी भक्तों के साथ देवी का रथ खींचा। इसके बाद वे यहां से लौट गईं और कल सुबह फिर रथयात्रा में शामिल होंगी। वहीं आपको बता दें कि भगवान जगन्नाथ आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से दशमी तिथि तक जन सामान्य के बीच रहते हैं। साथ ही इस अवधि में भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर विराजकर गुंडीचा मंदिर की ओर प्रस्थान करते हैं। यह भव्य आयोजन 10 दिनों तक चलता है।

साथ ही 53 साल बाद यह यात्रा दो-दिवसीय होगी। ग्रह-नक्षत्रों की गणना के अनुसार इस साल दो दिवसीय यात्रा आयोजित की जा रही है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथयात्रा महोत्सव में हुए शामिल

भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की विधिवत पूजा -अर्चना कर राज्यवासियों की सुख -शांति, समृद्धि एवं उन्नति की कामना की

जनता को दी रथयात्रा की बधाई व शुभकामनाएं

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन रविवार को ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथयात्रा महोत्सव में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर आयोजित पूजन-अनुष्ठान कार्यक्रम में सम्मिलित होकर महाप्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की विधिवत पूजा -अर्चना कर राज्यवासियों की सुख- शांति, समृद्धि एवं उन्नति की कामना की। मुख्यमंत्री ने राज्य की समस्त जनता को रथयात्रा की बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने आस्था एवं भक्ति के समागम में मौजूद हजारों श्रद्धालुओं के साथ जय जगन्नाथ के जयकारे लगाए और रथ की रस्सी को हाथ लगाकर भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को मौसीबाड़ी के लिए आगे बढ़ाया। ऐतिहासिक रथयात्रा के अवसर पर आयोजित पूजा-अनुष्ठान में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक नवीन जायसवाल, विधायक राजेश कच्छप, झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय एवं झामुमो के विनोद पांडेय सहित अन्य गणमान्य शामिल हुए।

जम्मू-कश्मीर में 'आतंक' के खिलाफ सेना का बड़ा वार

कुलगाम मुठभेड़ में 6 दहशतगर्द ढेर, पुलिस ने बताया मील का पत्थर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने 2 और आतंकवादियों के शव बरामद किए हैं। इस तरह कुलगाम जिले में रविवार को हुई दो मुठभेड़ों में मृतकों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कुलगाम जिले के 2 गांवों में शनिवार को मुठभेड़ शुरू हुई थी। अधिकारियों ने बताया, मोदरगाम मुठभेड़ स्थल से दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। चिन्नीगाम मुठभेड़ स्थल से 4 आतंकवादियों के शव बरामद किए गए थे। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक पैरा कमांडो समेत 2 सैन्यकर्मियों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। बताया जा रहा है कि आतंकवाद विरोधी

अभियान अभी जारी है। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आरआर स्वैन ने पुष्टि करते हुए कहा कि कुलगाम मुठभेड़ में 6 आतंकवादी मारे गए हैं।

राजौरी में सेना शिविर पर आतंकवादियों का हमला

दूसरी ओर, जम्मू कश्मीर में राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में सेना के शिविर पर संदिग्ध आतंकवादियों के हमले में एक जवान घायल हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि संदिग्ध आतंकवादियों ने मंजाकोट इलाके में सेना के शिविर पर तड़के गोलीबारी की। उन्होंने कहा, सेना के जवानों ने तेजी से कार्रवाई की और अपनी पोजीशन ले ली और गोलीबारी का करारा जवाब दिया।

असम में बाढ़ से हाहाकार, 58 की मौत

- **काजीरंगा में जानवरों पर भी खतरा, सीएम ने जाना हाल**

दिसपुर (एजेंसी)। पिछले एक महीने से असम में लोगों का बाढ़ से बुरा हाल है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया था लेकिन बाढ़ के पानी में इसके बाद भी 58 लोगों की जान ले ली। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने बताया कि पिछले महीने असम में गंभीर बाढ़ की स्थिति ने भर में करोड़ों के इंफ्रास्ट्रक्चर को बर्बाद कर दिया है। बाढ़ के पानी से बहुत ज्यादा हानि हुई है, सड़कें बंद हो गई है, फसल नष्ट हो चुकी है और घरेलू जानवरों की भी बहुत बड़ी मात्रा में हानि हुई है। बाढ़ के कारण हजारों लोग बेघर हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक,27 जिलों में 577 राहत शिविरों और वितरण केंद्रों में 526,000 से अधिक लोग शरण ले रहे हैं। असम में बहने वाली ब्रह्मपुत्र सहित 10 नदियां अपने उफान पर हैं, वे या तो अपने खतरे के निशान पर बह रही हैं या फिर खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। ब्रह्मपुत्र नदी का जल स्तर नेमाटीघाट, तेजपुर, धुबरी और गोलपारा में खतरे के निशान से ऊपर

है। एएसडीएमए की बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार शनिवार को पूरे जिले की बाढ़ की स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ था लेकिन 29 जिलों के 2.39 मिलियन लोगों से अधिक अभी भी बाढ़ की दूसरी लहर से प्रभावित हैं। काजीरंगा नेशनल पार्क की फील्ड डायरेक्टर सोनाली घोष ने बताया कि पार्क में बाढ़ से अब तक 114 जंगली जानवरों की मौत हो चुकी है। पार्क प्रबंधन और वन विभाग ने जंगली जानवरों को भी बचाया है। हालांकि राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ की स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन पार्क के 66 वन शिविर अभी भी पानी में डूबे हुए हैं जिससे जंगली जानवरों के ऊपर भी बुरा असर पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, बाढ़ से 1,549,161 जानवर प्रभावित हुए हैं।

स्थानीय सीता होटल के पास मकान गिरने के हादसे में रेस्क्यू समाप्त

कुल चार लोगों को जीवित निकाला गया, जबकि तीन लोगों की हुई मौत

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,देवघर। रविवार की सुबह देवघर के नगर थाना क्षेत्र स्थित सीता होटल के पास बम बम बाबा ब्रह्मचारी पथ में 3 मंजिली इमारत गिर गई। इस हादसे में आधा दर्जन से अधिक लोग फंस गए। मलबे से सात लोगों को निकाला गया, जिसमें तीन की मौत हो चुकी थी। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से 3 बच्चों को निकाल लिया गया था। डीसी ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ और पुलिस की टीम ने जेसीबी और मजदूरों को बुलाकर जमींदोज हुई इमारत का मलबा हटवाया। सुबह तकरीबन 8-30 बजे शुरु हुए रेस्क्यू में एनडीआरएफ टीम ने

अनुपमा देवी को बाहर निकाला। थोड़ी देर के बाद अनुपमा के पति मनीष दत्त द्वारी को निकालकर एनडीआरएफ टीम ने सदर अस्पताल भेजा। सीता होटल के समीप बमबम बाबा पथ हंसकुप मुहल्ले में जिस मकान में यह हादसा हुआ उसमें 3 परिवार की 3 महिला समेत 9 लोग अंदर थे। मुहल्ले वालों ने 2 लड़कियों सुभानी कुमारी और पीहू कुमारी को निकाला, लेकिन 3 महिला सहित 7 लोग फंसे रह गए। दिनेश वर्णवाल, दिनेश की पत्नी अनुपमा देवी, सुनील कुमार यादव, सुनील की पत्नी सोनी देवी व सुनील का पुत्र सत्यम कुमार मलबे में से निकाला गया।

तमिलनाडु में कानून व्यवस्था चौपट, सीबीआई करे हत्या की जांच

- प्रदेश बीएसपी चीफ की हत्या के बाद स्टालिन सरकार पर भड़कीं मायावती

चेन्नई (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने उनकी पार्टी की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या की सीबीआई से

जांच कराए जाने की रविवार को मांग की। आर्मस्ट्रांग की शुक्रवार को यहां हत्या कर दी गई थी। मायावती ने दावा किया कि इस मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए लोग असल अपराधी नहीं हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने इस मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का आग्रह किया।

स्वागत को बेकरार...

पीएम मोदी के ऑस्ट्रिया दौरे पर चांसलर ने लिखी पोस्ट

- **40 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री होगी पहली यात्रा**

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रिया के दौरे पर जाने वाले हैं। इसको लेकर ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर ने खुशी जताई है। इसके अलावा पीएम मोदी का स्वागत करते हुए नेहमर ने एक्स पर पोस्ट भी लिखी है। नेहमर ने कि यह यात्रा एक विशेष सम्मान है क्योंकि यह 40 से अधिक वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की मेरे देश की पहली यात्रा है। नेहमर की इस पोस्ट पर पीएम मोदी ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा है कि भारत और ऑस्ट्रिया के राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के मौके पर इस मध्य यूरोपीय देश की यात्रा करना वास्तव में सम्मान की बात है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने तथा सहयोग के नये रास्ते तलाशने पर चर्चा होगी। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी आठ और नौ जुलाई को रूस

की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे, जहां वह 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और इन दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों की समीक्षा की जाएगी। मोदी रूस से ऑस्ट्रिया जाएंगे। वह नौ और 10 जुलाई को ऑस्ट्रिया में रहेंगे। पीएम मोदी के स्वागत में ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर के सोशल मीडिया पोस्ट लिखी थी। इसमें उन्होंने लिखा कि वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अगले सप्ताह वियना में स्वागत करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हम भारत के साथ राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने कहा हमें अपने द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करने और कई भू-राजनीतिक चुनौतियों पर बेहतरीन सहयोग के बारे में बात करने का अवसर मिलेगा। नेहमर की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उनका आभार जताया। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर ऑस्ट्रिया की यात्रा करना वास्तव में एक सम्मान है।

अब मुंबई में पुणे जैसा हादसा, महिला की मौत

- बीएमडब्ल्यू ने दंपति को मारी टक्कर, महिला को 100 मीटर घसीटा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में चर्चित पोर्श एक्सीडेंट केस के बाद अब मुंबई में हिट एंड रन की घटना सामने आई। मुंबई के वर्ली में रविवार सुबह एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू ने स्कूटी सवार दंपति को टक्कर मार दी।

आरोपी ने मौके से भागने के दौरान 45 साल की महिला को कार से 100 मीटर तक घसीटा, जिससे उनकी मौत हो गई। पति घायल है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना के नेता राजेश शाह का 24 साल का बेटा मिहिर शाह चला रहा था। उसके साथ ड्राइवर भी था। घटना के बाद से मिहिर फरार है। पुलिस ने राजेश शाह और ड्राइवर को हिरासत में लिया है। कार भी जब्त कर ली है। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि वर्ली के कोलीवाड़ा इलाके में रहने वाले प्रदीप नखवा और उनकी पत्नी कावेरी नखवा मछुआरे समुदाय के हैं।

बड़कागांव में रथ यात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बड़कागांव। प्रखंड अंतर्गत राम जानकी मंदिर में पिंटू गुप्ता के नेतृत्व में पुजारी चिंतामन महतो द्वारा जगन्नाथ पूजा रथ यात्रा हर्षोल्लास के साथ शांतिपूर्वक संपन्न कराया गया। पूजा को लेकर श्रद्धालु सुबह से ही अपनी अपनी तैयारियों में जुट गए थे। सुबह से ही पूजा करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। श्रद्धालुओं ने भगवान जगरनाथ, भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा की पूजा अर्चना की एवं अपने परिवार के लिए सुख व समृद्धि की कामना की। वही रथ यात्रा पूजा को लेकर भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा को सजी हुई रथ में बैठा कर नगर भ्रमण कराया गया। रथ खींचने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। रथ यात्रा राम जानकी मंदिर से शुभारंभ किया गया बिड़कागांव मुख्य चौक, दैनिक बाजार, कुशवाहा मोहल्ला, सूर्य मंदिर से पुनः वापस लौटते मुख्य चौक होते हुए देर शाम हजारीबाग रोड स्थित रेंज ऑफिस प्रेम नगर मौसी बाड़ी पहुंचा। जहां श्रद्धालुओं के द्वारा भगवान का आरती उतार एवं पूजा अर्चना कर स्वागत कर अपने मौसी घर मंदिर में प्रवेश कराया गया। भगवान 9 दिनों तक मौसी बाड़ी में ही रहेंगे। पूजा को लेकर मेले का आयोजन किया गया जिसमें भारी संख्या में लोग शामिल हुए।

पूजा के 1 दिन पूर्व रात्रि में स्थानीय कलाकारों के द्वारा भजन कीर्तन का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें भक्तजन शामिल होकर लोगों का सहयोग किया। पूजा को शांतिपूर्वक संपन्न कराने को लेकर बड़कागांव नए थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल के द्वारा मंदिर परिसर एवं मेले में जगह-जगह पर पुलिस बल तैनात किया गया था। बताते चलें कि बड़कागांव में उक्त रथ यात्रा जगरनाथ पूजा पिछले 74 वर्षों से मनाई जा रही है। पूजा को सफल बनाने में मुख्य रूप से मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से समाजसेवी बिंदु दांगी उर्फ बिंदेश्वर, पुजारी चिंतामणि महतो , पिंटू गुप्ता, इंग्लेश सोनी, संतोष ठाकुर, सरजू भुइयां, कृष्णा प्रजापति, हरि महतो, रामचंद्र गुप्ता, डोमन महतो, हरीनाथ राम, प्रेमचंद महतो, पदुम महतो, कीर्तन महतो, अंतू महतो, वीरेंद्र महतो, बंधन महतो, नागेश्वर साव के अलावा कई शामिल है।

सुधा एंड अरमान मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट ने अरगोड़ा मैदान को लिया गोद, सोलर लाइट से होगी विद्युत सज्जा

मैदान में लगाए गए 101 उपयोगी पौधे

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। सुधा एंड अरमान मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रविवार को जगन्नाथ रथ यात्रा मेला के अवसर पर अरगोड़ा स्थित हाउसिंग कॉलोनी परिसर में 101 पौधा रोपण किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष समाजसेवी अधिवक्ता शुभ नारायण दत्त ने हाउसिंग कॉलोनी स्थित पार्क को गोद लेने की घोषणा की। श्री दत्त ने बताया 13जुलाई,2024 तक पूरे पार्क परिसर के सौन्दर्यीकरण का शुभारंभ किया जाएगा। इसी पार्क परिसर में दुर्लभ पौधा कल्पतरू, अर्जुन, अमलतास, अशोक, जरकंडा, गुलमोहर समेत 101 पौधा लगाया गया। ज्ञात हो ट्रस्ट द्वारा विगत एक वर्ष में अबतक झारखंड में विभिन्न स्थानों पर 500 से ज्यादा पौधे लगाए जा चुके हैं।

इस अवसर पर कर्नल बीके सिन्हा, कर्नल आरके प्रसाद, मनोज श्रीवास्तव , दीपक प्रसाद, राकेश सिन्हा, किशोर कुणाल, शत्रुघ्न प्रसाद, गोपाल, एस नाथ, चंदन मेहरा, सुदेश सिन्हा, शैलेश, टीके बनर्जी, विजय दत्त पिंटू समेत अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

राजद महिला प्रकोष्ठ ने मनाया पार्टी का 28 वां स्थापना दिवस

जनहित में समर्पित राजनीतिक दल है राजद ~ रानी कुमारी

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। राष्ट्रीय जनता दल (महिला प्रकोष्ठ) द्वारा प्रदेश राजद कार्यालय में पार्टी का 28 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राजद महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष रानी कुमारी ने पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों के बारे में चर्चा की। रानी कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय जनता दल अपने स्थापना काल से ही सर्व समाज के प्रति समर्पित है। पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव समाज के सभी वर्गों के कल्याण और उत्थान के लिए सतत प्रयासरत रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल जनहित के प्रति समर्पित है।

स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर झारखंड प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव, प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव, प्रधान महासचिव संजय प्रसाद सिंह, राष्ट्रीय महासचिव अभय कुमार सिंह, झारखंड के श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता,

महिला प्रकोष्ठ की सुनीता देवी, संगीता देवी, आशा देवी, रीमा देवी, पूनम देवी, अंजली देवी, सोनी देवी, गीत देवी, अनु कुमारी, खुशबू कुमारी, काजल कुमारी, उर्मिला देवी, संगीता देवी, ज्योति देवी, पूजा कुमारी, बबीता देवी, सविता देवी, कविता सिंह, मेरी लकड़ा, राधा देवी, शकुंतला देवी, गौरी देवी, गायत्री देवी, प्रदेश महासचिव भास्कर वर्मा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र महतो, विवेक सहित काफी संख्या में महिला प्रकोष्ठ की कार्यकर्ता उपस्थित थीं।

हेल्थ कैंप में मरीजों का हुआ इलाज

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

देवघर। भारत विकास परिषद देवघर शाखा ने परिषद द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज मोहनपुर प्रखंड के रढ़िया पंचायत भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया। पूर्वाहन 11~00 बजे से 2~00 बजे तक चले शिविर में कुल 167 मरीजों का इलाज किया गया एवं चिकित्सा सलाह तथा दवाइयां दी गई।

कार्यक्रम के प्रारंभ में भारत माता और स्वामी विवेकानन्द की तस्वीर पर अतिथियों, डॉक्टर्स और परिषद के सदस्यों ने पुष्पांजलि अर्पित किया तथा सबने समवेत वन्दे मातरम गीत गाया। अपने प्रारंभिक उद्बोधन में शाखा के अध्यक्ष आलोक मल्लिक ने मंचासीन सभी अतिथियों, सेवा का मौका दे रहे ग्रामीण मरीजों, मोहनपुर स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य कर्मियों, ग्राम ज्योति के कर्मियों और परिषद के सदस्यों का स्वागत अभिनंदन किया। स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, देवघर के अध्यक्ष डॉक्टर डी. तिवारी एवं वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अर्पिता गांधी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस स्वास्थ्य शिविर में मेडिसिन (फिजिशियन) डॉ. सुनील कुमार सिन्हा, डॉ. डी तिवारी एवं न्यूरो फिजिशियन डॉ. शिवांगी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्पिता गांधी एवं डॉ. आकांक्षा राज, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. कनिका मनाली, सर्जन डॉ. राजीव पांडेय एवं दंत चिकित्सक डॉ. हर्ष आर्यन एवं डॉ. दीक्षा भारती ने मरीजों का इलाज किया। इसके अलावे डॉ. एन सी गांधी को भी आना था, लेकिन वे किसी जरूरी कारण से नहीं आ पाए। लगभग 15 मरीज जो आंख दिखलाने आए था, उनका कल डॉ. गांधी के क्लिनिक में मुफ्त इलाज किया जाएगा।

शिविर में चिकित्सा सलाह के अलावा शुगर, ब्लड प्रेशर एवं हीमोग्लोबिन टेस्ट की भी व्यवस्था की गई थी। एनीमिया पीड़ित महिलाओं को आयरन और कैल्शियम की गोली भी वितरित किया गया। शिविर के सफल संचालन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनपुर के स्वास्थ्य कर्मियों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। शिविर के आयोजन और स्थानीय व्यवस्था में रढ़िया पंचायत के मुखिया श्री मुकेश कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने पिछले तीन दिनों से पंचायत के सभी गांव में स्वास्थ्य शिविर के आयोजन को प्रचारित प्रसारित किया और आज स्वयं पूरे समय रहकर शिविर की सफलता में योगदान दिया। परिषद ने उन्हें विशेष रूप से अंग वस्त्र और पुस्तक देकर सम्मानित किया। सभी डॉक्टर्स को परिषद के सदस्यों ने एक-एक पुस्तक भेंट कर उनका सम्मान किया। शिविर के सम्पूर्ण व्यवस्था को पूरा करने का भार ग्राम ज्योति संस्था के सचिव सह परिषद के सेवा संयोजक पशुपति कुमार ने अपने स्तर से उठाया। उनकी संस्था के सभी कर्मियों ने भी उत्साहपूर्वक शिविर संचालन के कार्यों में सहयोग किया। स्वास्थ्य शिविर में भारत विकास परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष ई. प्रकाश चंद्र सिंह, संरक्षक ई. एसपी सिंह, डॉ. सुनील सिन्हा, डॉ. गोपाल वर्णवाल, अध्यक्ष आलोक मल्लिक, उपाध्यक्ष ई. अभय कुमार, सचिव श्रीमती पुष्पा सिंह, संगठन सचिव एसपी भुईयां बिलास, कोषाध्यक्ष रंजीत बरनवाल, सेवा संयोजक पशुपति कुमार, सदस्य श्रीमती कंचन शेखर, श्रीमती प्रीति कुमारी, प्रशांत कुमार सिन्हा, प्रो. परिमल सिंह, राम किशोर सिंह ने पूरे समय शिविर में उपस्थित रहकर शिविर को सफल बनाया।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने निर्माणाधीन एलिवेटेड कॉरिडोर का किया निरीक्षण

15 नवंबर तक कॉरिडोर का निर्माण पूरा करने का निर्देश

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री भारत सरकार संजय सेठ ने शनिवार को रातुरोड में नवनिर्मित एलिवेटेड कॉरिडोर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रांची के विधायक सीपी सिंह सहित एनएचएआई के सभी वरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री श्री सेठ ने अधिकारियों से 15 नवंबर तक काम पूर्ण करने को कहा, ताकि 15 नवंबर भगवान बिरसा मुंडा के जयंती पर झारखंड का पहला एलिवेटेड कॉरिडोर रांची की जनता को समर्पित किया जा सके। मंत्री श्री सेठ ने कहा काम की गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2025 को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है और 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती भी है। ऐसे महान विभूति के जयंती पर इस कॉरिडोर का उद्घाटन हो इससे बड़ा सौभाग्य और क्या हो सकता है। मंत्री ने कहा बच्चों को खेलने के लिए कहीं मैदान नहीं बचा है। कॉरिडोर के नीचे 31 मीटर का स्पेस है। इस स्पेन में बच्चों को खेलने की व्यवस्था रात्रि 9 से 11 के बीच सुनिश्चित करें। रविवार को पूरे दिन यह सुविधा हो। खेल का आयोजन ओलंपिक संघ के देखरेख में होगा। बच्चे वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कैरम, इंडोर गेम सुविधा अनुसार दोनों तरफ नेट लगाकर अन्य खेलों का आयोजन हो सके। झारखंड पूरे देश को एक प्रेरणा दे सके ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें । फ्लाई ओवर के ऊपर और नीचे सोहराय पेंटिंग एवं ट्राईबल पेंटिंग की जाए ,पिलर पर हैंगिंग गार्डन का निर्माण करें। फ्लाई ओवर के ऊपर लाइट की व्यवस्था और नीचे कलरफुल लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करें।जहां-जहां आबादी अधिक है, वहां कट की व्यवस्था सुनिश्चित करें और जहां मार्केट है और पार्किंग की व्यवस्था नहीं है, वहां पर पार्किंग के लिए जगह छोड़े। नाली का निर्माण वाटर लेवल लेकर करें ताकि बरसात में पानी रोड पर ना बहे। यह व्यवस्था सुनिश्चित करें इस कार्य के लिए और कोई जरूरत हो उसे हम पूर्ण करेंगे। रांची के विधायक सीपी सिंह ने भी अधिकारियों को सुझाव दिया और लोगों के सुविधा को ध्यान में रखते हुए काम करने को कहा। निरीक्षण में महानगर के अध्यक्ष वरुण साहू, सत्यनारायण सिंह ,ललित ओझा, संजय जायसवाल, पार्षद ओमप्रकाश, मंडल अध्यक्ष सुबेश पांडे, ओमप्रकाश पांडे, सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

क्रिटिकल केयर के मरीजों के त्वरित इलाज पर जोर

मेदांता अब्दुर रज्जाक अंसारी मेमोरियल वीवर्स हॉस्पिटल का इमरजेंसी पर वर्कशॉप आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। मेदांता हॉस्पिटल, रांची ने शनिवार को बूटी मोड, रांची स्थित होटल द रॉयल रीट्रीट में इमरजेंसी एंड क्रिटिकल केयर पर एक वर्कशॉप तथा हैंड्स ऑन का आयोजन किया। हॉस्पिटल के डायरेक्टर विश्वजीत कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। क्रिटिकल केयर एवं इमरजेंसी की उपयोगिता पर प्रकाश डालकर वर्कशॉप की शुरुआत हुई। वर्कशॉप में आए वक्ताओं ने इमरजेंसी और ट्रामा मरीजों को त्वरित और बेहतर इलाज देने पर बल दिया।

पहला सेशन कम्प्रहेंसिव एसेसमेंट ऑफ क्रिटिकली इल पेसेंट इन इमरजेंसी/आई.सी.यू. पर हुआ जिसमें एसोसिएट डायरेक्टर एंड क्रिटिकल केयर के हेड डॉ. तापस कुमार साहू ने अपने व्याख्यान दिये तथा अपना अनुभव साझा किया। दूसरा सेशन सिस्टमेटिक एप्रोच टू मैनेजिंग अ पेसेंट विद पॉलीट्रामा पर था। न्यूरो एनेस्थेसिया एंड क्रिटिकल केयर के कंसल्टेंट डॉ. मनोज कुमार ने इस विषय पर विस्तार से बताया तथा अपना अनुभव डॉक्टरों के साथ साझा किया। तीसरा सेशन एयरवे मैनेजमेंट एंड वेंटिलेटर सपोर्ट फॉर क्रिटिकली इल पेसेंट के बारे में हुआ जिसमें कंसल्टेंट क्रिटिकल केयर के डॉ. कासिफ जमाल ने व्याख्यान दिये। चौथा सेशन इंटरप्रेटिंग कॉमन ईसीजी, एबीजी एंड लैबोरेटरी इंवेस्टीगेसन पर हुआ। सेशन एसेंसियल प्रोसिजर्स इन द इमरजेंसी रूम एंड इंटेंसिव केयर यूनिट, जिसमें एसोसिएट डायरेक्टर एंड हेड क्रिटिकल केयर डॉ. तापस कुमार साहू ने इस विषय पर गंभीरता पूर्वक चर्चा की तथा अपने अनुभव वर्कशॉप में आये अतिथियों से साझा की। कार्यक्रम में मेदांता हॉस्पिटल रांची के क्रिटिकल केयर के एसोसिएट कंसल्टेंट डॉक्टर नसीम अख्तर, कंसलटेंट डॉक्टर अबिद रजा एवं कंसलटेंट डॉक्टर रितेश चंद्रा भी उपस्थित थे। जिन्होंने क्रिटिकल केयर मैनेजमेंट में अपनी जानकारी साझा की। इस वर्कशॉप में रांची तथा अन्य जिलों के हॉस्पिटल, नर्सिंग होम के लगभग 70 डोक्टरों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की तथा अपने अनुभव साझा किए। इसके बाद वर्कशॉप में आये डॉक्टरों के बीच प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया।

जयपाल सिंह स्टेडियम में धूमधाम से मनाया गया महेंद्र सिंह धोनी का 43 वां जन्मदिन

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। ऐतिहासिक मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा खेल परिसर खेल संघ, जरासंध अखाड़ा एवं रिलेशंस के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का 43 वां जन्मदिन जयपाल सिंह स्टेडियम में धूम धाम से मनाया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरासंध अखाड़ा के पहलवान,युवा क्रिकेटर एवं कई खेलप्रेमियों ने माही के तस्वीर वाले पोस्टर हाथ में लेकर उनके प्रति सम्मान प्रदर्शित किया। सबने मिलकर केक काटकर एक स्वर में हैप्पी बर्थडे धौनी कहकर प्रिय क्रिकेटर को जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दी।साथ ही उनकी लंबी उम्र की कामना की। इस अवसर पर रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, जरासंध अखाड़ा के प्रमुख दीपक वर्मा, सचिव अंश वर्मा, अखाड़ा प्रशिक्षक अमरजीत कुमार,जरासंध अखाड़ा के उपाध्यक्ष बबलू वर्मा, हरीश कुमार समेत कई युवा खेलप्रेमी उपस्थित थे। यह जानकारी अमन ने दी।

शहीद तापस सोरेन स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट में बिराखाप ने गोबेरदाहा को 1- 0 से किया पराजित

प्रतिनिधि,चरही। चुरचू प्रखंड के चरही पंचायत अंतर्गत सिधु कान्हू फुटबॉल मैदान में शहीद तापस सोरेन स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया .जिसके मुख्यातिथि चरही मुखिया संझली मुर्मू व विशिष्ट अतिथि पूर्व जीप सदस्य अग्नेशिया सांडी पूर्ति , चरही पंचायत के पूर्व मुखिया महादेव सोरेन , झारखंड आदिवासी दलित मंच के संयोजक महालाल हांसदा थे पहला उदघाटन मैच बिराखाप बनाम गोबरदाहा के बीच खेला गया . जिसमें बिराखाप टीम ने 1-0 से गोबरदाहा टीम को पराजित किया . वंही दूसरा मैच कसियाडीह बनाम गरगाले टीम के बीच खेला गया जिसमें कसियाडीह ने गरगाले टीम को 6-0से पराजित किया . टूर्नामेंट में कुल आठ टीमों ने भाग लिया है जिसका फाइनल मैच 8 जुलाई शहीद तापस सोरेन शहादत दिवस के मौके पर खेला जाएगा .मौके पर चरही मुखिया संझली मुर्मू ने कहा कि खिलाड़ी खेल के माध्यम से अपना भविष्य को उज्जवल बना सकते है पूर्व जीप सदस्य अग्नेशिया सांडी पूर्ति ने कहा कि खेल को अपना लक्ष्य मानकर खेले सफलता निश्चित मिलेगी . झारखंड आदिवासी दलित मंच के संयोजक महालाल हंसदा ने कहा कि प्रत्येक वर्ष शहीद तापस सोरेन शहीद दिवस के मौके पर फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाता है जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को मौका देना है ताकि खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को निखार सके। इस मौके पर फिलन होरो , तहाराम हेम्ब्रोम , वार्ड सदस्य प्रकाश टुडू, बिशुन मुर्मू,कोलेश्वर रविदास , एहतेसामूल हसन ,मुनेश्वर रविदास, दर्शन सोरेन, नेमन कुमार , आशीष हंसदा , फागु बेसरा ,सुनील टुडु ,विशाल मुर्मू ,सीताराम प्रजापति , छोटन महतो , ब्रजेश सोरेन, एरिक आलोक किस्कु , अनूप तिग्गा ,द्रविड़ , अमर सोरेन, अमन , अरमान ,मनोहर सोरेन, कांतीलाल हंसदा , संजय सोरेन, समीर हंसदा , प्रदीप बेसरा , रितेश हंसदा , चंचल हंसदा ,शिव नारायण हंसदा , राजेश टुडु ,संजय टुडु ,तुलेश्वर ,रोहित प्रजापति ,सुनील सोरेन ,शंकर किस्कु सहित अन्य शामिल थे।

टोनाटांड़ गांव का संपर्क इटखोरी प्रखंड मुख्यालय से काटा, तेज पानी के बहाव में बह गई पीसीसी सड़क

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

इटखोरी(चतरा)। प्रखंड के टोनाटांड़ पंचायत के टोनाटांड़ गांव की पुरानी पीसीसी सड़क बीते 29 जून को तेज बारिश के कारण टूट कर बह गई है। यह सड़क टोनाटांड़ गांव के संपर्क का मुख्य मार्ग है। ग्रामीणों ने बताया कि रोड टूटकर पुलिया बन जाने के बाद अचानक धराशाई हो गई। जिसके कारण बाइक और साइकिल से आवागमन तो दूर की बात है गांव के लोगों को पैदल रास्ता तय करना भी दुर्गम हो गया है। इस गांव के लोग आवश्यक कार्य से प्रखंड मुख्यालय भी नहीं आ जा पा रहे हैं। मानसून के आरंभिक बरसात में ही पुलिया के टूट जाने से आम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गांव वालों की माने तो इसकी वजह पहले से पानी निकासी के लिए बनी हुई पुलिया के बंद हो जाने की बात बताते हैं। इस संदर्भ में ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2002-03 पंचायत के पूर्व मुखिया के मद से?100000 की प्रकलित राशि से इस पुलिया का निर्माण कराया गया जिससे पानी की निकासी होती थी पुलिया के समीप घर बन जाने के कारण पुलिया बंद हो गई। पुलिया बंद हो जाने के कारण पिछले एक वर्ष से धीरे-धीरे पीसीसी सड़क में रिसाव होकर पुल बन गया और सड़क कमजोर हो गई। ग्रामीण गिरेंद्र सिंह ने बताया कि यह सड़क 1 साल पहले बनी थी और मानसून की पहली बारिश में ही यह सड़क पानी के दबाव से टूट गई। इस सड़क के टूट जाने से आम लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पुलिया के बंद हो जाने और पानी का बहन और उधर हो जाने के कारण ही मानसून की पहली बारिश का सामना होते ही सड़क धंस गई। सड़क धंस जाने के बाद टोनाटांड़ गांव के लोगों को गांव से बाहर आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

इस संदर्भ में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी सोमनाथ बंकीरा से जब पत्रकारों ने जानकारी लेनी चाहिए तो उन्होंने कहा कि मुझे अब तक इस संदर्भ में कोई जानकारी नहीं प्राप्त हुई है। आप सबों के माध्यम से अब मुझे संज्ञान में आया है तो उसकी जांच करके जो भी उपयुक्त होगा समस्या का समाधान किया जाएगा। ग्रामीण मुख्य मार्ग के टूट जाने से परेशान और हलकान हो रहे हैं। ग्रामीणों का संपर्क प्रखंड मुख्यालय से तो कट ही गया है साथ ही विद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राओं को भी विद्यालय जाने के लिए कड़ी मशक्कत करना पड़ता है। पंचायत के मुखिया बद्री यादव को ग्रामीणों के माध्यम से जानकारी दी गई है।

चतरा उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक हुई सम्पन्न

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो, चतरा। जिला उपायुक्त रमेश घोलप की अध्यक्षता में समाहरणालय सभा कक्ष में जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक की गई। बैठक में अनुमंडल स्तरीय वन अधिकारी समिति से प्राप्त प्रस्तावों के समीक्षा उपरांत जिला स्तरीय वनाधिकार समिति द्वारा सर्वसम्मती से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। भारत माला परियोजना, सिमरिया बाईपास, हंटरगंज इटखोरी संचरण लाइन परियोजना एवं अग्निशामक कार्यालय सिमरिया का निर्माण हेतु जंगल एवं जंगल झाड़ी भूमि का सर्वसम्मति से जिला वन अधिकारी समिति द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने का निर्णय लिया गया।बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी उत्तरी राहुल मीना, वन प्रमंडल पदाधिकारी दक्षिणी मुकेश कुमार, अपर समाहर्त्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा सुरेंद्र उरांव, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज,जिला कल्याण पदाधिकारी, वनाधिकार समिति के सदस्य समेत अन्य सभी सबंधित उपस्थित थे।

पत्थलगड़ा प्रखंड कार्यालय में प्रशासन से बीडीओ एवं सीओ की स्थाई पदस्थापन को लेकर उठ रही लगातार मांग

प्रतिनिधि,पत्थलगड़ा/चतरा। पत्थलगड़ा प्रखंड कार्यालय में सभी जनप्रतिनिधियों व समाजसेवी के अलावे आम ग्रामीणों ने स्थाई सीओ व बीडीओ की पदस्थापन की मांग की है। स्थाई प्रखंड विकास पदाधिकारी व सीओ नहीं रहने के कारण कई विकास का कार्य बाधित हो रहा है। बता दें कि इसके पूर्व में भी सभी लोगों के द्वारा की गई मांग को लेकर चली खबर के बाद भी आज तक इस पर कोई आला अधिकारियों के द्वारा संज्ञान में नहीं लिया गया है। लोग लगातार स्थाई बीडीओ एवं सीओ की पदस्थापन को लेकर मांग कर रहें हैं। पत्थलगड़ा प्रखंड कार्यालय में पिछले करीब चार महीना से स्थाई बीडीओ नहीं होने से प्रखंड क्षेत्र का विकास कार्य बाधित हो गया है। या यूं कहिए कि इन दिनों पत्थलगड़ा प्रखंड कार्यालय बिना लगाम का घोड़ा हो गया है। लोगों ने उक्त बातें कहते हुवे कहा कि फिलहाल गिद्धौर बीडीओ के जिम्मे पत्थलगड़ा प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के कार्यों का निबटारा हो रहा है। प्रखंडवासियों का कहना है कि प्रभारी बीडीओ महीना में सिर्फ दो या तीन दिन ही प्रखंड कार्यालय आते हैं। और कब कार्यालय आते है और चले जाते है। सभी का कहना है कि प्रखंड कार्यालय में स्थायी रूप से बीडीओ एवं सीओ के नही रहने के कारण वृद्धा पेंशन, हर घर नल का जल योजना, आवास योजना, जातीय, आवासीय, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र, दाखिल खारिज आदि से संबंधित कार्य प्रभावित हो रहा है। प्रखंड क्षेत्र के सभी जन-प्रतिनिधि, समाजसेवी व गणमान्य लोगों के अलावे आम ग्रामीणों ने भी प्रशासन से जल्द ही बीडीओ एवं सीओ की पदस्थापन की मांग की है।

अनियंत्रित होकर पलटा ट्रक, हादसा टला

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि , लातेहार। मनिका थाना क्षेत्र के डिग्री कॉलेज के समीप रविवार की सुबह तीखे मोड़ में रांची से डालटेनगंज की ओर जा रही ट्रक असंतुलित होकर पलट गई। जिसमें चालक और उपचालक दोनों घायल हो गए। दोनों घायल लोगों को सहिया वृंदा देवी के द्वारा एंबुलेंस बुलाकर प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनिका भेजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार चालक और उपचालक खतरे से बाहर हैं। घटना के सूचना मिलने पर मनिका थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने एएसआई मिश्रा मांझी समेत पुलिस बल के जवान को घटनास्थल पर भेजा। ट्रक में लोहा का पाइप लोड था। ट्रक पलट जाने के कारण सारा सामान जमीन में बिखरा हुआ हैं। मनिका पुलिस के द्वारा बिखरे पड़े समान का सुरक्षा को लेकर चौकीदार को नियुक्त किया गया।

तीसरे दिन भी चला वाहन चेकिंग अभियान

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि ,लातेहार। लातेहार एसपी लातेहार के निर्देश पर लगातार तीसरे दिन रविवार को मनिका थाना के समीप पुलिस की ओर से सघन वाहन चेकिंग और हेलमेट चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान वाहन चालकों व सवार का हेलमेट, इंश्योरेंस पेपर, रजिस्ट्रेशन समेत अन्य कागजातों की जांच की गई। वाहन चालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मनिका थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने कहा कि सभी वाहन चालक व सवारी यातायात नियमों पालन करें। दो पहिया वाहन चालकों व उनके साथ पीछे बैठ कर यात्रा करने वालों के लिए हेलमेट पहनने को अनिवार्य बताते हुए कहा कि जो लोग इसकी अवहेलना करते पकड़े जाएंगे उन्हें जुर्माना के अलावा कानूनी प्रक्रिया के तहत दंडित भी किया जाएगा। पुलिस की ओर से चलाए गए अभियान से लोगों में हड़कंप मचा रहा।

भाजपा युवा मोर्चा करेगी अंचल कार्यालय का घेराव

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि , लातेहार। मनिका भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अंकित राज ने कहा की प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष शशांक राज तथा लातेहार जिला युवा मोर्चा के छोटू राजा से मिले निर्देशानुसार आठ जुलाई सोमवार को मनिका भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मनिका अंचल में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर अंचल कार्यालय का घेराव करेगी। युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अंकित राज ने बताया की सोमवार को अंचल कार्यालय के घेराबंदी कार्यक्रम मे प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा के नेता सहित लातेहार भाजपा जिला युवा मोर्चा के नेतागण शामिल होंगे। मंडल अध्यक्ष ने युवा मोर्चा के प्रखंड के सभी कार्यकर्ता से सोमवार को होने वाली अंचल कार्यालय के घेराव में भाग लेने की अपील किया है।

पशुपालन कैम्पस मे खड़ी टेम्पू, अज्ञात चोर ने किया चोरी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि , लातेहार। मनिका प्रखण्ड मुख्यालय स्थित पशुपालन कैम्पस मे खड़ी टेम्पू को अज्ञात चोरो के द्वारा चोरी कर फरार हो जाने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर पीड़ित टेम्पू मालिक मनिका निवासी मनोज प्रसाद ने बताया की शुक्रवार की संध्या करीब 7 बजे वह रोज की भाती पशुपालन कैम्पस पर अपनी टेम्पू खड़ा करते थे। सुबह जब अपनी टेम्पू लेने आया तो टेम्पू वहा से गायब मिली। काफी तलाशने पर भी टेम्पू के बारे में कोई जानकारी नही मिली। वहीं टेम्पू चोरी की घटना की सूचना मनिका थाना को दे दी गई है।

चौपारण में जलजमाव की समस्या को लेकर गंभीर दिखे पूर्व विधायक मनोज यादव

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,चौपारण(हजारीबाग)। पहली बारिश में ही चौपारण की सड़को पर जल जमाव होने लगा है। सड़क निर्माण कंपनी की लापरवाही चौपारण वासी कई वर्षों से झेल रहें है। भारी बारिश के कारण बीते दिनों से चौपारण के दुकानदारों व घरों में पानी घुस गया है। जिससे व्यावसाय पूरी तरह ठप हो जा रहा है। शनिवार को भाजपा कार्यालय चौपारण में सड़क निर्माण कंपनी के एचआर व इंजीनियरों की टीम के साथ बैठक कर समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान पूर्व विधायक व भाजपा नेताओं ने इंजीनियरों को स्थल का मुआयना करवाया और जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने को कहा। मौके पर रामस्वरूप पासवान,मुकुंद साव, जीप सदस्य राकेश रंजन, मुखिया संघ के अध्यक्ष बीरेंद्र रजक,मुखिया प्रतिनिधि बिनोद सिंह,मुखिया कृष्णा रविदास,अरविंद सिन्हा,बिराज रविदास, जनार्दन सिंह,राजेन्द्र चंद्रवंशी, रंजन सिंह सहित कई लोग शामिल थे।

घर के बाहर खड़े ट्रैक्टर से अज्ञात चोरों ने कि बैटरी की चोरी, शिकायत दर्ज

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,केतार(गढ़वा)। प्रखंड अंतर्गत मुकुंदपुर मुख्य पथ के समीत संतोष प्रसाद के नए मकान से शनिवार की देर रात्रि में अज्ञात चोरों ने महिंद्रा ट्रैक्टर की बैट्री की चोरी कर ली है। चोरों ने बैटरी का बक्सा का ताला तोड़ा फिर बैटरी निकाल कर फरार हो गए। घटना के संबंध में पीड़ित संतोष प्रसाद ने बताया कि मेरे बड़े भाई सत्येंद्र प्रसाद खाना खाने के लिए पुराने घर पर आए थे। इसी दौरान बारिश होने लगी और वह पुराने घर पर ही रुक गए। इसी दरमियान पहले से घात लगाए अज्ञात चोरों ने मौके का फायदा उठाकर घटना को अंजाम दिया। चोरी होने की जानकारी तब मिली जब रविवार की सुबह में ड्राइवर ने जुताई करने के लिए ट्रैक्टर में चाबी लगाया तो देखा कि गाड़ी स्टार्ट नहीं हो रहा है। ड्राइवर ने देखा कि ट्रैक्टर का बैटरी गायब है। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना मालिक को दिया। सूचना मिलने के बाद ट्रैक्टर मालिक संतोष प्रसाद ने आसपास के लोगों से जानकारी लिया लेकिन कहीं अता पता नहीं चला। उसके बाद पीड़ित ने स्थानीय थाने में आवेदन देकर ट्रैक्टर गाड़ी से बैटरी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में केतार थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी ने बताया कि पीड़ित ने घटना की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस छानबीन शुरू कर दी है। घटना को अंजाम देने वाले कर चोर जल्द पुलिस के गिरफ्त में होंगे।

बालूमाथ में शोभायात्रा निकालकर रथ पूजा मनाई गई

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बालूमाथ/लातेहार। प्रखंड में रविवार को जगरनाथ पूजा के अवसर पर विशाल शोभायात्रा निकालकर श्रद्धालुओं द्वारा पूजा अर्चना की गई। रथ पूजा के अवसर पर महावीर मंदिर के प्रांगण से श्रद्धालुओं द्वारा विशाल शोभायात्रा निकाला गया।शोभा यात्रा मुख्य बाजार से होते हुए शहीद चौक दिवाकर नगर टमटम टोला होते हुए दुर्गा मंडप स्थल पहुंचकर संपन्न हुई। इस मौके पर बजरंग दल के प्रखंड अध्यक्ष लालदेव गंझू,उपेन्द्र रंगीला,प्रेम प्रसाद गुप्ता,रंजू सिंह,संदीप प्रजापति,बिनोद कुमार,सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थें।

चतरा में वन अधिकार अधिनियम 2006 को लेकर एकदिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

वनाधिकार पट्टा वितरण में अभियान चलाकर करें दावों की प्राप्ति एवं निष्पादन

- अबुआ बीर अबुआ दिशोम की सफलता के लिए समन्वय बनाकर ग्रामसभा एवं ग्राम वनाधिकार समितियों को सहयोग करें - उपायुक्त रमेश घोलप

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

चतरा। जिला खनिज निधि सह प्रशिक्षण भवन हॉल चतरा में अबुआ बीर दिशोम अभियान 2023 के तहत उपायुक्त रमेश घोलप की अध्यक्षता में वन अधिकार अधिनियम 2006 से संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में सर्वप्रथम अतिथियों को पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। चतरा उपायुक्त ने अपने संबोधन में सभी का आभार व्यवक्त करते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री झारखण्ड सरकार का महत्वकांक्षी अभियान अबुआ बीर अबुआ दिशोम अभियान है। जंगल में रहने वाले जो वन पर निर्भर है, जो लोग हकदार है, जानकारी के अभाव में वे वनपट्टा से वंचित रह जाते है। सभी लोगों को वनपट्टा अधिनियम 2006 से संबंधित जानकारी रहे इस उद्देश्य से कार्यशालय का आयोजन किया गया है। राज्य सरकार इस अभियान को लेकर गंभिर है, इसके लिए राज्य में भी विस्तृत जानकारी के लिए वर्कशॉप भी कराया गया है। अधिकारियों को उन्होने कहा वनाधिकार पट्टा में अभियान चलाकर दावों की प्राप्ति एवं निष्पादन करें। वहीं राजस्व एवं वन विभाग के पदाधिकारी को अबुआ बीर दिशोम अभियान की सफलता के लिए ग्राम सभा/ग्राम वनाधिकार समितियों को सहयोग करने को कहा।

मूलभूत बातें -अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006, नियम 2008 व नियम 2012, को संक्षिप्त मेंवन अधिकार कानून, 2006 (वन अधिकार अधिनियम-एफआरए, 2006) कहते हैं। यह कानून पूरे देश में हर प्रकार की वन भूमि पर लागू होता है।

इस कानून के मुख्यतः 2 उद्देश्य हैं-वन पर आश्रित आदिवासियों तथा अन्य परम्परागत वन निवासियों को उनके कब्जे की कृषि और आवासीय भूमि तथा कृषि आवासीय भूमि तथा कृषि संबंधित अनुषांगित क्रियाकलापों जैसे बथान (अस्थई रूप से जानवरों के रखने का स्थान), भीयारा (खलिहान), चक्रानुक्रम परती भूमि, वृक्ष उपज, और उत्पादन के भंडार के जमीन पर अधिकार मान्य करता है। ग्रामसभा या ग्रामसभा समूहों को वन संबंधित उनके पारम्परिक रूप से उपभोग करते आ रहे सामुदायिक अधिकार और सामुदायिक वन संसाधन अधिकार मान्य करना शामिल है।

किसको अधिकार

वन में निवास करनेवाली अनुसूचित जनजाति वन में निवास करने वाले और प्राथमिक रूप से आजीविका के लिए वन भूमि पर निर्भर अनुसूचित जनजाति श्रेणी के सदस्य जो 13 दिसम्बर 2005 से पहले से प्राथमिक रूप से वन भूमि पर निवास करते हों (भीतर या बाहर) और अपनी आजीविका की वास्तविक जरूरतों के लिए वनया वन भूमि पर निर्भर हों।

अन्य परम्परागत वन निवासी

अनुसूचित जनजाति श्रेणी को छोड़कर अन्य सभी श्रेणी के सदस्य या समुदाय जो 13 दिसम्बर 2005 से पूर्व कम से कम तीन पीढ़ी (75 वर्ष) से प्राथमिक रूप से वन भूमि पर निवास (भीतर या बाहर) करते आ रहे हों और अपनी आजीविका की वास्तविक जरूरतों के लिए वनया वन भूमि पर निर्भर हैं। ध्यान रखें कि जमीन का कब्जा सिर्फ 13 दिसम्बर 2005 के पूर्व का होना चाहिए। इस कार्यक्रम में वन प्रमण्डल पदाधिकारी उत्तरी राहुल मीणा, वन प्रमण्डल पदाधिकारी दक्षिणी मुकेश कुमार, अप समाहर्ता अरविन्द कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी चतरा सुरेन्द्र उरांव, अनुमण्डल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, स्टेट रिसोर्स पर्सन एफआरए मनोहर चौहान, पीपीआईए फेलोस दीपक शर्मा, राजस्व, वन विभाग, कल्याण विभाग के पदाधिकारी, ग्रामसभा, ग्राम वनाधिकार समिति के सदस्य, बीर बंधु समेत अन्य उपस्थित थे।

रथ यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का जन सैलाब, चप्पे चप्पे तैनात थी पुलिस

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

पाकुड़। ऐतिहासिक रथ यात्रा रविवार को निकाली गई, वही भगवान मदन मोहन की रथयात्रा पाकुड़ के अलावा जिले के महेशपुर एवं हिरणपुर में भी निकाली गई। रथ को सजा-धजा तैयार कर लिया गया था। पाकुड़ के राजबाड़ी में स्थित रथ में सुबह से ही पूजा अर्चना शुरू हो चुकी थी, पाकुड़ जिले में अति प्राचीन काल राजा पृथ्वी चंद्र शाही के समय से ही रथयात्रा निकाली जाती है। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। राधा रानी और भगवान मदन मोहन की रथयात्रा राजापाड़ा से निकलकर राजापाड़ा, हाट पाड़ा, मुख्य सड़क होते हुए भगतपाड़ा तक गई और फिर उसी मार्ग से वापस होते हुए कालीबाड़ी पहुंची। इसके बाद राधा रानी और भगवान मदनमोहन कालीबाड़ी स्थित रंग महल में विराजमान हो गए। अगले आठ दिनों तक रंग महल में ही वे विश्राम करेंगे। इस रथ यात्रा में शामिल होने के लिए भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा था। भक्त रथ पर सवार मदन मोहन की फूल, बेलपत्र, पान, बताशा आदि से पूजन करते आ रहे थे। भक्तों की टोली जयकारा लगाते हुए रथ को रस्सी के सहारे खींचने का सौभाग्य प्राप्त कर पुण्य का भागी बनते जा रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार सन 1697 में राजा पृथ्वी चंद्र शाही के समय प्रारंभ हुई रथयात्रा आज भी पूरे रीति-रिवाज के साथ जारी है। राजपाट के स्थान बदले, कई पीढ़ियां गुजर गई, समाज में बदलाव आये, लेकिन रथ यात्रा पिछ्ले लगभग 325 वर्षों से ईश्वर की असीम अनुकंपा और समाज के सक्रिय सहयोग से बदस्तूर चलती आ रही है।

पहले यह रथ नीम की लकड़ी का हुआ करता था। श्रद्धेय स्वर्गीय रानी ज्योतिर्मयी देवी ने वर्तमान के पीतल के रथ पर पहली बार राधा रानी और भगवान मदन मोहन को विराजमान किया था। वर्तमान में रानी ज्योतिर्मयी देवी देवोत्तर एस्टेट के सेवायत गण मीरा प्रवीण सिंह, देब मोहन, अमित पांडेय, अभिजीत पांडे और पांडेय के द्वारा पूजा-अर्चना की सारी व्यवस्था की जाती है। पूजा- अर्चना का कार्य पंडित भरत भूषण मिश्र संपन्न कराते हैं। रथ यात्रा के अवसर पर नगर थाना के सामने स्थित मैदान में एक माह तक मेला लगता है। मेले में झारखंड के अलावा बंगाल, बिहार आदि से लोग यहां दुकान लगाने है। वही नगर थाना की पुलिस के द्वारा जगह जगह पर पुलिस की तैनाती की गई थी, महिला पुलिस भी सादे लिबास में जगह जगह मौजूद थी। खुद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दयानंद आजाद, प्रशिक्षु डीएसपी अजय आर्यन, एसआई विक्रम कुमार सहित दर्जनों पुलिस कर्मी सड़को पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैनात थे। लाखो की संख्या में भक्त सड़को पर मौजूद थे।

विभिन्न मांगों को लेकर छिपादोहर वन विभाग कार्यालय का किया घेराव

- 15 अगस्त तक उक्त समय रहते मांगे पूरी नहीं होती है तो बाध्य होकर उग्र आंदोलन किया जाएगा जिसका जवाब सरकार को देनी होगी – जिला परिषद् सदस्य कन्हाई सिंह

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बरवाडीह/लातेहार। प्रखंड के भाजपा नेता सह पूर्वी जिप सदस्य कन्हाई सिंह के नेतृत्व में शनिवार को वन विभाग की कथित मनमानी व विभिन्न मांगों को लेकर वन क्षेत्र के दर्जनों गांव की ग्रामीणों द्वारा रोशपूर्ण प्रदर्शन करते हुए छिपाडोहर वन विभाग कार्यालय का घेराव किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रमके अनुसार छिपादोहर गांधी मैदान से जिप सदस्य कन्हाई सिंह की अगुवाई में शामिल भाजपा कार्यकर्ताओं , वन क्षेत्र का वनवासी समेत काफी संख्या में महिला पुरुष द्वारा एक रोशपुर्ण जुलूस निकाली गई.जिसमे शामिल लोग वन विभाग की मनमानी नहीं चलेगी, सामुदायिक एवं व्यक्तिगत वन पट्टा वितरण करो, हेमंत सरकार जवाब दो आदि नारा लगाते ही छिपादोहर का भ्रमण कर छिपादोहर पूर्वी वन क्षेत्र कार्यालय का घेराव करते हुई एक सभा का आयोजन किया गया। जिसे संबोधित करते हुए कन्हाई सिंह ने कहा कि वन विभाग द्वारा कई क्षेत्र में मनमानी तरी केसे वनवासी द्वारा चुने गए महुआ को जप्त कर वनवासी के साथ अत्याचार कर रही वन विभाग अभिलंब जप्त किए गए महुआ को वनवासियों को वापस और वन क्षेत्र में रह रहे वनवासी के साथ अत्याचार बंद करे। कहां की वन अधिकार अधिनियम 2006के तहत वनवासी द्वारा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सामुदायिक एवं व्यक्तिगत वन पट्टा के लिए आवेदन किया गया है जिसे वन विभाग अपने मनमानी तरीके से रोक लगाते हुई अब तक वन पट्टा का वितरण नहीं किया गया है जिसे अभिलंब वितरण किया जाए। कार्यक्रम को अन्य कई वक्ताओं ने संबोधित करते हुए वन विभाग के मनमानियो पर अंकुश लगाने की बात कही। एक घंटा से अधिक समय तक चले घेराव कार्यक्रम के उपरांत उपनिदेशक, पलामू व्याध परियोजना

को वनों के क्षेत्रपदाधिकारी छिपादोहर की अनुपस्थिति में प्रभारी वनपाल दिलीप कुमार को पांच सूत्री मांग पत्र दिया गया। जिसे 15 अगस्त तक पूरा करने का अल्टीमेटम दिया गया है। मांग पूरी नहीं होने पर.उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दिया गया। पांच सूत्री मांगपत्रों में सामुदायिक एवं व्यक्तिगत वन पट्टा का निष्पादन करते हुए वितरण करने, लाभर से टोंगरी, लाभार से कोरवा मड़ाई तक सड़क निर्माण जल्द पूरा करने, छिपादोहार बाईपास सड़क निर्माण कार्य जल्द पूरा कर चालू करने, वन क्षेत्र में जंगली बंदरों द्वारा मचाई जा रहे उत्पाद पर अभिलंब अंकुश लगाने, जप्त किए गए महुआ को वापस करने तथा वन क्षेत्र के लोगो के साथ अत्याचार बंद करना शामिल है। घेराव कार्यक्रम म कार्यक्रम दीपक तिवारी,मुन्ना गुप्ता, मुंद्रिका सिंह,वन विभाग समिति के अध्यक्ष अशोक सिंह, कृष्ण सिंह, अमन कुमार, सुरेश सिंह, हरेश सिंह,मंदीप सिंह

समेत काफी संख्या में वनवासी महिला पुरुष शामिल थे।

सहकार भारती संगठन की एकदिवसीय बैठक बालूमाथ में संपन्न

प्रतिनिधि,बालूमाथ। प्रखंड स्थित होटल देवइन में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर सहकार भारती झारखंड प्रदेश के लातेहार इकाई द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी कार्यक्रम के मौके पर झारखंड प्रदेश के महामंत्री धनंजय जी ने कहा कि सहकार भारती यह केवल संगठन नहीं बल्कि एक वैचारिक आंदोलन है। समाज परिवर्तन का एक सशक्त साधन है। सहकारिता क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने वाला सहकार भारती ही एकमात्र स्वयंसेवी संगठन है। इस मौके पर सहकार भारती के प्रदेश संपर्क प्रमुख उमेश जी,अखिलेश पाठक,रविंद्र प्रसाद,रामजी सिंह, अरविंद भगत,अखिलेश गुप्ता,विजय ठाकुर,मंजू देवी,सूरज शाह,विशाल तिवारी,संजय गुप्ता समेत संगठन के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अल्पसंख्यकों के कल्याणार्थ चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गढ़वा । झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के माननीय अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान की अध्यक्षता में परिषदन भवन गढ़वा के सभागार में गढ़वा जिले में अल्पसंख्यकों के कल्याणार्थ चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक -सह-प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग की समीक्षा हेतु जिला स्तरीय विभिन्न विभागों द्वारा प्रगति प्रतिवेदन के साथ संबंधित पदाधिकारी द्वारा समीक्षात्मक बैठक में भाग लिया गया। बैठक के पूर्व अल्पसंख्यक आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री खान द्वारा उपस्थित सभी पदाधिकारी से परिचय प्राप्त किया गया एवं माननीय अध्यक्ष एवं उक्त आयोग के माननीय सदस्यगण डॉ0 एम तौसीफ, बरकत अली एवं एकरामुल हसन का उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा द्वारा शॉल प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया। माननीय अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग की टीम द्वारा झारखंड राज्य के सभी जिलों में अल्पसंख्यकों के लिए राज्य भर में चलाए जा रहे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की

समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस समीक्षात्मक बैठक का मुख्य उद्देश्य है कि जो भी आमजनों के लिए सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है, उसमें धार्मिक अथवा भाषायी आधार पर विभिन्न अल्पसंख्यक समुदायों यथा- मुस्लिम, क्रिश्चियन, बुद्धिस्ट, सिख, बंगाली, उड़िया आदि को उनके आबादी के अनुरूप कितनी भागीदारी एवं हिस्सेदारी मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि टीम के द्वारा विभिन्न योजनाओं से संबंधित आंकड़ा एवं तथ्य (डाटा) आदि इकट्ठा करने का कार्य किया जा रहा है। सभी जिलों का समेकित प्रतिवेदन के साथ राज्य स्तरीय समीक्षात्मक बैठक में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। राज्य सरकार के समक्ष प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर उक्त योजनाओं में अल्पसंख्यकों के हिस्सेदारी व भागीदारी में व्याप्त समस्याओं अथवा कमियों के समाधान हेतु उचित कार्रवाई एवं प्रयास किये जायेंगे। समीक्षा के क्रम में जिला स्तरीय विभिन्न विभागों यथा- कल्याण विभाग, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, समाज कल्याण विभाग, सामाजिक सुरक्षा विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, गृह विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, स्वास्थ्य विभाग, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, मत्स्य विभाग, कृषि विभाग, उद्योग विभाग, कारा विभाग, ऊर्जा विभाग एवं खनन विभाग समेत अन्य महत्वपूर्ण विभागों का प्रतिवेदन संबंधित विभागों के कार्यालय प्रधान द्वारा प्रस्तुत किया गया। उक्त संबंधित सभी विभागों के अंतर्गत चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं में कुल लक्ष्य के विरुद्ध अल्पसंख्यकों के कुल भागीदारी एवं सहभागिता तथा लाभुकों की संख्या एवं विभिन्न समस्याओं पर विशेष चर्चा की गई एवं अल्पसंख्यकों को उक्त योजनाओं में समुचित भागीदारी हेतु कार्य करने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया। विभागों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रतिवेदनों को माननीय अध्यक्ष द्वारा अन्य जिलों के मुकाबले गढ़वा जिले का प्रतिवेदन संतोषजनक बताया गया। शिक्षा विभाग एवं कृषि विभाग के समीक्षा के दौरान योजनाओं में कुछ मामले में कमियां पाई गई, जिस पर उन्होंने ऐसे सभी रुके हुए मामले को फोकस करते हुए संचालित करने हेतु निदेशित किया गया। विभिन्न सरकारी उर्दू विद्यालयों में उर्दू पुस्तकों के विद्यार्थियों के बीच वितरण, छात्रावास की कमी, पंजीकृत मदरसों की संख्या में कमी आदि समस्याओं पर उन्होंने कहा कि इससे संबंधित विस्तृत एवं स्पष्ट प्रतिवेदन राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में प्रस्तुत कर उक्त कर्मियों को पूर्ण करने के लिए कार्य किए जाएंगे। उक्त बैठक व प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपरोक्त के अतिरिक्त सिविल सर्जन गढ़वा डॉक्टर अशोक कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी धीरज प्रकाश, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी प्रमेश कुशवाहा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नीरज कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी आकाश कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रंका, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत मंझिआंव एवं नगर ऊंटारी, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल, कृषि विभाग, मत्स्य विभाग, खनन विभाग, कारा विभाग एवं उपरोक्त अन्य विभागों के पदाधिकारी व कर्मचारी समेत प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

गड्ढे के पानी में डूबने से बच्ची की मौत, कटिहार के खैरा पंचायत में हादसा

कटिहार। कटिहार के पोठिया थाना क्षेत्र के खैरा पंचायत के वार्ड संख्या दस में गड्ढे के पानी में डूबने से चार वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। वहीं, बच्ची की मौत की खबर क्षेत्र में आग की तरफ फैल गई। यहां समेली प्रखंड के खैरा पंचायत के खैरा गांव के निवासी संजीव मंडल की बड़ी बेटी चार वर्षीय मीनाक्षी कुमारी घर के दरवाजे के समीप खेलने के क्रम में बरसात के जमा हुए पानी के गड्ढे में जा गिरी। बच्ची की गड्ढे में डुबकर मौत हो गयी। सूचना मिलते ही पोठिया थाना के पुअनि अरविंद कुमार सिंह, पीएसआई हितेश कुमार सहित सदल-बल पहुंचकर कागजी प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए शव को कटिहार सदर अस्पताल भेजा है। घटना से मृत बच्ची की माता-पिता सहित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, राजद नेता बेबी कुमारी, मुखिया राजीव कुमार मंडल, सरपंच प्रेमचंद मंडल सहित जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, पत्रकार ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

बिरौल अनुमंडल का मना स्थापना दिवस

दरभंगा/बिरौल। अनुमंडल मुख्यालय में शुक्रवार को नए भवन में पहली बार अनुमंडल का 32वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अनुमंडल प्रशासन की ओर से केक काट कर किया गया। वहीं पौधरोपण कर लोगों ने एक-दूसरे को शुभकामना देकर कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीओ उमेश कुमार भारती ने की। कार्यक्रम में उपस्थित अनुमंडल के सभी प्रखंड के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य एवं वरिष्ठ नागरिकों ने अनुमंडल स्थापना दिवस के अवसर पर फलदार एव छायादार 200 पौधे अपने हाथों से लगाये। मौके पर अध्यक्षीय उद्बोधन में एसडीओ ने प्रशासनिक स्तर के अधिकारियों को अपने कर्तव्यों का बोध कराया। उन्होंने कहा कि सेवा करने में कोई समय सीमा नहीं होता। नौकरी पेशा का मूलमंत्र सेवा करना है। इसमें निहायत अतिपिछड़ा क्षेत्र में मौका मिलना सौभाग्य की बात है। उसमें भी जरूरतमंद व गरीबों को सेवा करने से सकून मिलता है। एसडीपीओ मनीष चंद चौधरी ने क्षेत्र के विकास में तेजी लाने पर चर्चा करते हुए कहा कि बिरौल का विकास जिस गति से हो रहा है, आने वाला समय में निश्चित रूप से जिला बनेगा। यह जिला बनने का सभी अहर्ता पूरा करता है। कार्यक्रम का संचालन पप्पू नायक कर रहे थे।

तीसरी कक्षा का छात्र लापता

साहेबगंज। साहेबगंज बाजार के माई स्थान मुहल्ला स्थित डेरा से साइकिल लेकर निकला पकड़ी बसारत पंचायत के घनैया निवासी दिलीप कुमार का छोटा पुत्र शुभम कुमार (11) गुरुवार शाम से लापता है। वह तीसरी कक्षा का छात्र है। मामले में दिलीप कुमार ने थाना में पुत्र के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई है। त्वरित कार्रवाई करते हुए थानाध्यक्ष सिकंदर कुमार ने माई स्थान मुहल्ला में सीसीटीवी फुटेज खंगाला, जिसमें बच्चा को साइकिल चलाते देखा गया। छानबीन के दौरान ब्लॉक गेट के समीप दुर्गा सिंह के डेरा में सोए होने की जानकारी मिली। शुक्रवार की सुबह पुलिस ने दुर्गा सिंह के डेरा के बगल से शुभम की साइकिल बरामद की है। कुछ लोगों का कहना था कि शुक्रवार की सुबह बच्चा को देखा गया था। दिलीप कुमार बच्चों की पढ़ाई के उद्देश्य से किराए के मकान में डेरा लिए हुआ है। शुभम कुमार एक निजी विद्यालय में तीसरी कक्षा में पढ़ता है। शुभम दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा है। थानाध्यक्ष सिकंदर कुमार ने बताया कि चार लोगों को पूछताछ के लिये थाना लाया गया है। जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा। इधर किसी अनहोनी को लेकर परिजन चिंतित हैं।

सैदनगर व लोहिया चौक से हटाया अतिक्रमण

दरभंगा/लहेरियासराय। बुलडोजर सैदनगर और लोहिया चौक पर अतिक्रमण पर चला। लोहिया चौक से सैदनागर विश्वकर्मा मंदिर तक सड़क किनारे से दर्जनों दुकानें हटाई गईं। इलाके को जाम से निजात दिलाने को लेकर नगर निगम की धावा दल और यातायात थाना की पुलिस ने कारवाई की। वहीं अतिक्रमणकारियों से जुर्माना के रूप में आठ हजार से अधिक राशि वसूली गई। कई अतिक्रमणकारियों का सामान भी जब्त किया गया है। अतिक्रमण हटाने के दौरान धावा दल को विरोध का सामना भी करना पड़ा। स्थानीय दुकानदार प्रकाश सहनी ने बताया की नगर निगम बैगर कोई वैकल्पिक व्यवस्था के ही अतिक्रमण खाली करवाने लगा है। निगम हम लोगो के लिए लहेरियासराय गुदरी बाजार स्थित मछली मंडी को व्यवस्थित कर दे तो मछली दुकानदार सड़क किनारे दुकान नहीं लगाएंगे। धावादल प्रभारी राजा राम ने बताया की नगर निगम और यातायात थाना संयुक्त रूप से अभियान चलाकर सड़कों को अतिक्रमण से मुक्त करवाने में जुटा है। वहीं नगर प्रबंधक रवि अमरनाथ ने बताया की अतिक्रमण खाली करवाने से पूर्व लगातार माइकिंग के माध्यम से अतिक्रमण करियो को सूचित किया जाता है।

बांका में करंट लगने से एक वृद्ध की मौत, बिजली के लीकेज होने से हादसा

बांका, एजेंसी। बांका के अमरपुर थाना क्षेत्र में करंट की चपेट में आने से एक वृद्ध की मौत हो गई। मृतक घर के दरवाजे के पास खड़ा था। ऊक्त जगह बिजली का लीकेज तार था। अचानक बिजली आने पर उसके चपेट में आ गया। घर वालों द्वारा अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने जांच कर मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। घटना शुक्रवार देर शाम की है।अमरपुर थाना क्षेत्र के पवई वार्ड नंबर 7 में करंट की चपेट में आने से एक वृद्ध की मौत हो गई। मृतक नवीन दास उम्र 60 साल का था। मृतक के बेटे श्रवन दास ने बताया कि उनके पिता घर के बाहर सड़क किनारे दरवाजे पर खड़े थे। वहीं विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से वह मूर्च्छित होकर गिर पड़े।

आनन-फानन में उन्हें विद्युत प्रवाहित तार की चपेट से अलग कर रेफरल अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर पंकज कुमार ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद अस्पताल परिसर में ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना के बाद से गांव में मातम पसरा हुआ है।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि जिस जगह वृद्ध खड़ा था उस जगह बिजली का तार लीकेज है, किसी को पता नहीं था। इस तरह बिजली कटी हुई थी। अचानक बिजली आई और उसके चपेट में आकर बेहोश होकर गिर गया।

बाढ़ को लेकर अधिकारियों को डीएम ने किया अलर्ट

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने जिले के सभी अधिकारियों को संभावित बाढ़ को लेकर अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि जिले कि नदियों के जल ग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश होने के संकेत मिल रहे है।

इससे नदियों का जलस्तर में वृद्धि होने से इनकार नहीं किया जा सकता। तटबंधों को सुरक्षित रखने के लिए चौकीदारों की प्रतिनियुक्ति की गई है। डीएम ने बताया कि संबंधित विभागीय अधिकारियों को निरंतर गश्ती करते हुए चौकसी बरतने का निर्देश दिया है।

यहां भी तटबंधों पर दबाव व कटाव रोधी कार्य स्थल पर दबाब की स्थिति बनने पर वहां युद्ध स्तर पर कटाव रोधी कार्य चलाने का निर्देश दिया गया हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में पहले से 27 एसडीआरएफ की टीम तैनात है। इसके अलावे एसडीआरएफ की अतिरिक्त टीम भी बुलाई जायेगी।

भक्ति पूर्ण माहौल में संपन्न हुआ सुखजोरा नाग बाबा मेला

प्रतिनिधि, बासुकीनाथ। रविवार को जरमुंडी प्रखंड के प्रसिद्ध सुखजोरा नाग बाबा मंदिर में नाग देवता की पूजा अर्चना को लेकर प्रात: काल से ही हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है । सुखजोरा नाग बाबा मंदिर जरमुंडी प्रखंड के सुखजोरा गांव में स्थित है । सुखजोरा नाग मंदिर में पूजा अर्चना को लेकर प्रत्येक वर्ष बंगाल, बिहार एवम झारखंड के कई जिलों से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है । ज्ञातव्य हो कि दुमका जिले के जरमुंडी प्रखंड स्थित सुखजोरा नाग बाबा मंदिर का मेला संथाल परगना प्रमंडल का सबसे बड़ा नाग देवता का मेला लगता है । इस मेले में दूर दूर से बिहार और बंगाल तथा स्थानीय व्यापारियों की भीड़ आम बेचने के लिए उमड़ती है । सुखजोरा नाग बाबा मेला नाग देवता की पूजा अर्चना एवम आम बिक्री के लिए प्रसिद्ध है । इस वार्षिक मेले में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ती है । लेकिन लचर प्रशासनिक व्यवस्था के कारण मेले में आने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है । बासुकीनाथ नोनीहाट मार्ग के बीच में धोबेय नदी के किनारे मुख्य मार्ग से पश्चिम दिशा में लगभग एक किमी की दूरी पर सुखजोरा नाग मंदिर स्थित है । लोगों की नाग देवता के प्रति बहुत श्रद्धा है । मेला में आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा नाग देवता को पूजन सामग्री से भरा डाली चढ़ाया जाता है । बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा नाग पोखर से नाग मंदिर तक दंडवत भी दिया जाता है । रविवार को सुखजोरा मेला में हजारों की भीड़ देखी जा रही है । धोबेय पुल और बासुकीनाथ नोनीहाट सुखजोरा पथ लगभग तीन घंटे से जाम है । लोग मेले में शीघ्र पहुंचने के लिए उतावले हो रहे हैं । जिससे बासुकीनाथ नोनीहाट मुख्य मार्ग में भीड़ के कारण जाम लगा हुआ है । सुखजोरा नाग बाबा मंदिर में अबतक दर्जनों पाठा का बलि दिया जा चुका है । सुखजोरा नाग बाबा मंदिर के बारे ने लोगों में मान्यता है कि नाग मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद वहां का नीर और प्रसाद ग्रहण करने से लोगों को साल भर पर्यंत सर्पदंश से मुक्ति मिल जाती है । सुख जोरा नाग मंदिर में दर्जनों दुकानें भी हैं । जिसमें लोगों के घरेलू और निजी जरुरत का सामान मिल जाता है । बच्चो के मनोरंजन के लिए भी खेल तमाशे मेला में उपलब्ध है । एक दिवसीय सुखजोरा नाग बाबा मेला में लाखो का व्यापार होता है । वैसे तो जरमुंडी प्रखंड क्षेत्र में कई नाग मंदिर अवस्थित हैं । लेकिन सुखजोरा नाग बाबा मंदिर की बात ही निराली है । इस नाग बाबा मंदिर के प्रति लोगों की श्रद्धा और विश्वास देखते ही बनती है । जरमुंडी प्रखंड के सुखजोरा नाग बाबा मेला एक प्रसिद्ध पारिवारिक मेला है । जहां लोग अपने परिजनों के साथ मेला में पहुंचते हैं ।

जिले के सभी प्रज्ञा केंद्र संचालकों को डिजिटल पंचायत परियोजना से संबंधित दिया गया प्रशिक्षण

प्रतिनिधि, चाईबासा। शनिवार को पंचायती राज विभाग रांची के निर्देशानुसार प्रमंडलीय प्रशिक्षण संस्थान कोल्हान प्रमंडल चाईबासा में डिजिटल पंचायत परियोजना अन्तर्गत कार्यरत प्रज्ञा केंद्र संचालकों के ऑनलाइन उन्मुखीकरण हेतु एकदिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का विधिवत संचालन जिले के प्रभारी DPM, District In-Charge, CSC जिला प्रबंधक एवं CSC से नामित मास्टर ट्रेनर हर्ष कुमार (रांची) के द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यशाला में मुख्य रूप से पंचायत स्तर पर ही लोगों को सभी प्रकार के सरकारी सुविधाओं का लाभ मिले इस पर सभी प्रज्ञा केंद्र संचालकों को विशेष प्रयास करने पर जोर दिया गया। राज्य स्टीम से आए मास्टर ट्रेनर हर्ष कुमार द्वारा कार्यशाला में उपस्थित प्रज्ञा केंद्र संचालकों को पंचायत अंतर्गत PDI पोर्टल में पंचायत विकास सूचकांक से संबंधित डाटा इंट्री एवं उनके विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी के साथ ग्राम पंचायत विकास कार्यक्रम से संबंधित रूप रेखा एवं ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर ऑनलाइन प्रविष्टि के विभिन्न चरणों का प्रशिक्षण, मनरेगा योजना की गतिविधि को उसके पोर्टल पर इंट्री की विस्तृत जानकारी के साथ-साथ 15th फाइनेंस और जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। कार्यशाला में ष्टस्ष्ट के सेवा डाक मित्र, आरटीआई फाइलिंग, IRCTC सेवा, टेली लॉ, एवं किसानों से जुड़े सभी सेवाओं तथा अन्य सेवाओं की जानकारी और प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर जिला के सभी पंचायत में shifted प्रज्ञा केंद्र संचालक उपस्थित रहे जिला पचायत राज पदाधिकारी के द्वारा कार्यक्रम की सफलता को लेकर विशेष जोर दिया गया। अंत में District In-Charge के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर प्रशिक्षण सह कार्यशाला का समापन किया गया।

झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने किया बाबा फौजदारी की पूजा- अर्चना

प्रतिनिधि, बासुकीनाथ। रविवार को अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के बीच झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश माननीय जस्टिस विद्युत रंजन षाडंगी ने सपरिवार बाबा बासुकीनाथ मंदिर में पूजा अर्चना किया । बासुकीनाथ मंदिर के धर्मरक्षिणी सभा के अध्यक्ष मनोज कुमार पंडा, महामंत्री संजय कुमार झा, कुंदन कुमार झा, कुंदन कुमार पत्रलेख सहित ग्यारह सदस्यीय पंडा पुरोहितों के टीम ने चीफ जस्टिस विद्युत रंजन षाडंगी एवम उनके परिजनों को षोडशोपचार विधि से पूजा अर्चना एवम आरती भी कराया । मुख्य न्यायाधीश श्री षाडंगी रविवार को लगभग नौ बजे प्रात: बासुकीनाथ पहुंचे । कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उन्होंने बासुकीनाथ मंदिर परिसर में प्रवेश किया । संकल्प एवम अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होने के बाद उन्होंने सपरिवार बाबा बासुकीनाथ मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर रिमझिम वर्षा के बीच बाबा बासुकीनाथ जी का षोडशोपचार पूजन किया । पंडा धर्मरक्षिणी सभा के देखरेख में ग्यारह पंडा पुरोहितों के टीम ने उन्हें मंत्रोच्चार के बीच पूजा अर्चना कराया । माता पार्वती एवम शत्रु संहारिणी मां बगलामुखी के पूजा अर्चना के बाद उन्होंने बाबा बासुकीनाथ जी का आरती किया । पूजा अर्चना एवम आरती संपन्न होने के बाद बासुकीनाथ मंदिर के पंडा धर्मरक्षिणी सभा के अध्यक्ष मनोज कुमार पंडा, महामंत्री संजय कुमार झा और सचिव कुंदन कुमार झा ने जस्टिस षाडंगी को माला पहनाकर वस्त्र देकर सम्मानित किया । इस मौके पर दर्जनों पंडा पुरोहित, सुरक्षाकर्मी, दर्जनों अधिकारी सहित अन्य मौके पर मौजुद रहे । झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पूजा अर्चना को लेकर सुरक्षा कारणों से बासुकीनाथ मंदिर परिसर में प्रवेश करने वाले सभी गेट और फाटक को लगभग तीन घंटा तक बंद रखा गया था । जिससे मंदिर परिसर के बाहर सैकड़ों श्रद्धालु मंदिर के गेट खुलने के इंतजार में खड़े रहे ।

रामतीर्थ तथा चंपुआ में रथयात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

रथ खींचकर पहुंचाया अपने मौसी बाड़ी

प्रतिनिधि, जैंतगढ़। रामतीर्थ मंदिर में भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की रथयात्रा रविवार को निकाली गई। इस अवसर पर हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी। रंग बिरंगे रथों पर रथारूढ़ होकर भगवान अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए मंदिर से बाहर आए। यहाँ रथयात्रा के अवसर पर तीनों भगवान को पहण्डी कर रथों पर सवार किया और भगवान की पूजा अर्चना कर हजारों भक्त भजन कीर्तन कर नाचते गाते हुए रथ को खींच कर मौसी बाड़ी तक पहुँचाया। चंपुआ के जगन्नाथ मंदिर में भी रथ को खींचकर मौसी बाड़ी पहुंचाया। यहां प्रभु जगन्नाथ अपने मौसी बाड़ी में 8 दिनों तक रहकर 15 जुलाई को अपने पूजा स्थल के लिये प्रस्थान करते हैं जिसे हम बहुड़ा यात्रा या घूरती रथ के नाम से भी जानते है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए जगन्नाथपुर थाना की पुलिस तैनात थी।

बांग्लादेशी घुसपैठ का ममला इस बार पहुंच सकता है अंजाम तक

- **हाई कोर्ट ने उपायुक्त से मांगी रिपोर्ट**
- **विधायक ने राज्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा था सबूत**

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

साहिबगंज। झारखंड हाईकोर्ट की सख्ती के बाद लंबे समय से साहिबगंज में उठ रहा बांग्लादेशी घुसपैठ का मामला इस बार अंजाम तक पहुंच सकता है। हाईकोर्ट द्वारा इस मामले में उपायुक्त हेमंत सती से रिपोर्ट मांगे जाने की बात सामने आने के बाद जिला प्रशासन अपनी तैयारी में जुट चुका है। हालांकि, इस संबंध में जिला प्रशासन को सरकार या कोर्ट की ओर से अब तक किसी प्रकार का आदेश या निर्देश नहीं मिला है। इधर, मामले की जांच के लिए उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय कमेटी गठित करने का प्रस्ताव है, जिसमें अपर समाहर्ता राज माहेश्वरम व ईआरओ (निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी) शामिल होंगे। समिति में राजमहल विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह राजमहल एसडीओ, बरहेट के निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी और स्वयं अपर समाहर्ता राज महेश्वरम व बोरियो के ईआरओ सदर एसडीओ अंगारनाथ स्वर्णकार शामिल रहेंगे। ऐसे में जल्द ही इस संबंध में आदेश निर्गत होने व जांच शुरू होने की उम्मीद है। बता दें कि सर्वप्रथम 1990 के दशक में साहिबगंज जिला में बांग्लादेशी घुसपैठ की बात सामने आई थी। इसके बाद तत्कालीन उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देश पर मतदाता सूची की गहन छानबीन की गई थी। इस दौरान करीब 16 हजार संदिग्ध लोगों का नाम मतदाता सूची से काटा गया था। उस समय फर्जी मतदाताओं का नाम तो मतदाता सूची से काट दिया गया था, लेकिन उनपर न तो किसी तरह की दंडात्मक कार्रवाई की गई थी और न ही उन्हें अब तक वापस भेजा जा सका है इस स्थिति में जिनका नाम कटा था, उन्होंने अपना अपना नाम पुन-धीरेङ्कधीरे मतदाता सूची में शामिल करा लिया और वही संख्या आज लाखों में पहुंच चुकी है। इस संबंध में राजमहल विधायक अनंत कुमार ओझा ने बीते दिनों राज्य निर्वाचन अधिकारी के. रवि कुमार को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की थी। इसके लिए उन्होंने निर्वाचन अधिकारी को सबूत भी सौंपा था।

मोहर्रम कमेटी के खलीफा-उप खलीफा का चयन

कटिहार, एजेंसी। कटिहार के ऑफिस कॉलोनी बुद्धू चक वार्ड संख्या 7 के मोहर्रम के खलीफा के इस्तीफा देने के बाद में खलीफा चयनित करने के लिए समाज के बुद्धिजीवियों की मौजूदगी में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित वार्ड पार्षद 7 के आलोक वर्मा मौजूद रहे।

इन लोगों ने सबसे पहले वार्ड के पार्षद आलोक वर्मा को फूल का माला पहनकर स्वागत अभिनंदन किया। इसके बाद सभी मेंबर को फूल का माला पहनाकर हौसला बढ़ाया गया। मौजूद लोगों ने सर्वसम्मति से चुने गए खलीफा मोहम्मद असलम और उप खलीफा मोहम्मद नियामुल को पगड़ी पहना कर एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी।

जिम्मेदारी लेने के बाद खलीफा मोहम्मद असलम ने कहा कि हमारे समाज के लोगों ने हम पर भरोसा जताया है। इस भरोसे पर मैं खड़ा उतारूंगा। अपनी जिम्मेदारी को शत प्रतिशत निभाऊंगा। हर साल जिस तरह से शांतिपूर्ण वातावरण में मनाते आया हूं। इस साल भी शांति सद्भाव के साथ जुलूस निकाला जाएगा। सभी से अनुरोध करना चाहता हूं कि इस मर्तबा जुलूस में प्रशासन के नियम गाइडलाइन आएंगे। उस नियम और गाइडलाइन को मानना हम सभी की जिम्मेदारी होगी।

गौरतलब है की बुद्धू चक्र के मोहर्रम कमेटी के सेक्रेटरी मोहम्मद चांद बनाए गए हैं। कैशियार मोहम्मद शमशाद सदर मोहम्मद नासिर खान, और मेंबर में मोहम्मद जहांगीर, मोहम्मद तारीक, मोहम्मद शाकिर, विक्की, पप्पू, जमाल, कमाल, भोला, तालिब, चुनना, गुड्डू, नसीम, मौसम, इदरीस, समसाद शामिल है।

गया में बंद घर से 10 लाख की चोरी, ताला तोड़कर घर में घुसे चोर

गया, एजेंसी। गया शहर के चंदौती थाना इलाके में बेखौफ चोरों ने बंद घर में घुसकर 10 लाख से ज्यादे की चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चंदौती थाना क्षेत्र के अलीगंज मोहल्ले के रोड़ नंबर 3 में रहने वाले जहांगीर खान के बंद घर को चोरों ने निशाना बनाया। घर के लोग इलाज के लिए पटना गए हुए थे। घर में ताला लगा था। इसका मौके का फायदा चोरों ने उठाया। गुरुवार की सुबह चोरी की घटना की जानकारी मिली। चोर घर के गेट का ताला तोड़कर घर में घुसे और फिर 1 लाख 55 हजार कैश समेत सोने-चांदी के जेवरात कई अन्य सामान लेकर फरार गए। सुबह जब सफाई करने के लिए काम करने वाली आई तो देखा कि घर का दरवाजा खुला है। कमरे में सारा सामान बिखरा पड़ा है। तब इसकी जानकारी घर के मालिक को दी। इसके बाद पीड़ित जहांगीर खान ने चंदौती थाने की पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस जांच में जुट गई है।पीड़ित ने कहा घटना की जानकारी मिलने पर जब वह अपने घर पहुंचा तो मेन गेट का ताला टूटा हुआ था। घर के अंदर के कमरे का दरवाजा खुला हुआ था। सारा सामान बिखरा था। कमरे में मौजूद आलमारी का लॉक टूटा था। लाकर में रखे गए 1 लाख 55 हजार रुपये, सोने, चांदी के जेवरात और महंगे सामान गायब थे। चोर मेन गेट का ताला तोड़कर घर में दाखिल हुए। इसके बाद चोरी की घटना का अंजाम दिया। डीएसपी लॉ इन ऑडर खुर्शीद आलम ने बताया कि घटना की जानाकरी मिली है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। जल्द ही सभी चोर गिरफ्तार किए जाएंगे।

महिला थाने में नहीं दर्ज हुआ पीड़िता का केस : दरभंगा/लहेरियासराय। देशभर में नए आपराधिक कानून लागू होने से लोगों में उम्मीद की किरण जगी थी कि इस कानून के तहत कोई भी शिकायतकर्ता किसी भी थाने में प्राथमिकी दर्ज करवा सकते हैं। लेकिन महिला थानाध्यक्ष ने इस कानून का उल्लंघन करते हुए एक पीड़िता की प्राथमिकी नहीं दर्ज की। बताया जाता है कि पटना की रहने वाली एक पीड़िता के साथ दूसरे धर्म के लड़के ने शादी का झांसा देकर कई वर्षों तक यौनशोषण किया। उसके बाद हायाघाट थाना क्षेत्र के रहने वाले आरोपित ने पीड़िता से शादी नहीं कर दूसरी लड़की से शादी कर ली।

प्रदेश के 13 मेडिकल कॉलेजों की मान्यता पर संशय, एनएमसी की ओर से अभी तक नहीं मिली है मान्यता

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश के 13 नए मेडिकल कॉलेजों की मान्यता पर इस वर्ष भी संशय है। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) की टीम निरीक्षण कर चुकी है। इसके बाद भी अभी तक किसी भी कॉलेज को मान्यता नहीं दी गई है। इसके पीछे बड़ी वजह कॉलेजों में संकाय सदस्यों की कमी है तो एक ही प्रधानाचार्य के पास दो-दो कॉलेजों का चार्ज है। प्रदेश में 13 राज्य स्वशासी मेडिकल कालेज का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। ये कालेज कुशीनगर, कौशांबी, सुल्तानपुर, कानपुर देहात, ललितपुर, पीलीभीत, ओरैया, सोनभद्र, बुलन्दशहर, गोंडा, बिजनौर, चंदौली, लखीमपुर खीरी जिले में हैं। इन्हें संचालित करने के लिए वर्ष 2023-24 से तैयारी चल रही है। उम्मीद थी कि सत्र 2024-25 में इन कॉलेजों को एमबीबीएस पाठ्यक्रम शुरू करने की अनुमति मिल जाएगी। इससे प्रदेश में एमबीबीएस की 1300 सीटें बढ़ जाती, लेकिन अब यह उम्मीद खत्म होती नजर आ रही है। क्योंकि 24 जून को एनएमसी की टीम के स्थलीय निरीक्षण में आधारभूत संरचना से लेकर संकाय सदस्यों तक की कमी मिली। फिर सप्ताहभर बाद वर्चुअल सुनवाई हुई। इसके बाद भी अभी तक एनएमसी ने मान्यता संबंधी पत्र जारी नहीं किया है। इन कॉलेजों की मान्यता नहीं मिलने की स्थिति में प्रदेश में 31 मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 3828 सीटों और निजी क्षेत्र की 5450 सीटों पर काउंसिलिंग की तैयारी चल रही है। इसी तरह बीडीएस की सरकारी क्षेत्र की 70 और निजी क्षेत्र की 2200 सीटों पर काउंसिलिंग कराई जाएगी।

एक प्रधानाचार्य के पास दो- दो कॉलेज का चार्ज, कैसे दें घोषणा पत्र

सूत्रों की मानें तो कालेज के सभी चिकित्सा शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यों को घोषणा पत्र देना होता है। ताकि यह स्पष्ट हो सके कि संबंधित शिक्षक अन्य किसी कॉलेज में अध्यापन नहीं कर रहे हैं। एनएमसी की टीम ने दो-दो कॉलेजों का प्रधानाचार्य बनने वाले प्रोफेसरों से घोषणा पत्र भरवाया तो पूरे मामले की पोल खुली। कई प्रोफेसरों ने घोषणा पत्र भरने से आनाकानी की। ऐसे में दोबारा वर्चुअल निरीक्षण भी हुआ है। सूत्रों की मानें तो कई कॉलेजों में कार्यवाहक प्रधानाचार्य के रूप में कार्यरत प्रोफेसर संबंधित पद की योग्यता भी नहीं रखते हैं। कई प्रधानाचार्यों को उनके गृह क्षेत्र में भी तैनाती दी गई है और वे दो-दो कॉलेज का कार्यभार देख रहे हैं। इस पर भी एनएमसी ने आपत्ति की है। फिलहाल पांच जुलाई को चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय ने फिरोजाबाद, एटा, हरदोई, प्रतापगढ़, मिर्जापुर, औरैया, लखीमपुर खीरी, ललितपुर और जौनपुर के प्रधानाचार्य पद के लिए आवेदन मांगा है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 26 जुलाई है।

संक्षिप्त समाचार

यमुना एक्सप्रेस वे के इंटरचेंज पर बने गड्ढे में डूबे चार बच्चों की मौत

आगरा , एजेंसी। आगरा में खंदौली यमुना एक्सप्रेस वे इंटरचेंज पर बने गड्ढे में नहाने गए तीन बच्चों को डूबते देख महिला सहित 6 लोग बचाने के लिए पानी मे कूद गए। बच्चों को बचाने के प्रयास में सभी डूबने लगे। घटना की जानकारी पर पहुंचे ग्रामीण व पुलिस ने सभी को बाहर निकाला, जिनमें चार बच्चों की मौत हो गई। वहीं अन्य लोगों को उपचार के लिए हॉस्पिटल भेजा गया है। घटना की जानकारी होने पर क्षेत्रीय विधायक भी मौके पर पहुंच गए। खंदौली यमुना एक्सप्रेस वे इंटरचेंज पर कानपुर व आरैया के रहने वाले सात मजदूर परिवार विगत दिनों से यहां तम्बू लगाकर रह रहे हैं। आसपास के गावों में जाकर समान बचते थे। रविवार सुबह पास में ही बने पानी से भरे गड्ढे में तीन बच्चे हिना, खुशी व चांदनी नहाने के लिए कूद गए। कुछ ही देर बाद तीनों डूबने लगे। आवाज सुनकर परिवार की महिला नगीना पत्नी छिगा, अनुराधा, रागिनी, प्राची, सनी व रिया भी कूद गईं। सभी डूबने लगे, जिन्हें देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस व ग्रामीणों ने रस्सी डालकर सभी को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला। जिनमें हिना, खुशी, चांदनी और रिया की मौत हो गई। अन्य सभी को उपचार के लिए भेज दिया गया है। घटना की सूचना पर एसीपी और विधायक भी पहुंच गए।

ट्रेन से कटा मवेशी, 25 मिनट खड़ी रही ट्रेन

रायबरेली , एजेंसी। अमृतसर से हावड़ा जाने वाली पंजाब मेल की चपेट में आने से एक मवेशी कट गया। इससे ट्रेन को रोकना पड़ा। ट्रैक क्लियर करने में समय लगा, जिससे 25 मिनट तक गाड़ी बीच रास्ते में खड़ी रही। शनिवार को अमृतसर से हावड़ा जाने वाली पंजाब मेल रायबरेली स्टेशन पर आधे घंटे देर से पहुंची। कुछ मिनट रुकने के बाद ट्रेन आगे बढ़ी। अगला स्टॉपेज अमेठी के जायस स्टेशन पर था, लेकिन रास्ते में हादसा हो गया। रायबरेली-रूपामऊ स्टेशनों के बीच पंजाब मेल से मवेशी कट गया, जिससे ट्रेन को रोक दिया गया। इससे ट्रेन की लेटलतीफी बढ़ गई। ट्रैक क्लियर होने के बाद पंजाब मेल रवाना की गई, लेकिन जिससे यह गाड़ी जायस स्टेशन पर एक घंटे विलंब से पहुंची। यातायात निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि रायबरेली-रूपामऊ स्टेशनों के बीच पंजाब मेल की चपेट में आने से एक मवेशी कट गया। हादसा दोपहर 12.48 बजे हुआ। ट्रैक क्लियर करने के बाद ट्रेन रवाना की गई।

पेड़ गिरने से टूटे तार

रायबरेली। बारिश और हवा से जिले की बिजली व्यवस्था बेपटरी हो गई। शुक्रवार रात नौ बजे शहर में आईटीआई रोड डायट के पास पेड़ गिरने से चार खंभे टूट गए। तार जमीन पर बिखर गया। इससे कई मोहल्लों की चार घंटे बिजली गुल रही। बिजली गुल होने से गोराबाजार, पीएसी, सिविल लाइंस, मलिकमऊ, जवाहर बिहार कॉलोनी समेत 15 मोहल्लों के लोग गर्मी और उमस से बेहाल रहे। पावर कॉर्पोरेशन के अभियंताओं ने जगतपुर विद्युत उपकेंद्र की 33 केवी लाइन से जोड़कर रात करीब एक बजे बिजली बहाल कराई। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र के विद्युत उपकेंद्र उत्तरपारा से निकले मधुपुरी फीडर में कई जगह पेड़ गिरने से शाम छह बजे से रात 12 बजे तक बिजली गुल रही। इससे सुलखियापुर, खनुवा, नथईपुर, समेत 20 गांवों की बिजली गुल रही। उपभोक्ता अजय कुमार मौर्य, अजय यादव, चंद्रभान सिंह ने बताया कि 24 घंटे में महज आठ घंटे बिजली मिल रही है।

पेड़ गिरने से केबल टूटी, आठ घंटे बिजली गुल

बछरावां। ब्लॉक क्षेत्र में शुक्रवार रात तीन बजे के करीब बारिश से मंदाखेड़ा गांव के पास पेड़ गिर गया। इससे बिजली की केबल टूट गई। इससे पूरे गांव की बिजली गुल हो गई। ग्रामीण राजकुमार, बंसीधर तिवारी, रतीपाल ने बताया कि बारिश के दौरान ट्रांसफार्मर से निकली केबल पर पेड़ गिर गया। इससे रातभर बिजली नहीं आई। शनिवार सुबह 11 बजे बिजली आने पर लोगों ने राहत की सांस ली। अवर अभियंता देवेंद्र कुमार ने बताया कि बारिश के कारण पेड़ गिरा था। केबल जोड़वाकर बिजली बहाल करा दी गई है।

युवक का शव ईदगाह के पास तालाब किनारे झाड़ियों में मिला, परिजन ने लगाया अवैध संबंधों के चलते हत्या का आरोप

आगरा , एजेंसी। एटा के थाना जसरथपुर क्षेत्र के गांव महाराजपुर निवासी एक युवक का शव शुक्रवार की देर रात कस्बा व थाना अलीगंज में ईदगाह के पास तालाब किनारे झाड़ियों में मिला। गांव की ही एक महिला से अवैध संबंधों के चलते हत्या का आरोप परिजन ने लगाया। जिस पर पुलिस ने महिला सहित दो को गिरफ्तार कर लिया है। पंकज (28) निवासी महाराजपुर थाना जसरथपुर का शव शुक्रवार रात मिला। पुलिस ने परिजन को सूचना दी और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की मां सुषमा देवी ने गांव की ही राजकुमारी व तीन अन्य लोगों पर बेटे की हत्या कर शव को फेंकने का आरोप लगाया। बताया कि पंकज के इस महिला के साथ संबंध थे। 1 जुलाई को पंकज अपने खेत के इकरारनामा को निरस्त कराने की जानकारी लेने के लिए अलीगंज तहसील गया था। अपने साथ परिवार के ही चाचा सौरव और तहेरे भाई सचिन को भी ले गया था। दोपहर बाद लगभग 3 बजे महिला का कॉल उसके फोन पर आई। इस पर कुछ देर में वापस लौटने की कहकर बाइक लेकर चला गया। जब देर शाम तक वह नहीं लौटा तो सौरव और सचिन घर लौट आए। जिसके बाद हम लोगों ने आसपास भी ढूंढा मगर कोई सुराग नहीं लगा। 4 जुलाई को थाना जसरथपुर में ही गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। सीओ अलीगंज सुधांशु शेखर ने बताया कि तहरीर के आधार पर चार लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। इनमें से राजकुमारी व उसके भतीजे अनीश को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं राजकुमारी का ननदोई राजीव व उसका बेटा विनय फरार चल रहा है। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा। फरार आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

पंकज व राजकुमारी के मधुर संबंधों से नाराज था ननदोई

पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि राजकुमारी व पंकज के घर आमने-सामने होने से मधुर संबंध बन गए थे। इससे राजकुमारी का ननदोई राजीव और उसके परिजन नाराज रहते थे। राजीव ने कई बार दोनों को समझाया था, लेकिन पंकज नहीं माना। राजीव ने राजकुमारी पर दबाव बनाकर पंकज को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। 1 जुलाई को फोन करके उसे अलीगंज में खेत पर बुलाया। जहां मफलर से उसका गला घोट दिया। हत्या करने के बाद शव को ईदगाह के पास झाड़ियों में फेंक दिया।

कानपुर में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर ले रहा आकार

10 हजार करोड़ रुपए से अधिक का निवेश

लखनऊ , एजेंसी। कभी पूरब का मैनचेस्टर कहा जाने वाला कानपुर आने वाले दिनों में आयुध नगरी के रूप में विख्यात होने जा रहा है। यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपी डीआईसी) तेजी से आकार ले रहा है। यूपी डीआईसी के प्रदेश में छह नोड हैं, जिसमें कानपुर नोड में सर्वाधिक निवेश हो रहा है। कानपुर नोड में सबसे बड़े पैमाने पर रक्षा क्षेत्र से जुड़े उत्पादों का निर्माण होगा। इसमें छोटे-बड़े हथियारों से लेकर गोला-बारूद और देश की सेना के लिए अत्याधुनिक वस्त्रों का निर्माण भी शामिल है। यही नहीं कानपुर नोड में अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े उपकरणों को भी निर्मित किया जाएगा।

अदाणी समूह बना रहा गोला-बारूद

कानपुर के नरवल तहसील अंतर्गत साढ़ में 218 हैक्टेयर से अधिक भूमि पर डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर आकार ले रहा है। यूपीडा के अधिकारियों के अनुसार अब तक यहां 24 कंपनियों ने निवेश की इच्छा जाहिर की है, जिसमें से पांच कंपनियों ने निवेश शुरू करते हुए कार्य प्रारंभ कर दिया है। इसमें सबसे बड़ा नाम अदाणी समूह का है, जिसने बीते फरवरी माह से ही यहां अपनी फैक्ट्री शुरू कर दिया है।

1500 करोड़ रुपए के निवेश से शुरू हुए इस प्रोजेक्ट के जरिए छोटे, मध्यम और बड़े कैलिबर के गोलाबारूद के विविध रेंज का निर्माण किया जाएगा। वहीं इसके अलावा 38 करोड़ रुपए से आधुनिक मैटेरियल एंड साइंसेज़ प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सैनिकों के लिए अत्याधुनिक वस्त्रों के निर्माण का कार्य भी शुरू हो चुका है। वहीं 360 करोड़ रुपए से नेत्र ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड आर्टलरी शेल का निर्माण करेगी और 3500 करोड़ रुपए से अनंत टेक्नोलॉजी एलईओ और जीईओ सैटेलाइट निर्माण से जुड़े उपकरण तैयार करेगी।

इन्फ्रास्ट्रक्चर पर सरकार खर्च कर रही 62 करोड़ रुपए से अधिक

यूपीडा के अधिकारियों के अनुसान कानपुर नोड के लिए अब तक 210 हैक्टेयर से अधिक भूमि अलॉट की जा चुकी है। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के कानपुर नोड से कुल 18 हजार से भी अधिक रोजगार सृजन होने की उम्मीद है। वहीं अब तक कुल 17 सौ करोड़ से अधिक का निवेश धरातल पर उतर भी चुका है, जिससे फिलहाल ढाई हजार रोजगार युवाओं को प्राप्त हुए हैं। कानपुर नोड में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए योगी सरकार 62 करोड़ रुपए से अधिक खर्च करेगी। इसमें से लगभग 33 करोड़ रुपए के कार्य पूरे हो चुके हैं। इसके अलावा 16 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य निर्माणाधीन हैं। वहीं 13 करोड़ से अधिक के कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है।

बिजली गिरने से दो किसानों की मौत

गदागंज-बछरावां (रायबरेली)। बारिश के बीच बिजली गिरने से दो किसानों की मौत हो गई। अचानक हुई इन घटनाओं से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस के साथ राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनाओं की जांच की। तहसील प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवारों को सरकारी मदद दिलाने की बात कही गई है।

गदागंज थाना क्षेत्र के बड़ा पुरवा गौरा हरदो निवासी राज बहादुर उर्फ संतोष (45) पुत्र राम सहाय शुक्रवार देर रात धान की रोपाई के लिए नहर से खेत में पानी भरने गया था। इसी दौरान मौसम का मिजाज बदला। बारिश होने लगी। बिजली गिरने से संतोष झुलस गया और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।

कुछ देर बाद संतोष घर नहीं पहुंचा तो परिजन मौके पर पहुंच गए। इस दौरान संतोष मृत अवस्था में खेत में पड़ा था। पत्नी पूनम ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मृतक किसान के साथ राजगीर भी था। उसकी मौत से पत्नी, बेटे रितिक कुमार (23), सतीश कुमार (21), दो बेटी प्रतिमा (17) व प्रतिभा (15) का रो-रोकर बुरा हाल है। तहसीलदार ध्रुव नारायण यादव ने बताया कि बिजली गिरने से किसान की जान गई है। लेखपाल एवं नायब तहसीलदार शिवम सिंह राठौर को जांच के लिए भेजा गया है। पीड़ित परिवार को सरकारी मदद दिलाई जाएगी।

बछरावां कोतवाली क्षेत्र के चिलौली मजरे सुल्तानपुर गांव निवासी छंगालाल (52) पुत्र संतू शुक्रवार शाम पत्नी फूलमती, बेटी आंचल, बेटे कमलेश व संजय के साथ धान की रोपाई करने खेत गया था। शाम सात बजे छंगालाल ने परिजनों को घर भेज दिया। वह खेत पर स्वयं रुक गया। इस दौरान बिजली गिरने से छंगालाल झुलस गया। परिजन मौके पर पहुंचे और उसे सीएचसी महराजगंज पहुंचाया। सीएचसी महराजगंज में छंगालाल ने दम तोड़ दिया। कोतवाली प्रभारी विजेंद्र शर्मा ने बताया कि बिजली गिरने से किसान की जान गई है।

डॉ. निशा हत्याकांड: बच्चों के सामने काट दिया था मां का गला, बेरहम कातिल को आजीवन कारावास की सजा

आगरा, एजेंसी। आगरा के कमला नगर में महिला चिकित्सक की चाकू से गोदकर हत्या एवं लूट के मामले में अदालत ने एत्माद्दौला थाना क्षेत्र के न्यू सीता नगर निवासी शुभम पाठक को दोषी पाया। विशेष न्यायाधीश दस्यु प्रभावी क्षेत्र रविकांत ने उसे आजीवन कारावास और 17 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

थाना कमला नगर में कावेरी कुंज निवासी डॉ. अजय कुमार सिंघल ने तहरीर दी थी। आरोप लगाया कि 20 नवंबर 2020 की शाम 5 बजे वह अपने हॉस्पिटल से घर लौटे थे। अंदर जाकर देखा तो पत्नी डॉक्टर निशा सिंघल (34) लॉबी में लहूलुहान हालत में फर्श पर पड़ी थीं। पत्नी की गर्दन में चाकू के गहरे घाव थे। पूरे शरीर से खून बह रहा था।

इससे घबराकर सात साल की बेटी नायशा और बेटे अदव्य को आवाज लगाई। दोनों बच्चे घर की पहली मंजिल के कमरे से घबराए, रोते नीचे आए। बच्चों ने बताया कि टीवी रिचार्ज करने वाले शुभम अंकल पहले घर आए थे। वह अंकल आज भी घर आए थे। उन्होंने ही मां की गर्दन पर चाकू से हमला किया था। इसके बाद मां जमीन पर गिर गईं।

उन्होंने हमला करते हुए देख लिया तो उन पर भी हमला बोल दिया। मौका पाकर ऊपर वाले कमरे में घुसकर अंदर से कुंडी बंद कर ली थी। डॉ. अजय ने बताया कि बेडरूम में अलमारी का लॉक टूटा था। गहने व नकदी गायब थे। तुरंत ही पत्नी को निजी अस्पताल लेकर गए। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी शिवम पाठक के विरुद्ध हत्या, लूट और हत्या के प्रयास आदि धाराओं में केस दर्ज किया था।

तत्कालीन थानाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा ने वारदात वाली रात में ही मुठभेड़ में आरोपी को पकड़कर लूटे गहने, नकदी, तमंचा, कारतूस और हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया था। अभियोजन पक्ष की तरफ से डॉ. अजय सिंघल, दोनों बच्चे और थानाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा सहित 8 गवाह अदालत में पेश किए गए।

गहने, नकदी राज्य सरकार के पक्ष में जब्त

अदालत ने सभी आरोपों की सजा साथ-साथ चलने के आदेश किए हैं। डॉ. अजय सिंघल ने अदालत से पत्नी के गहने व नकदी भी रिलीज नहीं कराई। इस बारे में अदालत ने उनसे पूछा तो उन्होंने कहा कि जब पत्नी ही नहीं रही तो गहने और रुपयों का लेकर क्या करूंगा। इस पर अदालत ने रिलीज प्रार्थनापत्र प्रस्तुत नहीं करने पर गहने व नकदी को राज्य सरकार के पक्ष में जब्त करने का आदेश दे दिया।

गोरखपुर, प्रयागराज समेत कई जिलों में भारी बारिश

लखनऊ, एजेंसी। गोरखपुर, प्रयागराज समेत प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश का दौर लगातार जारी है। शनिवार को इन दोनों शहरों में 103 व 60 मिमी से अधिक बारिश हुई।

इसी तरह हरदोई, बाराबंकी, कानपुर, इटावा, लखीमपुर खीरी, बहराइच, शाहजहांपुर, बरेली, नजीबाबाद आदि शहरों में भी अच्छी बारिश रिकॉर्ड की गई।

आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, रविवार को भी बरसात की तीव्रता बरकरार रहेगी। सोमवार से इसकी तीव्रता में कमी आने के आसार हैं। बारिश बंद नहीं होगी, लेकिन कम होने के आसार हैं। खास कर तराई क्षेत्रों में बारिश कम होने से बाढ़ जैसे हालात से जूझ रहे लोगों को राहत मिलेगी।

इन इलाकों के लिए अलर्ट: बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुरखीरी, सीतापुर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर और आसपास बहुत भारी बारिश के आसार हैं। वहीं देवरिया, गोरखपुर, एसके नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, हरदोई, फरुखाबाद, संभल, बदायूं और आसपास भी अच्छी बरसात के संकेत हैं। इन इलाकों के लिए मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है।

बारिश ने सड़कों को बना दिया तालाब, घरों में घुसा पानी

रविवार को राजधानी में हुई बारिश से सड़कें तालाब सी हो गई। जबकि कई इलाकों में घरों के अंदर तक पानी भर गया, जिससे लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ गई। हालांकि, लखनऊ के कई इलाकों में झमाझम बारिश की जगह बूंदाबांदी ही हुई। दरअसल, शनिवार सुबह से ही बारिश का सिलसिला जारी रहा। रह-रहकर बारिश होती रही। वहीं शाम होते-होते झमाझम बारिश हो गई। इससे हजरतगंज, इंदिरानगर, गोमतीनगर सहित कई इलाकों में सड़कों पर घुटने तक पानी भर गया। वहीं कई जगहों पर बूंदाबांदी ही हुई। फैजुल्लागंज में घर के अंदर तक पानी भर गया, जिसे देर रात तक लोग घरों से बाहर निकालते रहे। बता दें कि शनिवार शाम हुई तेज बारिश जानकीपुरम सेक्टर एच, सेक्टर जी, सेक्टर एफ के. साथ कुर्सी रोड से लगे आशीष नगर, आदिल नगर, गन्ने का पुरवा, वसुंधरा विहार, आदर्श कॉलोनी, फूलबाग कॉलोनी और गायत्रीपुरम के निवासियों के लिए आफत बनकर बरसी। करीब 45 मिनट की बारिश से इन इलाकों में जलभराव हो गया। इन कॉलोनियों को जाने वाले मुख्य मार्ग पर एक से दो फिट तक पानी भर गया।

बारिश से स्कूलों में भरा पानी

रायबरेली , एजेंसी। बारिश के पानी ने विद्यालयों की पोल खोल दी है। जलभराव से निपटने के लिए तमाम दावे किए गए, लेकिन विद्यालय परिसर और आसपास हुए जलभराव ने मुश्किलें खड़ी कर दीं। शुक्रवार देर शाम और फिर शनिवार को हुई बारिश से जिले के परिषदीय विद्यालयों के साथ ही माध्यमिक विद्यालयों में भी हर तरफ पानी नजर आया। इससे छात्र-छात्राओं को पानी के बीच से होकर कक्षाओं में जाना पड़ा। जिले में परिषदीय विद्यालयों की संख्या 2300 है। करीब 300 परिषदीय विद्यालयों में पानी भरने की समस्या ज्यादा गंभीर रही है। इन विद्यालयों में जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराने के साथ ही मिट्टी भराने की बात कही गई थी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं दिखा। शहर के राजकीय इंटर कॉलेज का नजारा देखने वाला रहा, पूरा परिसर पानी से लबालब नजर आया। नगर क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय पुलिस लाइन का परिसर तालाब जैसा दिखा। कक्षाओं तक पहुंचना मुश्किल हो गया। ऐसी ही समस्या अन्य परिषदीय विद्यालयों में भी नजर आई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि जलभराव वाले विद्यालय चिन्हित कराकर काम कराएंगे। जलनिकासी दुरुस्त कराने और मिट्टी भराने का काम ग्राम पंचायतों से कराया जा रहा है। बछरावां (रायबरेली)। विकास क्षेत्र के कई परिषदीय विद्यालयों में जलभराव से निपटने के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं।

आस्था के नाम पर त्रासदी और बेखबर सरकार

संपादकीय

हाथरस में एक सत्संग के दौरान हुए हादसे की न्यायिक जांच की घोषणा हो गई है और इस तरह अब इसके सहारे सरकार इस घटना पर उठने वाले सवालों के शांत होने की उम्मीद कर रही है। अब इस जांच के नतीजे कब आएंगे, किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी, क्या कार्रवाई होगी, यह सरकार की इच्छाशक्ति पर निर्भर है। मगर इस घटना में जो हुआ, उसने न केवल किसी स्वयंभू बाबा और उसके समूह को, बल्कि सरकार और समूचे प्रशासन-तंत्र को कठघरे में खड़ा किया है। हालत यह है कि एक बाबा के कथित सत्संग के आयोजन को लेकर तो सभी स्तरों पर लापरवाही बरती ही गई, उससे उपजी अव्यवस्था की वजह से मची भगदड़ में कम से कम एक सौ इक्कीस लोगों के मारे जाने के बाद कार्रवाई के मामले में भी पुलिस और प्रशासन का जो रुख सामने आया है, वह हैरान करने वाला है। खबरों के मुताबिक भगदड़ के बाद छह सेवादार भाग गए थे, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए एक लाख रुपए इनाम की घोषणा की गई। इसके अलावा, पुलिस का कहना है कि अगर जरूरत पड़ी तो 'भोले बाबा' से भी पूछताछ की जाएगी। हालांकि इसका कोई संतोषजनक जवाब सामने नहीं आया है कि बाबा का नाम पुलिस के पास दर्ज प्राथमिकी में क्यों नहीं है! सवाल है कि आस्था के नाम पर सामने आई त्रासदी के लिए अगर सत्संग के आयोजकों की जिम्मेदारी बनती है, तो इस व्यापक लापरवाही में प्रशासन भी अपनी जवाबदेही से कैसे बच सकता है? अस्सी हजार लोगों की जुटान की इजाजत दे दी गई और ढाई लाख लोगों का जमावड़ा हो गया तो यह किसके आंख मूंद लेने की वजह से हुआ? इतनी बड़ी तादाद में लोगों के वहां आने के बाद प्रशासन ने क्या ऐसा किया ताकि आपात स्थितियों में बचाव हो सके? जिस राज्य में आए दिन सरकार किसी भी कोने में छिपे अपराधियों को काबू में करने का दावा करती रहती है, उसमें पुलिस और खुफिया तंत्र के इतने बड़े जाल के बावजूद 'भोले बाबा' कैसे फरार हो गया? सब कुछ दुरुस्त होने के दावे के बीच एक बाबा भारी संख्या में लोगों को जुटा कर अपनी महिमा का बखान करता रहा। फिर भगदड़ के बाद उसके फरार हो जाने पर पुलिस उसे पकड़ नहीं पा रही और प्राथमिकी तक में उसका नाम नहीं है तो इसके पीछे क्या वजहें हैं? सच यह है कि इस तरह बाबाओं के समाज या साधारण लोगों के बीच पांव पसारने और उन्हें मन-मुताबिक संचालित करने के लिए भी सरकार की जिम्मेदारी बनती है। आम लोग अपनी जीवन-स्थितियों में बेहतरी और विकास लाने के साथ-साथ अच्छी पढ़ाई-लिखाई करें, नए विचारों से समृद्ध हों, इसकी व्यवस्था करना सरकार का दायित्व है। मगर इसके समांतर संदिग्ध पृष्ठभूमि वाला कोई व्यक्ति बाबा का रूप धर कर लोगों को इस हद तक प्रभावित कर लेता है कि कुछ पीड़ित भी भगदड़ और लोगों के मारे जाने के लिए उस पर सवाल उठाने को गलत मानने लगते हैं। आस्था के नाम पर इस तरह के सम्मोहन की स्थिति पैदा होने को लेकर क्या सरकारों की कोई जवाबदेही नहीं बनती? अव्यवस्था से उपजी कोई बेहद दुखद घटना हो जाती है, लोगों की जान चली जाती है, तब समूचा सरकारी तंत्र अत्यधिक सक्रिय दिखने लगता है। अफसोस की बात यह है कि जब ऐसी भयावह घटनाओं की भूमिका बन रही होती है, तब सरकार बेखबर रहती है। अगर समय रहते थोड़ी भी सक्रियता दिखाई जाती, तो शायद ऐसी त्रासदी से बचा जा सकता था!

यूरोपीय हवा के उलट ब्रिटेन का परिणाम

प्रधानमंत्री सुनक ने हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मगर देखा जाए, तो वह कंजर्वेटिव पार्टी का बोझ ही ढो रहे थे। बेशक पार्टी को मात मिली है, लेकिन सुनक को इसके लिए जिम्मेदार ठहराना जल्दबाजी होगी। इस हार के कई कारण हैं। सबसे पहला, सत्ता-विरोधी रुझान। ब्रिटेन में दरअसल सत्ता-परिवर्तन का एक लंबा चक्र चलता रहा है। मसलन, 1979 से 1997 तक वहां कंजर्वेटिव का शासन रहा, फिर लेबर पार्टी सत्ता में आई। वह 2010 तक सरकार चलाती रही, जिसके बाद कंजर्वेटिव को फिर से ताज मिला। यही कारण था कि चुनाव से पहले ही लेबर पार्टी के सत्ता में लौटने का अनुमान जताया जा रहा था। हां, इतनी भारी जीत का आकलन शायद ही था। दूसरी वजह है, कंजर्वेटिव पार्टी की आंतरिक समस्या। इसे 'पार्टी ऑफ गवर्नेंस' कहा जाता है, यानी यह शासन करने के लिए बनी है, पर इसमें अनुशासन का अभाव स्पष्ट दिखा। पार्टी की असल कमान किसके हाथों में है, यह शायद ही किसी को पता था। साल 2019 के बाद से सरकार चलाने वाले बोरिस जॉनसन और लिज ट्रस जैसे प्रधानमंत्री तमाम तरह के आरोपों में घिरे, जिसके बाद ऋषि सुनक को बतौर क्षतिपूर्ति लाया गया। उन्होंने कोशिशें जरूर कीं, लेकिन उनके पास इतना समय नहीं था कि वह पार्टी की पुरानी गलतियों को सुधार सकें। नतीजतन, पार्टी न ढंग से शासन कर सकी और न चुनाव जीतने के लिए जरूरी योजनाओं पर अमल कर सकी।

(हर्ष वी पंत, प्रोफेसर, किंग्स कॉलेज लंदन)

ब्रिटेन में समय-पूर्व चुनाव कराने का प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का दांव इस कदर उल्टा पड़ जाएगा, इसका अंदेशा संभवतः उनको भी नहीं होगा। वह मानकर चल रहे थे कि चुनावी समर में वह न सिर्फ कंजर्वेटिव पार्टी को उबार पाएंगे, बल्कि जनता में अपनी छवि भी सुधार सकेंगे। मगर शुक्रवार को आए चुनाव नतीजों में उन्हें बुरी तरह मुंह की खानी पड़ी है। बीते 14 वर्षों से कंजर्वेटिव सत्ता में थी, लेकिन इस बार कीर स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने उसे ऐतिहासिक मात दी है। इतना ही नहीं, निजेल फराज की पार्टी 'रिफॉर्म यूके' का उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन या स्कॉटलैंड में 'स्कॉटिश नेशनल पार्टी' की हार भी ब्रिटिश राजनीति में आए आमूल-चूल बदलाव के संकेत दे रही है।

प्रधानमंत्री सुनक ने हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मगर देखा जाए, तो वह कंजर्वेटिव पार्टी का बोझ ही ढो रहे थे। बेशक पार्टी को मात मिली है, लेकिन सुनक को इसके लिए जिम्मेदार ठहराना जल्दबाजी होगी। इस हार के कई कारण हैं। सबसे पहला, सत्ता-विरोधी रुझान। ब्रिटेन में दरअसल सत्ता-परिवर्तन का एक लंबा चक्र चलता रहा है। मसलन, 1979 से 1997 तक वहां कंजर्वेटिव का शासन रहा, फिर लेबर पार्टी सत्ता में आई। वह 2010 तक सरकार चलाती रही, जिसके बाद कंजर्वेटिव को फिर से ताज मिला। यही कारण था कि चुनाव से पहले ही लेबर पार्टी के सत्ता में लौटने का अनुमान जताया जा रहा था। हां, इतनी भारी जीत का आकलन शायद ही था।

दूसरी वजह है, कंजर्वेटिव पार्टी की आंतरिक समस्या। इसे 'पार्टी ऑफ गवर्नेंस' कहा जाता है, यानी यह शासन करने के लिए बनी है, पर इसमें अनुशासन का अभाव स्पष्ट दिखा। पार्टी की असल कमान किसके हाथों में है, यह शायद ही किसी को पता था। साल 2019 के बाद से सरकार चलाने वाले बोरिस जॉनसन और लिज ट्रस जैसे प्रधानमंत्री तमाम तरह के आरोपों में घिरे, जिसके बाद ऋषि सुनक को बतौर क्षतिपूर्ति लाया गया। उन्होंने कोशिशें जरूर कीं, लेकिन उनके पास इतना समय नहीं था कि वह पार्टी की पुरानी गलतियों को सुधार सकें। नतीजतन, पार्टी न ढंग से शासन कर सकी और न चुनाव जीतने के लिए जरूरी योजनाओं पर अमल कर सकी।

तीसरी वजह है, नीतिगत चूक। जनवरी, 2020 में यूरोपीय संघ से बाहर निकलने और कोविड के बाद सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था को संभालने में पार्टी बुरी तरह नाकाम रही। लोगों में यह नाराजगी थी कि महंगाई बढ़ती जा रही है, उनका रहन-सहन खर्चीला होता जा रहा है, स्वास्थ्य योजनाएं ठीक से काम नहीं कर रही हैं, और सरकार जन-समस्याओं को दूर करने के बजाय अंदरूनी मुश्किलों में उलझी हुई है। हालांकि, सुनक के आने के बाद वहां की आर्थिकी कुछ हद तक पटरी पर लौटती दिखी, लेकिन प्रधानमंत्री के प्रयास लोगों का भरोसा जीतने में नाकाफी साबित हुए।

एक तरफ सुस्त अर्थव्यवस्था लोगों की पेशानी पर बल ला रही थी, तो दूसरी तरफ अन्य देशों से आ रहे प्रवासी एक बड़ी समस्या बनते दिख रहे थे। सुनक ने भी माना कि ब्रिटेन में आव्रजन दर अधिक है, जिसे कम करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। मगर लगता है, उनकी बातें जनता पर असर नहीं डाल सकीं। लिहाजा, उनकी आर्थिक नीतियों से खफा लोगों ने लेबर पार्टी पर भरोसा जताया, तो आप्रवासन के मसले पर आक्रामक निजेल फराज की पार्टी 'रिफॉर्म यूके' ने कंजर्वेटिव के वोट हड़पे।

रही बात लेबर की, तो इसके लिए भले कहा जाता हो कि इसमें अनुशासन का अभाव रहता है, लेकिन स्टार्मर के नेतृत्व में इस दल ने खुद को साबित किया है। स्टार्मर ने सबसे पहले वाम नीतियों की ओर बढ़ चली अपनी पार्टी को मध्यमार्ग पर लौटाया और फिर यहूदी समाज के साथ भेदभाव करने संबंधी आम धारणा मिटाई। पार्टी ने अपने लोगों पर भी कार्रवाई की, जिससे जनता में इसकी छवि सुधरी। चुनाव-अभियान के दौरान इसने कंजर्वेटिव की नीतियों पर हमला बोला, लोगों की जीवनशैली को बेहतर बनाने का आश्वासन दिया और सुशासन व निवेश की जोरदार वकालत की। संगठनात्मक बदलाव का भी नतीजा रहा कि पार्टी को इतनी भारी जीत मिली है।

दिलचस्प यह भी है कि ऐसे वक्त में, जब यूरोप में दक्षिणपंथी राजनीति अपना आधार बढ़ा रही है, ब्रिटेन ने वामपंथ की ओर झुकाव रखने वाली मध्यमार्गी पार्टी पर भरोसा जताया है। यह ब्रेग्जिट के दिनों की पुनरावृत्ति जैसी है, क्योंकि जब ब्रिटेन यूरोपीय संघ से बाहर निकलने को तत्पर था, तब सभी यूरोपीय देश संघ की एकजुटता की वकालत किया करते थे। हालांकि, ब्रिटेन में रिफॉर्म यूके की जीत का मतलब यही है कि दक्षिणपंथ का आधार अब भी व्यापक है और शायद कंजर्वेटिव का उस पर अब उतना दावा नहीं रहा। ऐसे में, नजर इस बात पर बनी रहेगी कि कंजर्वेटिव नेता इस हार से क्या सबक लेते हैं?

बहरहाल, लेबर पार्टी के सत्तासीन होने के बाद भी ब्रिटेन की विदेश नीति में शायद ही बहुत बड़ा बदलाव होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि कंजर्वेटिव की विदेश नीतियों को कमोबेश उसने मंजूरी दी थी। चाहे ब्रेग्जिट के बाद 'ग्लोबल ब्रिटेन', यानी बाकी दुनिया से राब्ता रखने संबंधी नीतियों का मसला हो या हिंद प्रशांत में ब्रिटेन की भूमिका का या फिर अमेरिका से रिश्ते- इन सबमें निरंतरता बनी रहने की संभावना ही अधिक है।

इसी कारण, भारत से जुड़ी ब्रिटिश नीतियों में शायद ही कोई फेरबदल हो सकेगा। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता एक बड़ा मसला है, जिसमें कंजर्वेटिव पार्टी विशेष रुचि ले रही थी, पर किसी कारणवश हो नहीं सका है। चूंकि बतौर विपक्ष लेबर पार्टी ने भी इसकी हामी भरी थी, इसलिए उम्मीद है, यह समझौता जल्द साकार हो सकता है। पार्टी ने कहा भी है कि वह यह सुनिश्चित करेगी कि ब्रेग्जिट बेहतर तरीके से काम करे, यूरोपीय संघ के साथ नया समझौता हो और अन्य देशों के साथ रिश्तों को गति मिले।

जाहिर है, भारत के साथ सामरिक संबंध को और मजबूत किया जा सकता है। स्टार्मर ने कहा है कि दोनों देशों के रिश्तों पर इतिहास की छाया रही है। इसे दूर करते हुए 'नए भारत' के साथ आगे बढ़ने पर जोर दिया जाएगा। यहां एक दिलचस्प बात यह भी है कि पहले भारत को लेकर लेबर और कंजर्वेटिव में मतभेद रहा करते थे, लेकिन स्टार्मर ने इस अंतर को पाट दिया है, जो भारत के लिए एक शुभ संकेत है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

सार्थक संवाद की दृष्टि से निराशाजनक रहा लोकसभा का पहला सत्र

(प्रो. संजय द्विवेदी)

राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में जब नेता सदन और प्रधानमंत्री बोल रहे थे, उनके लगभग दो घंटे के भाषण में विपक्षी सदस्यों ने आसमान सिर पर उठा रखा था। लगातार नारेबाजी से उनका भाषण सुनना मुश्किल था।

भारतीय संसद अपनी गौरवशाली परंपराओं, विमर्शों और संवाद के लिए जानी जाती है। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लोकतांत्रिक बहसों को प्रोत्साहित किया और अपने प्रतिपक्ष के नेताओं डा. राममनोहर लोहिया, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर पीलू मोदी तक को मुग्ध भाव से सुना। राष्ट्र प्रेम ऐसा कि चीन युद्ध के बाद गणतंत्र दिवस की परेड में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों को आमंत्रित कर उनकी राष्ट्रभक्ति को सराहा। किंतु लोकसभा के प्रथम सत्र में जो कुछ हुआ,वह संवाद की धारा को रोकने वाला है। इससे संसद विमर्श और संवाद का केंद्र नहीं अखाड़ा बन गयी।

राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में जब नेता सदन और प्रधानमंत्री बोल रहे थे, उनके लगभग दो घंटे के भाषण में विपक्षी सदस्यों ने आसमान सिर पर उठा रखा था। लगातार नारेबाजी से उनका भाषण सुनना मुश्किल था। इसके विपरीत जब पहले दिन नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे,तो उनके भाषण में सत्तारूढ़ दल के प्रधानमंत्री सहित तीन मंत्रियों ने हस्तक्षेप किया। नेता प्रतिपक्ष को बताया गया कि वे सदन के पटल पर गलत तथ्य न रखें। यह दोनों स्थितियां भारतीय राजनीति में बढ़ते अतिवाद को स्पष्ट करती हैं, जहां संवाद संभव नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष पर नेता प्रतिपक्ष द्वारा की गई अनावश्यक टीका-टिप्पणी को भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष की गलत बयानी के लिए बाद में सत्तारूढ़ दल के वक्ता अपने भाषणों में उनके भाषण की चीरफाड़ कर सकते थे। किंतु शीर्ष स्तर से लगातार हस्तक्षेप ने नेता प्रतिपक्ष का मनोबल बढ़ा दिया। वे सत्ता पक्ष को उत्तेजित करने में सफल रहे और पहले दिन के मीडिया विमर्श में उन्हें 'सक्रिय नेता प्रतिपक्ष' घोषित कर दिया गया। सेकुलर मीडिया के सेनानियों ने उन्हें 'मैन आफ द मैच' घोषित कर दिया। ज़ाहिर है लंबे समय से गंभीर राजनेता की छवि बनाने के लिए आतुर राहुल गांधी के लिए यह अप्रतिम समय था। किंतु पहले दिन की वाहवाही अगले दिन ही धराशाई हो गई जब प्रधानमंत्री के भाषण में दो घंटे तक नारेबाजी चलती रही। देश की जनता दोनों तरह की अतियों के विरुद्ध है। सदन की गरिमा को बचाने के लिए राजनीतिक दलों को कुछ ज्यादा उदार होना चाहिए।

लोकसभा के प्रथम सत्र से निकली छवियां बता रही हैं कि आगे भी सब कुछ सामान्य नहीं रहने वाला है। किंतु संसद को अखाड़ा, चौराहे की चर्चा के स्तर पर ले जाने के लिए किसे जिम्मेदार माना जाए? यह ठीक बात है कि सदन चलाना सरकार की जिम्मेदारी है, किंतु सदन में सार्थक और प्रभावी विमर्श खड़ा करना विपक्षी दलों की भी जिम्मेदारी है। अब जबकि विपक्ष अपनी बढ़ी संख्या पर मुग्ध है तो क्या उसे संसदीय मर्यादाओं को छोड़कर अराजकता का आचरण करना चाहिए? सच तो यह है कि सदन के इस तरह चलने से सत्तारूढ़ दल का ही लाभ है। बिना बहस और चर्चा के कानून इसीलिए पास होते हैं क्योंकि संसद का ज्यादातर समय हम विवादों में खर्च कर देते हैं। संसदीय परंपरा रही है कि हर नयी सरकार को प्रतिपक्ष कम से कम छः माह का समय देता है। उसके कार्यक्रम और योजनाएं का मूल्यांकन करता है। पहले दिन से ही सदन को अराजकता की ओर ढकेलना उचित नहीं कहा जा सकता। अपनी लंबी संसदीय प्रणाली में भारत ने अनेक संकटों का समाधान किया है। हमारे संसदीय परंपरा का मूलमंत्र है संवाद से संकटों और समस्याओं का समाधान खोजना। संसद इसी का सर्वोच्च मंच है। यह प्रक्रिया नीचे पंचायत तक जाती है। इससे सहभागिता सुनिश्चित होती है, सुशासन का मार्ग प्रशस्त होता है। संसद से नीचे के सदनों विधानसभा सभाओं, विधान परिषदों, नगरपालिका, नगर निगमों और पंचायतों को भी सांसदों का आचरण ही रास्ता दिखाता है। लोकसभा के पहले सत्र का लाइव प्रसारण देखते हुए हर संवेदनशील भारतीय जन को ये दृश्य अच्छे नहीं लगे हैं। संसदीय मर्यादाओं और परंपराओं की रक्षा हमारे सांसद गण नहीं करेंगे तो कौन करेगा? संसदीय राजनीति के शिखर पर बैठे दायित्ववान सांसदों की यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि वे अपने आचरण से इस महान संस्था का गौरव बढ़ाने में सहयोगी बनें। नफरतों, कड़वाहटों और संवादहीनता से 'राजनीति' तो संभव है पर 'राष्ट्रनीति' हम न कर पाएंगे। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं)

अस्ताना में जयशंकर का बीजिंग को स्पष्ट संदेश

(शशांक, पूर्व विदेश सचिव)

शंघाई सहयोग संगठन की स्थापना इस शताब्दी की शुरुआत में की गई थी और इसके संस्थापक देश रूस, चीन, कजाखस्तान, किर्गिकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान थे। एससीओ का शुरुआती मकसद तो इन सदस्य देशों के बीच सीमा-विवाद को सुलझाना था, मगर बाद में इसे क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग और सुरक्षा के इरादे से विस्तार दिया गया। भारत और पाकिस्तान साल 2017 में इस संगठन के सदस्य बने। आज इसके सदस्य देशों में दुनिया की करीब 40 फीसदी आबादी बसती है और विश्व के तेल भंडार का लगभग 20 प्रतिशत भाग इन देशों के पास है। इन तथ्यों के आलोक में इस संगठन की अहमियत समझी जा सकती है।

कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर का शामिल होना कई अर्थों में महत्वपूर्ण रहा। भारत के लिए सदस्य देशों तक यह संदेश पहुंचाना जरूरी था कि वे हमारी चिंताओं को भी ध्यान में रखें। इसके अलावा, चीन व रूस के साथ काफी समय से हमारा शीर्ष स्तर पर संवाद नहीं हो सका है। इसकी एक वजह तो रूस व भारत में चुनावी गहमागहमी थी। लेकिन चूंकि रूस में चुनाव हो चुके हैं और बीजिंग में भी हमें शी जिनपिंग से ही चीजें तय करनी हैं, तो इन दोनों देशों के साथ भविष्य के रिश्तों को कैसे आकार दिया जाए, इस विषय पर आगे बढ़ने के लिए इस मंच का उपयोग जरूरी था।

शंघाई सहयोग संगठन की स्थापना इस शताब्दी की शुरुआत में की गई थी और इसके संस्थापक देश रूस, चीन, कजाखस्तान, किर्गिकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान थे। एससीओ का शुरुआती मकसद तो इन सदस्य देशों के बीच सीमा-विवाद को सुलझाना था, मगर बाद में इसे क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग और सुरक्षा के इरादे से विस्तार दिया गया। भारत और पाकिस्तान साल 2017 में इस संगठन के सदस्य बने। आज इसके सदस्य देशों में दुनिया की करीब 40 फीसदी आबादी बसती है और विश्व के तेल भंडार का लगभग 20 प्रतिशत भाग इन देशों के पास है। इन तथ्यों के आलोक में इस संगठन की अहमियत समझी जा सकती है।

मगर इस संगठन के विस्तार के बुनियादी विषयों में सबसे महत्वपूर्ण विषय आतंकवाद का था। इसके आगे इस समस्या से निपटने के लिए वह रास्ता निकालने की चुनौती है कि जो देश आतंकवाद को किसी भी तरह से पालते-पोसते रहे हैं, उन पर कैसे अंकुश लगाया जाए और उनके ऊपर किस तरह के दबाव बनाए जाएं। खासकर मध्य और दक्षिण एशिया के पड़ोसी सदस्य देशों के शीर्ष नेतृत्व तक यह बात पहुंचानी जरूरी थी कि ऐसा नहीं हो सकता कि जिन देशों पर आतंकवाद को प्रश्रय देने के ठोस आरोप हैं, उनके साथ कारोबारी रिश्ते बढ़ाए जाते रहें या उनको आर्थिक सहूलियतें मिलती रहें। विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस बारे में स्पष्ट दृष्टिकोण एससीओ नेताओं के आगे रखा।

दूसरी बात यह भी है कि विश्व स्तर पर रूस-यूक्रेन युद्ध जारी है और खाड़ी क्षेत्र के टकराव में भी नए-नए खिलाड़ी उभर रहे हैं, जिससे स्वेज कैनाल का इलाका बेहद संवेदनशील हो गया है। उस समुद्री मार्ग से व्यापार पर कई तरह के जोखिम मंडरा रहे हैं। ऐसे में, भारत को नए विकल्पों के बारे में भी सोचना है, ताकि हमारा निर्यात-आयात अबाध रूप से जारी रह सके। इन विकल्पों पर सहमति बनाने और जमीनी स्तर पर ढांचागत निर्माण में किसी किस्म की रुकावट को दूर करने के लिए विदेश मंत्री की एससीओ नेताओं से बातचीत हुई है। प्रधानमंत्री कुछ ही दिनों में रूस जाने वाले हैं, तो उसके साथ आपसी व्यापार और संबंधों को आगे बढ़ाने के लिहाज से भी एस जयशंकर ने पृष्ठभूमि बनाने का प्रयास किया है।

एक अहम घटनाक्रम अस्ताना में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से जयशंकर की द्विपक्षीय मुलाकात है। भारतीय विदेश मंत्री ने बिना किसी लाग-लपेट के वांग यी को यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारे रिश्ते तब तक सामान्य नहीं आगे चल सकते, जब तक सीमा पर तनाव है या अनिश्चितता बनी रहेगी। चीन यदि गतिरोध को दूर करने के लिए जल्दी-जल्दी बैठकें करने पर रजामंद हुआ है, तो इसकी वजहें हैं। हाल के वर्षों में भारत ने चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों और कारोबारी रिश्तों के प्रति उदासीन रवैया अपनाया है। कई चीनी कंपनियों पर भारतीय कानूनों के उल्लंघन के विरुद्ध सख्त कदम उठाए गए हैं। वहीं, चीन छोड़ने वाली कई विदेशी कंपनियों ने निवेश के लिए भारत को नया ठिकाना बनाया है। ये सारी बातें बीजिंग को जरूर खल रही होंगी।

बहरहाल, अंतरराष्ट्रीय राजनय में संबंधों का विकास रवैयों के विश्लेषण से ही होता है। विदेश मंत्री ने वांग यी को यही संदेश देने की कोशिश की है कि हमारे संबंध बिल्कुल टूट के मुहाने पर भले न हों, मगर बीजिंग को भी हमारी प्राथमिकताओं और चिंताओं को समझना होगा। कजाखस्तान में दोनों देशों के संबंधों की एक तरह से समीक्षा हुई है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

'पशुओं के लिये वरदान' अजोला

पशुपालकों की तरफ से हरे चारे की कमी व सस्ते बांट की कमी की समस्या प्रमुखता से उठायी जाती रही है। बरसात के मौसम के अलावा पशुओं को फसल अवशेष एवं भूसे पर पालना पड़ता है। जिससे पशु बढ़ोत्तरी, उत्पादन एवं प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल व विपरीत असर पड़ता है।

अजोला के गुण

अजोला जल सतह पर मुक्त रूप से तैरने वाली जलीय फर्न है। यह छोटे–छोटे समूह में सघन हरित गुच्छ की तरह तैरती है। भारत में मुख्य रूप से अजोला की जाति अजोला पिन्नाटा पायी जाती है। यह काफी हद तक गर्मी सहन करने वाली किस्म है।

रिजका एवं संकर नेपियर की तुलना में अजोला से 4 से 5 गुणा उच्च गुणवत्ता युक्त प्रोटीन प्राप्त होती है। तथा इसका उत्पादन भी रिजका व नेपियर से 4 से 10 गुना तक अधिक उत्पादन देता है।

अजोला की पशु आहार के रूप में उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर ने सर्वप्रथम अजोला को कृषकों तक पहुंचाने व उपयोग कराने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर पर गत मार्च में एक एजोला प्रदर्शन इकाई स्थापित की है। केन्द्र पर स्थापित की गई इकाई से किसानों को प्रशिक्षण के माध्यम से प्रेरित करके जिला धौलपुर के ग्रामों में अजोला इकाई स्थापना हेतु किसानों को केन्द्र द्वारा निःशुल्क अजोला बीज प्रदान किये गये।

केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक शिवमूरत मीणा के अथक प्रयास के कारण मात्र दो महीने के अल्पकाल में जिला धौलपुर के गांव खेरली, पंचगांव, सरकनखेडा, बाड़ी, धौलपुर शहर, विरौदा, पिदावली व रूपसपुर में किसानों ने अजोला इकाई की स्थापना करके आज पशुओं को हरे चारे के रूप में अजोला खिला रहे हैं। अजोला को वृहत स्तर पर प्रसार के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर ने अन्य कृषि विज्ञान केंद्र, करौली, यू.पी. का आगरा व एम.पी. के भिंड, ग्वालियर व मुरैना आदि को भी अजोला इकाई स्थापना हेतु तकनीकी जानकारी प्रदान की है।

अजोला का रखरखाव व सावधानियां

- क्यारी में जल स्तर को 1.0 सेमी तक बनाये रखें.
- प्रत्येक तीन माह पश्चात अजोला को हटाकर पानी व मिट्टी बदलें तथा नई क्यारी के रूप में दोबारा पुनः संवर्धन करें.
- अजोला को अच्छी बढ़वार हेतु 20–35 सेन्टीग्रेड तापमान उपयुक्त रहता है।
- शीतऋतु में तापक्रम 6.0 सेंटीग्रेड से नीचे आने पर अजोला क्यारी को प्लास्टिक मल्च अथवा पुरानी बोरी के टाट अथवा चद्दर से रात्रि में ढंक दें।

अजोला उत्पादन इकाई स्थापना में क्यारी निर्माण, सिलपुटिनशीट, छायादार नायलोन, जाली एवं अजोला बीज की लागत पशुपालक को प्रतिवर्ष नहीं देनी पड़ती है। इन कारकों को ध्यान में रखते हुए अजोला उत्पादन लागत लगभग 1.00 रु. किलो से कम आंकी गयी है।

अजोला पानी से फूल व सब्जी की खेती में लाभ

अजोला क्यारी से हटाने पानी को सब्जियों की खेती में काम में लेने से यह एक वृद्धि नियामक कार्य करता है, जिससे सब्जियों एवं फूलों के उत्पादन में वृद्धि होती है। अजोला एक उत्तम जैविक एवं हरी खाद के रूप में कार्य करता है।

कृषि विज्ञान केंद्र, धौलपुर पशुपालकों को सलाह देता है कि अजोला उत्पादन की तकनीकी जानकारी प्राप्त करने के लिय केंद्र से संपर्क करें तथा अजोला पर प्रशिक्षण प्राप्त कर पशुओं के लिये अजोला इकाई स्थापित करें।

अजोला की विशेषता

- यह जल में तीव्रगति से बढ़वार करती है।
- यह प्रोटीन आवश्यक अमीनो अम्ल, विटामिन 'ए' विटामिन बी–12 तथा बीटा कैरोटीन, कैल्शियम, फैरस, कापर एवं मैग्नीशियम से भरपूर है। इसमें गुणवत्तायुक्त प्रोटीन व निम्न लिखित तत्व होने के कारण मवेशी इसे आसानी से पचा लेते हैं।
- शुष्क वजन के आधार पर पोषक तत्वों की उपलब्धता इस प्रकार है–

प्रोटीन–20–30 प्रतिशत
वसा – 20–30 प्रतिशत
खनिज तत्व–50–70 प्रतिशत
रेशा – 10–13 प्रतिशत
बायो–एक्टिव व बायो–पॉलीमर– पर्याप्त मात्रा

- अजोला औसतन 1.5 कि.ग्रा./वर्गमीटर की दर से प्रति सप्ताह उपज देती है।
- यह फर्न तीन दिन में दुगनी हो जाती है।
- यह पशुओं का आदर्श आहार, जानवरों के लिये प्रतिजैविक तथा भूमि उर्वरता शक्ति को बढ़ाने का कार्य करती है। तथा इसकी उत्पादन लागत काफी कम है।

अजोला इकाई तैयार करने की विधि

- किसी छायादार स्थान पर 6.0×1.0×2.0 मीटर आकार की क्यारी खोदें।
- क्यारी में 120 गेज की सिलपुलिन शीट को बिछाकर ऊपर के किनारों पर मिट्टी का लेप कर दें।
- 80–100 किग्रा. मिट्टी की परत क्यारी में बिछा दें।
- 5–7 किलो गोबर (2–3 दिन पुराना) 10–15 लीटर पानी में घोल बनाकर मिट्टी पर फैला दें।
- क्यारी में 400–500 लीटर पानी भरें जिससे क्यारी में पानी की गहराई लगभग 10–15 सेमी तक हो जावे।
- उपजाऊ मिट्टी व गोबर खाद को जल में अच्छी तरह मिश्रित करें।
- इस मिश्रण पर दो किलो ताजा अजोला को फैला दें, इसके पश्चात से 1 लीटर पानी को अच्छी तरह से अजोला पर छिड़कें जिससे अजोला अपनी सही स्थिति में आ सकें।
- क्यारी को अब 50 प्रतिशत नायलोन, जाली से ढक कर 15–20 दिन तक अजोला को वृद्धि करने दें.
- 21वें दिन से 1.5–2.0 कि.ग्रा. अजोला की उपज प्राप्त करने हेतु 20 ग्राम एसएसपी तथा 5.0 किलोग्राम गोबर खाद का घोल बनाकर प्रतिमाह क्यारी में मिलावें।
- मुर्गियों को 30–50 ग्राम अजोला प्रतिदिन खिलाने से उनके वजन व अंडा उत्पादन क्षमता में 10–15 प्रतिशत की वृद्धि होती है।
- भेड़ व बकरियों को 150–200 ग्राम ताजा अजोला खिलाने से शारीरिक वृद्धि एवं दुग्ध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होती है।

लगाएं गेंदा

भिन्न–भिन्न ऊंचाई एवं भिन्न–भिन्न रंगों के कारण लेण्ड स्केप की खूबसूरती बढ़ाने के भी काम आता है। यह क्यारियों में तथा हरबेसियस बॉर्डर के रूप में आसानी से उगाया जाने वाला पौधा है। इसके साथ सबसे महत्वपूर्ण एवं फायदेमंद बात यह है कि इसकी खेती वर्ष पर्यन्त आसानी से की जा सकती है तथा इसमें कम पानी की आवश्यकता होती है। साथ ही इसके पुष्प लंबे समय तक खिलते हैं और संग्रहण क्षमता भी अच्छी होती है। इन सभी फायदों के चलते इसकी खेती आर्थिक दृष्टि से फायदे का सौदा सिद्ध होगी।

इसके अतिरिक्त यह बेहतर ट्रेप क्रॉप के रूप में भी उगाई जाती है। सूत्रकृमि या निमेटोड्स प्रभावित क्षेत्र में इसकी फसल लेने से सूत्रकृमियों का प्रभाव कम अथवा पूर्णतः समाप्त हो जाता है।

जलवायु वैसे तो गेंदे की खेती वर्ष भर की जा सकती है तथा सभी प्रकार की जलवायु में उगाया जा सकने वाला पौधा है। परंतु शीतोष्ण एवं समशीतोष्ण जलवायु उपयुक्त रहती है। पौधे की अच्छी बढ़वार एवं अधिक पुष्पन के लिये मुख्यतया नम जलवायु की आवश्यकता होती है। इसकी खेती सर्दी/गर्मी वर्षा तीनों मौसम में आसानी से की जा सकती है।

भूमि

सामान्यतया गेंदे की खेती सभी प्रकार की मिट्टी में की जा सकती है। परंतु अधिक उपज के लिए अच्छी जल निकास वाली गहरी दोमट तथा बलुई दोमट मिट्टी जिसका पीएचमान 6.5 से 7.5 के मध्य हो।

खाद एवं उर्वरक

खेत तैयार करते समय 15–20 टन/है. सड़ी हुई गोबर खाद, एफबायएम 200 कि.ग्रा./हे. यूरिया, 1000 कि.ग्रा. एसएसपी 200 किग्रा. एमओपी अच्छी तरह मिलाएं।

पिचिंग (शीर्ष कर्तन)

पौध रोपाई के 35 से 40 दिन पश्चात पौधे की ऊपरी शीर्ष शाखा 3 से 5 सेमी तक की ऊंचाई हो को हाथ से चुटक कर तोड़ दें जिससे पीछे की शाखाओं की संख्या में बढ़ोत्तरी होती है। और अधिक मात्रा में फूल प्राप्त किये जा सकते हैं।

खरपतवार नियंत्रण 3 से 4 बार अच्छी निराई गुड़ाई करके खरपतवारों को खेत से उखाड़े खरपतवारनाशी का भी प्रयोग किया जा सकता है।

बुवाई समय

गेंदे की बुवाई वर्ष में तीन बार की जा सकती है। वर्षा ऋतु में पुष्प प्राप्त करने के लिए मध्य जून में बीजों की बुवाई की जाती है तथा रोपाई मध्य जुलाई तक करते हैं। सर्दी की ऋतु में पुष्प प्राप्त करने के लिये मध्य सितम्बर तक बीजों की बुवाई करने के पश्चात मध्य अक्टूबर तक पौध की रोपाई की जाती है इसी प्रकार ग्रीष्मकालीन फसल प्राप्त करने के लिए जनवरी–फरवरी माह में बीजों की बुवाई की जाती है तथा फरवरी–मार्च माह में पौध रोपण का कार्य किया जाता है।

पौध तैयार करना

गेंदे की पौध तैयार करने के लिए भूमि की सतह से 15 सेमी.ऊंची बीज शैया तैयार करे जिससे आवश्यकता से अधिक जल का निकास संभव हो सके। बीज शैया की चौड़ाई 1 मी. तथा लंबाई आवश्यकतानुसार रखें। बीज बुवाई से पूर्व बीजोपचार आवश्यक रूप से करे जिससे पौध को कम अवस्था में होने वाले रोगों जैसे आर्द्रगलन, जड़ गलन से बचाव किया जा सके। बीजोपचार के लिये 0.2 प्रतिशत केप्टान अथवा बाविस्टीन का उपयोग करें।

पौध रोपण

जब पौधे की लंबाई 15 सेमी. के लगभग के हो जाये तथा उसे 4 पत्तियां निकल आये तब पूर्व में तैयार क्यारियों में स्वस्थ पौध की रोपाई कर दें। रोपाई के पश्चात हल्की सिंचाई अवश्य करें।

तुड़ाई

पूर्ण रूप से खिले पुष्पों की सुबह जल्दी अथवा शाम के समय तुड़ाई करें जिससे पुष्प अधिक समय तक खिले हुए ताजा एवं स्वस्थ रहे।

उपज

अफ्रीकन गेंदे से औसतन 20 से 22 टन तथा फ्रेंच गेंदे से 10 से 12 टन प्रति हैक्टेयर उपज प्राप्त होती है।

गेंदे की प्रजातियां

अफ्रीकन गेंदा:

इस किस्म के फूलों को मुख्यतया कट फ्लावर्स के तौर पर काम में लिया जाता है। इसके तने और शाखाओं में सीधी बढ़वार होती है। पौधों की लंबाई अन्य प्रजातियों के मुकाबले अधिक होती है। पुष्पों का रंग मुख्यतया पीला एवं नारंगी होता है तथा पुष्पों का आकार बड़ा एवं आकर्षक होता है।

मुख्य किस्में-

क्यूपिड क्राउन ऑफ गोल्ड/जायन्ट सनसेट/ गोल्डन एज, हैप्पीनेस, हनी कॉम्ब, प्रिमरोज, गोल्डन येलो, रिवरसाइड, जायन्ट डबल अफ्रीकन ऑरेन्ज, जायन्ट डबल अफ्रीकन येलो, पूसा नारंगी गेंदा, पूसा बसन्ती गेंदा, फर्स्ट लेडी, टेक्सास, गोल्डन जुबली, फायर ग्लो, अलास्का, क्रेकर जेक इत्यादि

फ्रेंच गेंदा -

इस किस्म के पौधे झाड़ीनुमा तथा फैलने वाले होते हैं। मुख्यतया पौधे अफ्रीकन प्रजाति की अपेक्षा लंबाई में छोटे होते हैं। पुष्प आकार में अपेक्षाकृत छोटे धारीदार एवं धब्बे युक्त अत्यंत आकर्षक होते हैं। पुष्पों का रंग लाल होता है। जिसमें पीला एवं नारंगी सुनहरा रंग मिश्रित होता है। मुख्य किस्में - बोलेरो, बोनिटा, रस्टी रेड, बटर स्कॉच, पेटाइट गोल्ड, पेटाइट हारमनी, स्पन गोल्ड, येलो पिग्मी, लेमन ड्रॉप, स्पेनिश ब्रोकेड, ओरेन्ज फलेम, फॉस्टा, गोल्डी, जिप्सी, स्कॉरलेट सोफिया इत्यादि।

संक्षिप्त समाचार

भारत ने श्रीलंका के स्कूलों को दान किए 30 करोड़ रुपए के डिजिटल उपकरण

कोलंबो , एजेंसी। भारत ने शनिवार को श्रीलंका के दक्षिणी प्रांत के 200 स्कूलों के उपयोग के लिए 30 करोड़ रुपए मूल्य के 2,000 टैब सहित डिजिटल उपकरण दान किए और इसे भावी पीढ़ी के लिए एक परियोजना बताया। दक्षिणी जिले गाले में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने भाग लिया और शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। समारोह में दक्षिणी प्रांत के 200 स्कूलों के लिए 2,000 टैब प्रदान किए गए। राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग (पीएमडी) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, स्वास्थ्य और उद्योग मंत्री डॉ. रमेश पथिराना के अनुरोध के बाद भारत सरकार ने इस परियोजना के लिए दक्षिणी प्रांतीय परिषद को 30 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। चयनित 200 स्कूलों में से 150 गाले जिले में हैं, जबकि शेष 50 हंबनटोटा और मटारा जिलों में हैं। बयान में कहा गया कि इसके अलावा 2,000 टैब वितरित किए गए, जिनमें से 200 कक्षाओं में से प्रत्येक को 10 टैब मिले। राष्ट्रपति ने कहा कि हम आधुनिक प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में पड़ोसी देश भारत द्वारा दिए गए सहयोग की गहराई से सराहना करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान का कैम्पस स्थापित करने में रुचि व्यक्त की है, जिसकी अत्यधिक सराहना की जाती है। इसके अलावा, भारत के साथ ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए बातचीत सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है।

ओबामा के पूर्व सलाहकार ने कहा- बाइडन को राष्ट्रपति की दौड़ से हट जाना चाहिए; उम्र का दिया हवाला

वाशिंगटन , एजेंसी। ओबामा के पूर्व वरिष्ठ सलाहकार डेविड एक्सेलरोड ने जो बाइडन से अमेरिकी राष्ट्रपति की दौड़ से बाहर होने के लिए कहा है। एक्सेलरोड ने बाइडन की बढ़ती उम्र और उनके प्रदर्शन का हवाला दिया है। डेविड एक्सेलरोड का मानना है कि देश के प्रति अपने कर्तव्य को निभाते हुए बाइडन को चुनाव से हटना चाहिए। एक्सेलरोड का यह नजरिया राष्ट्रपति की बहस में ट्रंप के सामने उनकी कमजोर बहस के बाद व्हाइट हाउस के अंदर बाइडन के खिलाफ बढ़ते दबाव को दर्शाता है। पिछले सप्ताह हुई बहस के बाद राष्ट्रपति पद की दौड़ में डोनाल्ड ट्रंप ने जो बाइडन पर बढ़त बना ली है। मीडिया के नए पोल में यह खुलासा हुआ है। गौरतलब है कि पहली बहस के दौरान डोनाल्ड ट्रंप, जो बाइडन पर भारी पड़े थे, जिसकी पूरी दुनिया में चर्चा हुई। पोल के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप को 48 प्रतिशत और जो बाइडन को 42 प्रतिशत लोगों ने समर्थन दिया। गौरतलब है कि बीती फरवरी में भी ऐसा ही एक पोल हुआ था, जिसमें ट्रंप को बाइडन पर महज 2 अंकों की बढ़त मिली हुई थी। अब छह अंकों की बढ़त मिलने के पीछे ट्रंप के पहली बहस में असरदार प्रदर्शन को वजह माना जा रहा है। बाइडन के खराब प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेट पार्टी में ही उन्हें राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से हटाने की मांग उठने लगी है।

रूस को पीएम मोदी की मॉस्को यात्रा को लेकर काफी उम्मीदें, क्रेमलिन प्रवक्ता ने कही ये बात

मॉस्को , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूस दौरे को लेकर क्रेमलिन आशान्वित है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने शनिवार को कहा कि रूस को नरेन्द्र मोदी की मॉस्को यात्रा को लेकर उम्मीदें हैं, जो रूस-भारत संबंधों के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर आठ से नौ जुलाई तक मॉस्को में रहेंगे। रूस के सरकारी टेलीविजन चैनल वीजीटीआरके को दिए साक्षात्कार में पेसकोव ने कहा कि मॉस्को में प्रधानमंत्री मोदी का व्यापक कार्यक्रम होगा। रूस-भारत में रणनीतिक साझेदारी है। हमें उम्मीद है कि दोनों राष्ट्राध्यक्ष अनौपचारिक तरीके से भी बातचीत कर सकेंगे। पेसकोव ने कहा कि क्रेमलिन में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता भी होगी। यह लगभग पांच वर्षों में मोदी की पहली रूस यात्रा होगी।

भारत-ईरान के मजबूत आर्थिक संबंध पर नहीं पड़ेगा असर

दुबई , एजेंसी। ईरान में 19 मई को हेलिकॉप्टर हादसे में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद हुए दूसरे चरण के चुनाव में सुधारवादी नेता और देश में हिजाब के सख्त कानून में कुछ ढील देने के पक्षधर मसूद पेजेशकियन (69) ने जीत दर्ज की है। वह प्रतिद्वंद्वी कट्टरपंथी नेता सईद जलीली को हराकर विजेता घोषित किए गए। पेजेशकियन को 1.63 करोड़ वोट मिले जबकि जलीली को 1.35 करोड़ मत मिले।

पेशे से हृदय रोग सर्जन रहे पेजेशकियन 1997 में देश के स्वास्थ्य मंत्री भी रह चुके हैं। वह न सिर्फ पूर्व राष्ट्रपति हसन रूहानी के समर्थक रहे हैं बल्कि उनके कार्यकाल में हुई 2015 की परमाणु संधि के भी पक्षधर हैं। उन्होंने अब तक पश्चिमी देशों के साथ संबंध बनाने पर जोर दिया है। यही नहीं, महसा अमिनी की हिजाब का विरोध करने पर जेल में हुई मौत के बाद देशभर में भड़के हिजाब विरोधी आंदोलन में भी पेजेशकियन ने इस कानून को आसान बनाने का चुनाव अभियान में वादा किया था। ईरान के मतदाताओं ने इसी वादे और उनके सुधारवादी रुख के चलते उन्हें देश का 9वां राष्ट्रपति चुना। पेजेशकियन ने अपने अभियान में ईरानी शिया धर्मतंत्र में कोई आमूलचूल परिवर्तन नहीं करने का वादा किया और लंबे समय से सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को देश में राज्य के सभी मामलों में अंतिम मध्यस्थ के रूप में रखा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, भारत और ईरान के बीच ऐतिहासिक रूप से मजबूत आर्थिक

संबंध रहे हैं। पेजेशकियन के राष्ट्रपति बनने के बाद इन संबंधों के और मजबूत होने की संभावना है। भारत में ईरान के राजदूत इराज इलाही ने चुनाव परिणाम आने से पहले ही ईरान का रुख बता दिया था। उन्होंने कहा कि ईरान और भारत के बीच विदेश नीति में कोई बदलाव नहीं होगा, चाहें सत्ता में कोई भी आए। पेजेशकियान एक सुधारवादी नेता हैं और वह पश्चिमी देशों से भी संपर्क बढ़ाने के पक्षधर हैं। वह भारत के साथ संबंधों को प्राथमिकता देंगे। खासतौर पर रणनीतिक रूप से अहम चाबहार बंदरगाह पर दोनों देशों का फोकस रहेगा। भारत ने इस परियोजना में भारी निवेश किया है। यह बंदरगाह भारत को पाकिस्तान को दरकिनार कर मध्य एशिया तक कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। भारत ने चाबहार बंदरगाह टर्मिनल के विकास के लिए 12 करोड़ डॉलर देने का वादा किया है और ईरान में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 25 करोड़ डॉलर की क्रेडिट लाइन देने की भी पेशकश की है। मसूद पजेशकियन ने चुनाव से पहले भी राजनीतिक भाषणों के दौरान कई बार हिजाब की खिलाफत की थी। उन्होंने कई बार कहा है कि वो किसी प्रकार के कट्टरपंथ के खिलाफ हैं, जो संस्कृति के नाम पर बने कानूनों पर सख्ती के साथ पेश आती है। इसी कानून में हिजाब की अनिवार्यता भी आती है, जो 1979 में इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान में लागू हुआ। पेजेशकियन ने कहा, वह इस कानून की सख्ती के खिलाफ हैं।

ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन पेशे से डॉक्टर हैं और ईरान की तबरीज मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रमुख रहे हैं। पेजेशकियन साल 1997 में ईरान के स्वास्थ्य मंत्री के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। वह पहली बार राष्ट्रपति चुनाव में नहीं उतरे। 2011 में उन्होंने पहली बार राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन किया था, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। पेजेशकियन की पहचान एक उदारवादी नेता की है और वह पूर्व राष्ट्रपति हसन रूहानी के करीबी माने जाते हैं। पेजेशकियन ने कहा, चुनाव खत्म हुए और यह हमारे सहयोग की शुरुआत है। आपके सहयोग, सहानुभूति और विश्वास के बिना आगे का कठिन रास्ता आसान नहीं होगा। मैं आपकी ओर हाथ फैलाता हूं और संकल्प लेता हूं कि मैं आपको इस रास्ते पर अकेला नहीं छोड़ूंगा। आप भी मुझे अकेला मत छोड़ो। गौरतलब है कि इससे पहले 28 जून को मतदान के शुरुआती दौर में किसी भी उम्मीदवार को 50% से ज्यादा वोट नहीं मिले, इस कारण शीर्ष दो उम्मीदवारों में सीधा मुकाबला हुआ।

सिडनी के एक घर में आग लगने से तीन बच्चों की मौत, पुलिस को हत्या की आशंका

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में एक बड़ा हादसा हो गया। देर रात सिडनी के एक घर में आग लगने से 10 महीने के बच्चे सहित तीन बच्चों की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने इसकी जानकारी दी है, हालांकि ऑस्ट्रेलियाई पुलिस इस घटना को हत्या मान रही है। पुलिस ने इस घटना के बारे में आगे जानकारी देते हुए कहा, सिडनी के सिटी सेंटर से लगभग 35 किमी (20 मील) पश्चिम में लालोर पार्क पर देर रात 1 बजे आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया। पुलिस ने ये भी बताया कि दो और चार साल की उम्र के दो लड़कों का घटनास्थल पर ही इलाज किया गया, लेकिन अस्पताल ले जाने के तुरंत बाद उनकी मौत हो गई, जबकि आग बुझने के बाद 10 महीने की एक लड़की भी मृत पाई गई। बता दें कि अस्पताल में छह से 11 साल की उम्र के चार अन्य बच्चों की हालत स्थिर है, साथ ही बच्चों की मां 29 वर्षीय महिला का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। होमिसाइड स्क्वाड के कमांडर डिटेक्टिव सुपरिटेंडेंट डैनी डोहर्टी ने इस घटना को लेकर कहा कि होमिसाइड स्क्वाड के जासूसों ने जांच का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया है और इसे घरेलू-संबंधित मानवहत्या मान रहे हैं।

जेल से बड़ी साजिश रच रहे इमरान खान, पीएम के सलाहकार राणा सनाउल्लाह का दावा- अधिकारियों के पास इसके सबूत

रावलपिंडी, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के राजनीतिक मामलों के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने इमरान खान पर बड़ा आरोप लगाया है। राणा ने पूर्व पीएम इमरान पर जेल से पाकिस्तान में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया।

राणा ने दावा किया कि जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान राजनीतिक अराजकता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। सनाउल्लाह ने कहा कि इमरान खान को जेल परिसर के अंदर राजनीतिक बैठकें करने से अदालत ने प्रतिबंधित कर दिया है।

सनाउल्लाह ने कहा कि पीटीआई संस्थापक जेल में रहते हुए अराजकता फैलाने की योजना बना रहे थे। उन्होंने जेल अधिकारियों के पास इसके सबूतों होने का भी इशारा किया। इमरान खान की कथित गतिविधियों के सबूत के बारे में पूछे जाने पर सनाउल्लाह ने कहा कि हमारे पास खुद ऑडियो या वीडियो सबूत नहीं हैं, लेकिन जेल के अंदर सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों के पास ये सबूत हैं। सनाउल्लाह की टिप्पणी पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं की शिकायतों के बाद आई है, जिन्होंने दावा किया कि कई घंटों तक इंतजार करने के बावजूद उन्हें अदियाला जेल में इमरान खान से मिलने नहीं दिया गया।

जंग के बीच हमास का रुख नरम, बिना शर्त स्थायी युद्ध विराम के लिए बातचीत को तैयार

यरुशलम, एजेंसी। हमास और इस्राइल बीते नौ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर देशभर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस बीच, हमास का रुख कुछ नरम होता दिख रहा है। वह किसी भी समझौते पर पहुंचने से पहले इस्राइल पर लगातार स्थायी युद्धविराम के लिए दबाव डालने की अपनी जिद पर पुनर्विचार करने के लिए तैयार है।

गाजा में युद्ध विराम तक पहुंचने के लिए चल रहे प्रयासों में यह बयान एक महत्वपूर्ण पल है। हमास लगातार कई मांगें रखता आ रहा है। हालांकि अब वह बिना किसी शर्त के एक अस्थायी युद्ध विराम पर बातचीत शुरू करने के लिए तैयार है। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि संशोधित दृष्टिकोण से समझौते के प्रारंभिक चरण के दौरान स्थायी युद्धविराम पर बातचीत जारी रखने की अनुमति मिल जाएगी, जिसके छह सप्ताह तक चलने की उम्मीद है। महत्वपूर्ण बात यह है कि मध्यस्थ अस्थायी युद्धविराम के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेंगे, गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने में सुविधा प्रदान करेंगे, तथा वार्ता जारी रहने तक इस्राइली सैनिकों की वापसी की निगरानी करेंगे। मसौदे में कहा गया है कि 16वें दिन से पहले, इस समझौते के दूसरे चरण के कार्यान्वयन की शर्तों को अंतिम रूप देने के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू हो जाएगी। पहले चरण के पांचवें सप्ताह के अंत से पहले यह बातचीत पूरी हो जानी चाहिए।

हमास के रुख में यह बदलाव कतर में इस्राइल और हमास के प्रतिनिधियों के बीच फिर से शुरू हुई वार्ता के बीच आया है। बता दें, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से व्यापक समझौते पर मध्यस्थता के उद्देश्य से विस्तृत चर्चा करने की अनुमति मिलने के बाद यह बातचीत फिर से शुरू हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार, मोसाद के निदेशक डेविड बार्निया ने मध्यस्थों से मिलने तथा युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई को शामिल करते हुए संभावित नए समझौते की शर्तों पर चर्चा करने के लिए कतर की यात्रा की। वहीं एक इस्राइली मसौदा प्रस्ताव का विवरण स्थानीय मीडिया में सामने आया है। इसमें एक तय समय सीमा के भीतर बातचीत शुरू करने के प्रावधान शामिल हैं। हालांकि, इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की पुष्टि करने से परहेज किया है।

हमास और इस्राइल के बीच एक समझौते को सुरक्षित करने के प्रयासों को हाल के महीनों में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। नेतन्याहू पर इस्राइली बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए दक्षिणपंथी मंत्रियों और बंधकों के परिवारों सहित विभिन्न क्षेत्रों से दबाव है।

ईरान और पाकिस्तान ने फिर वापस भेजे 12 हजार अफगानी शरणार्थी

काबुल , एजेंसी। पिछले चार दिनों में ईरान और पाकिस्तान ने लगभग 12,000 अफगान प्रवासियों को निर्वासित कर दिया है। तालिबान के शरणार्थी मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि 11,997 अफगान प्रवासियों को पाकिस्तान और ईरान की सरकारों ने अपने देश से निष्कासित कर दिया है। सभी शरणार्थी अफगानिस्तान लौट आए हैं। ईरान और पाकिस्तान से निष्कासित किए गए लोग 3 से 6 जुलाई के बीच तोरखुंडी, स्पिन बोल्डक, इस्लाम कला-हेरात और अब्रेशिम-निमरुज बॉर्डर से अफगानिस्तान में प्रवेश कर गए। खामा प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया के बावजूद मानवीय संकट के बीच ईरान और पाकिस्तान से अफगान प्रवासियों को निर्वासित करने का सिलसिला जारी है। इससे पहले ईरान और पाकिस्तान से 13,447 अफगान प्रवासियों को निष्कासित कर दिया गया था। जबरन वापस भेजे जाने से अफगानिस्तान में मानवीय संकट गहरा गया है। दरअसल, जो प्रवासी निर्वासित किए गए हैं उनमें से कईयों को अफगानिस्तान लौटने के बाद अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि अफगानिस्तान इस समय आर्थिक अस्थिरता और जरूरी बुनियादी सेवाओं की कमी का सामना कर रहा है।

36 की उम्र तक महिला ने पैदा किए 44 बच्चे, बताया किस लिए उठाया ये कदम

लंदन , एजेंसी। वर्तमान में महंगाई के जमाने जहां महिलाएं एक या दो बच्चों से ज्यादा बच्चे नहीं पैदा करना चाहता है। लेकिन दुनिया में एक महिला ऐसी भी है जिसने महज 36 साल की उम्र में 44 बच्चों को पैदा किया। युगांडा की एक महिला है जो 44 बच्चों को जन्म देने के लिए जानी जाती है का नाम मरियम नबातनज़ी बबिरिए है। उसका जन्म साल 1980 में हुआ था। बबिरिये के अनुसार, उसकी मां ने उसके जन्म के तीन दिन बाद ही उसके परिवार और उसके पांच भाइयों को छोड़ दिया था। जब वह 7 साल की थी तब उसकी सौतेली मां ने उसके बड़े भाई-बहनों के भोजन में कटा हुआ गिलास मिला दिया जिससे वे सभी मर गए।

उस वक्त बबिरिए किसी रिश्तेदार से मिलने गई हुई थी इसलिए वह बच गई। महिला जब 12 साल की थी तब 40 साल के एक शख्स के साथ उसकी जबरन शादी करा दी गई। जिस शख्स से मरियम की शादी हुई थी उसने कई और शादियां भी की थी। मरियम उसकी पांचवी

पत्नी है। 13 साल की उम्र में महिला ने बच्चों को पैदा करना शुरू किया। 36 साल की उम्र तक महिला ने कुल 44 बच्चों को जन्म दिया। फिलहाल महिला की उम्र 44 साल है और उसके 38 बच्चे अभी भी जिंदा है। जिनमें से 10 लड़कियां हैं और 28 लड़के हैं। महिला के सबसे बड़ी संतान की उम्र 31 साल है और सबसे छोटे की उम्र 6 साल है। मरियम ने अपनी छठी डिलीवरी के बाद, और बच्चे न हो इसके लिए एक डॉक्टर से संपर्क किया था।

लेकिन डॉक्टर ने उसे बताया कि अगर वह बच्चे पैदा करना बंद करने की कोशिश करेगी तो वह जल्द ही मर जाएगी इसलिए डॉक्टर ने उसे तब तक बच्चे पैदा करने की सलाह दी जब तक उसके अंडाशयों की संख्या कम न हो जाए। उस वक्त मरियम की उम्र 23 साल थी और उसने तब तक 25 बच्चों को पैदा किया था। 2015 में, बबेरिय के पति ने 42 बच्चों का भरण-पोषण करने में असमर्थ होने के कारण परिवार को छोड़ दिया। लेकिन उससे पहले ही बबेरिये अपने जुड़वा बच्चों के साथ गर्भवती हो गई थी। बाद में अपने बच्चों को पालने के लिए उसने अपना घर बेच दिया। उनकी और उनके बच्चों की देखभाल उनकी दादी ने की थी, लेकिन जब उनकी दादी का निधन हो गया, तो उनके रिश्तेदारों ने उन्हें अपने बच्चों को रखने के लिए घर में रहने की अनुमति दे दी थी। मरियम ने सिर्फ 1 बच्चे को छोड़ अपने ज्यादातर बच्चों को घर पर ही जन्म दिया। मरियम ने 6 बार जुड़वां बच्चों को, 4 बार तिड़वां बच्चों को और 3 बार एक साथ 4-4 बच्चों को जन्म दिया। साल 2015 में महिला के पति ने उसे यह कहते हुए छोड़ दिया कि वह इतने बच्चों का पालन पोषण नहीं कर सकता। डॉक्टरों के मुताबिक, मरियम नबातनज़ी बबिरिये के अंडाशयों की संख्या समान्य महिलाओं के मुकाबले अधिक है। जिससे एक साथ उनके कई बच्चे होते हैं।

मंगल ग्रह पर इंसानों को बसाने की योजना पर काम शुरू

नासा के बने घर में 378 दिन बिता कर लौटे चार वैज्ञानिक

वाशिंगटन, एजेंसी। इंसानों को चांद पर पहुंचाने के बाद उनको अब मंगल ग्रह पर बसाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। अगर सब कुछ सही रहा तो अगले सात साल यानि 2030 तक लाल ग्रह पर इंसानों को भेजना शुरू हो जाएगा। मंगल ग्रह पर इंसान कैसे रह पाएंगे, इसी को लेकर एक ट्रायल किया गया जिसके लिए नासा ने चार लोगों को चुना जिनमें कनाडाई जीवविज्ञानी केली हेस्टन भी शामिल थीं। अब एक साल बाद नासा के अंतरिक्ष यात्री एक अनोखा अनुभव करके वापस आ चुके हैं। नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर के उप निदेशक स्टीव कोर्नर ने कहा, हम लोगों को मंगल

ग्रह पर भेजने की तैयारी कर रहे हैं। नासा के एक अंतरिक्ष यात्री ने एक दरवाजे के पीछे से तीन बार जोर से पूछा कि क्या आप बाहर आने के लिए तैयार हैं उनको उत्तर तब साफ सुनाई देता है, जब दरवाजा खुलता है। दरअसल, नासा के चार वैज्ञानिक एक साल तक इंसानी संपर्क से दूर रहकर वापस लौट आए हैं। उनके आते ही तालियों की गड़गड़ाहट से माहौल गूंज उठता है। बता दें, नासा मंगल ग्रह पर मानव अन्वेषण की तैयारी कर रहा है। इसी के लिए एक खास कमरा बनाया गया था। ह्यूस्टन के जॉनसन स्पेस सेंटर में एक घर तैयार किया गया था। इसमें चार लोगों के रहने की व्यवस्था है। इस घर को मंगल ग्रह के हालात जैसा बनाया गया था। एंका सेलारियू, रॉस ब्रॉकवेल, नाथन जोन्स और टीम लीडर केली हेस्टन ने इस घर में करीब 378 दिन बिताए। इस दौरान इन लोगों ने सब्जियां उगाईं। वहीं मार्सवॉक भी किया।

इस एक साल में सबसे ज्यादा इन लोगों के लिए कठिन था अपने परिवार से इतने दिन दूर रहना। यह एक तरह से ऐसा अनुभव था, जब महामारी के तरह लॉकडाउन लगा था। चारों लोग जब शनिवार को इस घर से बाहर निकले तो उनके चेहरे पर मुस्कान थी। उनके बाल थोड़े अधिक बिखरे हुए थे। मगर उनकी खुशी साफ देखी जा सकती थी। केली हेस्टन ने हंसते हुए कहा, हेलो, आप लोगों से फिर हेलो करना वाकई शानदार है। डॉक्टर जोन्स ने कहा, मैं आशा करता हूं कि आप सभी के सामने यहां खड़े होकर रोऊंगा नहीं। उन्होंने भीड़ में अपनी पत्नी को देखा और वैसे ही उनको रोना आ गया। क्रू हेल्थ एंड परफॉर्मेंस एक्सप्लोरेशन एनालॉग का मार्स ड्यून अल्फा ह्यूस्टन एक 3डी प्रिंटेड 1,700 वर्ग फुट का कक्ष है। इसका उद्देश्य मंगल ग्रह की सतह पर उनके आवास का अनुकरण करना है। इसमें चार बेडरूम हैं। इसके अलावा जिम, किचन, रिसर्च सेंटर बनाया गया है। इस घर को एयरलॉक द्वारा अलग किया गया। यहां पर चारों ने मार्स वॉक की भी प्रैक्टिस की।

जहरीले कोबरा को शैंपू लगाया, यूं रगड़ रगड़कर नहलाया

लंदन , एजेंसी। सांपों का नाम सुनते ही लोगों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। यह ऐसे जीव हैं, जिसका इंसानों में खौफ बेहद ज्यादा है। वहीं किंग कोबरा का तो नाम सुनते ही लोग कांप जाते हैं। किंग कोबरा काट ले तो आधे घंटे से कम वक्त में इंसान मर सकता है, लेकिन एक शख्स किंग कोबरा को शैंपू से नहलाने का काम कर रहा है। जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। ट्विटर अकाउंट पर अक्सर जानवरों से जुड़े वीडियोज पोस्ट किए जाते हैं। हाल ही में एक हैरान करने वाला वीडियो शेयर किया गया है जिसमें एक शख्स किंग कोबरा को नहलाता नजर आ रहा है। सांपों को नहलाया इस वजह से जाता है क्योंकि उनके अंदर दुर्गंध आने लगती है। इसके अलावा कई बार उन्हें गर्मी के दिनों में नहला दिया जाता है, जिससे उनका तापमान सामान्य रहे। वो अक्सर गंदी जमीनों पर रेंगते हैं तो उनके शरीर पर गंदगी जम जाती है। वीडियो में शख्स के सामने एक काफी बड़ा और मोटा किंग कोबरा सांप मौजूद है। उसने अपना फन उठाया हुआ है। शख्स उसके पास ही बैठा है। सबसे पहले वो शैंपू को हाथ में लेकर उसके ऊपर लगाता है। ऊपर से नीचे तक वो शैंपू लगा देता है। सांप उसे कुछ नहीं कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

5-10 साल में आमदनी बढ़कर 2.5 लाख करोड़ रुपए होने की उम्मीद: जेप्टो सीईओ

नईदिल्ली, एजेंसी। त्वरित सेवाएं देने वाली यूनिकॉर्ट जेप्टो के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आदित पालीचा ने शनिवार को कहा कि कंपनी अगर कारोबार को अच्छी तरह से चलाए तो उसकी आमदनी पांच से 10 साल में कई गुना बढ़कर 2.5 लाख करोड़ रुपए हो सकती है।

जेआईआईएफ के सातवें स्थापना दिवस समारोह पर पालीचा ने कहा कि किराना और घरेलू आवश्यक सामान में सभी श्रेणियां आ जाती हैं, जो भारत में अग्रणी ई-कॉमर्स मंच फ्लिपकार्ट और अमेजन पर बेची जाती हैं। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में भारत में किराना और आवश्यक घरेलू वस्तुओं का बाजार लगभग 650 अरब डॉलर का था और यह नौ प्रतिशत सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) से बढ़ रहा है। इसके वित्त वर्ष 2028-29 तक लगभग 850 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। पालीचा ने कहा, यदि हम इसे अच्छी तरह क्रियान्वित करते हैं, तो हम इस कारोबार को आज के 10,000 करोड़ रुपए से अगले 10 वर्षों या अगले पांच वर्षों में संभावित रूप से 2.5 लाख करोड़ रुपये के कारोबार तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा, आपकी किराना दुकान, अमेजन और फ्लिपकार्ट द्वारा दी जाने वाली अन्य सभी श्रेणियों से बड़ी है। अगर आप इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान, फर्नीचर को देखें, तो आप सब कुछ मिला दें, और इसे दोगुना कर दें, फिर भी यह किराना और आवश्यक घरेलू वस्तुओं से बड़ी नहीं है। कंपनी का राजस्व वित्त वर्ष 2022-23 में लगभग 2,000 करोड़ रुपए से पांच गुना बढ़कर बीते वित्त वर्ष (2023-24) में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। जेप्टो ने पिछले महीने 66.5 करोड़ डॉलर जुटाए, जिससे कंपनी का मूल्यांकन 3.6 अरब डॉलर हो गया। यह एक साल पहले की तुलना में लगभग तिगुना है। कंपनी जल्द ही सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही है। तीन साल पुराने इस स्टार्टअप ने नए निवेशकों से 66.5 करोड़ डॉलर (लगभग 5,550 करोड़ रुपए) जुटाए हैं। पालीचा ने कहा कि कंपनी के लिए सबसे बड़ी चुनौती सही दृष्टिकोण वाले लोगों को नियुक्त करना है।

आरबीआई की कार्रवाई एक भावनात्मक झटका... पेटीएम के फाउंडर का छलका दर्द

नईदिल्ली, एजेंसी। पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर केंद्रीय रिजर्व बैंक की कार्रवाई को लेकर पेटीएम के फाउंडर विजय शेखर शर्मा ने एक बार फिर प्रतिक्रिया दी है। हालांकि, इस बार स्वीकार किया कि यह व्यक्तिगत स्तर पर एक भावनात्मक झटका था, जबकि प्रोफेशनली जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभाने का सबक मिला। शर्मा ने कहा- मैं कहूंगा कि प्रोफेशनली हमें बेहतर करना चाहिए था, इसमें कोई छिपी बात नहीं है। हमारे ऊपर जिम्मेदारियां थीं, हमें उन्हें और बेहतर तरीके से निभाना चाहिए था। बता दें कि रिजर्व बैंक ने मर्चेंट्स सहित ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को किसी भी ग्राहक खाते, वॉलेट और फास्टैग में जमा, क्रेडिट लेनदेन या टॉप-अप स्वीकार करने से रोक दिया था।

अडानी के खिलाफ इंटरनेशनल साजिश! हिंडनबर्ग ने दो महीने पहले क्लाइंट से शेयर की थी रिपोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी समूह के खिलाफ अपनी रिपोर्ट की एक कॉपी इसके पब्लिश होने से लगभग दो महीने पहले अपने क्लाइंट को शेयर की थी। इसे न्यूयॉर्क के हेज फंड मैनेजर मार्क किंग्डन को शेयर किया गया था। इसने ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में उतार-चढ़ाव का फायदा उठाया था। बाजार नियामक सेबी ने यह दावा किया है। सेबी ने हिंडनबर्ग को भेजे अपने 46 पन्ने के कारण बताओ नोटिस में इस बारे में विस्तार से बताया है।

सेबी ने बताया है कि कैसे अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग को अडानी ग्रुप की 10 सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों के मूल्यांकन में गिरावट से फायदा हुआ। रिपोर्ट पब्लिश होने के बाद ग्रुप की कंपनियों में भारी-भरकम 150 अरब डॉलर की गिरावट आई थी। हिंडनबर्ग ने न्यूयॉर्क के हेज फंड और कोटक महिंद्रा बैंक से जुड़े ब्रोकर को पहले ही इस रिपोर्ट की कॉपी शेयर की थी।

सुप्रीम कोर्ट में रेगुलेटर ने क्या कहा था

सेबी ने पिछले साल सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त समिति को बताया था कि वह 13 ऐसी बाहरी 'अस्पष्ट' इकाइयों की जांच कर रहा है जिनकी अडानी समूह के पांच सार्वजनिक रूप से कारोबार वाले शेयरों में 14 फीसदी से 20 फीसदी के बीच हिस्सेदारी थी। सेबी ने न केवल हिंडनबर्ग को, बल्कि केएमआईएल, किंग्डन और हिंडनबर्ग के संस्थापक नाथन एंडरसन को भी नोटिस भेजा है। पूर्व में अडानी समूह के पक्ष में बात करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने 'एक्स' पर पोस्ट में दावा किया है कि किंग्डन का चीन से संपर्क है। किंग्डन का विवाह 'चीनी जासूस' अनला चेंग के साथ हुआ है। जेठमलानी ने आरोप लगाया है कि चीनी जासूस चेंग ने अपने पति मार्क किंग्डन के साथ अडानी पर एक शोध रिपोर्ट तैयार करने के लिए हिंडनबर्ग की सेवाएं लीं। उन्होंने अडानी के शेयरों की शॉर्ट सेलिंग के लिए ट्रेडिंग खाते को कोटक की सेवाएं लीं और इसके जरिये लाखों डॉलर कमाए। इससे अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों के मूल्यांकन में भारी गिरावट आई।

सेबी के नोटिस पर हिंडनबर्ग का जवाब

वहीं, सेबी के इस कारण बताओ नोटिस के जवाब में हिंडनबर्ग ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। इसमें हिंडनबर्ग ने कहा है कि यह 'भारत के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों की ओर से किए गए भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी को उजागर करने वालों को चुप कराने और डराने-धमकाने' का प्रयास है। साथ ही उसने खुलासा किया है कि अडानी की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लि. के खिलाफ दांव लगाने के लिए जिस इकाई का इस्तेमाल किया गया वह कोटक महिंद्रा (इंटरनेशनल) लिमिटेड (केएमआईएल) से संबंधित थी जो कोटक महिंद्रा बैंक की मॉरीशस स्थित सब्सिडियरी है। केएमआईएल के फंड ने अपने क्लाइंट किंग्डन के किंग्डन कैपिटल मैनेजमेंट के लिए अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड पर दांव लगाया। सेबी के नोटिस में अडानी एंटरप्राइजेज (एईएल) में भविष्य के अनुबंध बेचने के लिए हेज फंड के एक कर्मचारी और केएमआईएल के कारोबारियों के बीच 'चैट' के अंश शामिल हैं। कोटक महिंद्रा बैंक ने कहा है कि किंग्डन ने कभी यह खुलासा नहीं किया कि उनका हिंडनबर्ग के साथ कोई संबंध था। न ही वे किसी मूल्य-संवेदनशील जानकारी के आधार पर काम कर रहे थे।

आनंद महिंद्रा ने एक्स पर शेयर की खास तकनीक

नसों को ढूंढने के लिए करती है इंफ्रारेड रेज का इस्तेमाल

नईदिल्ली, एजेंसी। महिंद्रा एंड महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में एक ऐसी टेक्नोलॉजी दिखाई गई है जो खून की नसों को ढूंढने के लिए इंफ्रारेड रेज का इस्तेमाल करती है। इससे बार-बार नस ढूंढने के दर्द से छुटकारा मिल सकता है। वीडियो में दिखाया गया है कि मरीज के हाथ पर दबाव पड़ने पर नसों का दिखना कैसे बदलता है।

महिंद्रा ने कहा, खून निकालते समय बार-बार नस खोजने के दर्द से छुटकारा। ये अक्सर सबसे छोटे, कम आकर्षक आविष्कार होते हैं जो हमारे चिकित्सा अनुभव और हमारे जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार करते हैं...

आनंद महिंद्रा एक्स पर काफी सक्रिय रहते हैं। वह अक्सर दिलचस्प, प्रेरणादायक और मजेदार पोस्ट करते हैं। उनके पोस्ट विभिन्न विषयों पर होते हैं। इनमें व्यवसाय और अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, सामाजिक और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने हाल ही में एक ट्वीट किया था जिसमें उन्होंने पूछा कि कौन भारत के लिए सबसे आवश्यक उत्पाद बना सकता है।

पोस्ट पर आईं अलग-अलग तरह की प्रतक्रियाएं

उद्योगपति के ताजा पोस्ट पर इनोवेशन की सराहना करते हुए द जीआईटीएफएफ पीएम नाम के एक एक्स यूजर ने कहा, यह शानदार है और बहुत सारे फोबिया को रोक सकता है। व्यक्तिगत अनुभव से इसकी व्यावहारिकता ने कई आघातों को बचाया होगा।

मिस्र को आसानी से होगा फूड प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट

मिस्र ने भारत में एक हलाल सर्टिफिकेशन सेंटर खोलने का निर्णय लिया है

- **इस समय मिस्र के मीट इंपोर्ट बाजार में भारत की हिस्सेदारी 80 फीसदी तक है**

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत से मिस्र को अब मीट और पॉल्ट्री समेत डेरी और अन्य फूड प्रोडक्ट्स का आसानी से निर्यात हो सकेगा। भारत से निर्यात किए जाने वाले मीट और पॉल्ट्री प्रोडक्ट मिस्र द्वारा निर्धारित हलाल स्टैंडर्ड के अनुरूप हो, इसके लिए एक बड़ा कदम उठा है। मिस्र ने यह सुनिश्चित करने के लिए बीते दिनों भारत में औपचारिक रूप से एक कार्यालय खोलने का फैसला किया। इसकी घोषणा भारत में मिस्र के राजदूत वील मोहम्मद अवाद हमेद ने की। इस अवसर पर एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी के अधिकारी भी उपस्थित थे।

मिस्र के राजदूत ने बताया कि अब हलाल सर्टिफिकेशन के लिए भारत में एजेंसी की शुरुआत हो चुकी है। यह एजेंसी पूरे भारत में अपनी सेवाएं देगा। फिलहाल यह एजेंसी मीट और पॉल्ट्री प्रोडक्ट्स का सर्टिफिकेशन करेगी। बाद में इसमें डेरी और फार्मा भी जुड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि भारत के मीट निर्यातकों के पास सुनहरा मौका है कि वे मिस्र को निर्यात किए जाने वाले मीट की मात्रा बढ़ा सकते हैं।

भारत है सबसे बड़ा मीट एक्सपोर्टर

मिस्र में इस समय भारत सबसे बड़ा मीट एक्सपोर्टर है। मिस्र के राजदूत ने बताया कि इस समय मिस्र में जितना मीट मंगाया जाता है, उसमें अभी भारतीय मीट की मात्रा 75 से 80 फीसदी के बीच है। हमें उम्मीद है कि आप मीट के कारोबार को 85 फीसदी, 90 फीसदी और 100 फीसदी तक बढ़ाना चाहेंगे। अगर आप इसे 100 फीसदी तक भी पहुंचाना चाहते हैं, तो मिस्र सरकार की तरफ से आपको पूरा सहयोग मिलेगा। उल्लेखनीय है कि मिस्र की 99 फीसदी आबादी मांसाहारी है।

5,000 करोड़ रुपये का होता है निर्यात

भारत ने कैलेंडर ईयर 2023 में मिस्र को 630 मिलियन डॉलर करीब 5,000 करोड़ रुपये का मीट एक्सपोर्ट किया था। इससे पहले साल 2022 में यह करीब 600 मिलियन डॉलर का रहा था। इसमें हर साल बढ़ोतरी ही हो रही है। मिस्र भारत के अलावा ब्राजील, अमेरिका, यूरोप, जर्मनी आदि देशों से भी मीट मंगाता है।

हाल ही में शुरू हुआ है सर्टिफिकेशन

मिस्र की भारत में हलाल सर्टिफिकेशन एजेंसी हलाल मार्केट इंडिया के सीईओ डॉ. गासर अलसईद ने बताया कि साल 2020 से पहले वहां कोई हलाल सर्टिफिकेशन अनिवार्य नहीं था। उस समय विश्वास के आधार पर मीट खरीदा जाता था। लेकिन कुछ गड़बड़ी होने की वजह से इसे साल 2020 में लागू कर दिया गया। उन्होंने बताया कि भारत में हलाल सर्टिफिकेशन के लिए कोई फेसिलिटेशन शुल्क नहीं लिया जाएगा। सिर्फ मिस्र सरकार द्वारा घोषित प्राइस लिस्ट लागू होगी। यदि कोई एक्सपोर्टर 40 फुट वाले किसी कंटेनर, जिसमें 28 टन तक मीट हो, का सर्टिफिकेशन कराना चाहता है तो उसे 2250 डॉलर का शुल्क चुकाना होगा।

300 सस्ता एलपीजी सिलेंडर घर ले जाने का मौका, अगले 8 महीने तक के लिए छूट

नईदिल्ली, एजेंसी। नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में कई ऐसी योजनाओं की शुरुआत की थी जिससे महिलाओं को लाभ मिला है। ऐसी ही एक योजना पीएमयूवाई यानी प्रधानमंत्री उज्ज्वला है। इस योजना के लाभार्थियों के लिए एक अच्छी खबर है। दरअसल, अगले 8 महीने तक लाभार्थियों को सामान्य ग्राहकों के मुकाबले 300 रुपये सस्ता एलपीजी सिलेंडर मिलता रहेगा। आइए इसकी डिटेल जान लेते हैं।

क्या है डिटेल- दरअसल, इस योजना के तहत लाभार्थियों को फ्री में एलपीजी कनेक्शन के साथ ही 300 रुपये की सब्सिडी दी जाती है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मार्च महीने में केंद्र सरकार की कैबिनेट ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के उपभोक्ताओं को एलपीजी सिलेंडर पर 300 रुपये की सब्सिडी जारी रखने को मंजूरी दी थी। इसके तहत योजना के लाभार्थियों को 300 रुपये की सब्सिडी 31 मार्च 2025 तक के लिए मिलती रहेगी। मतलब ये हुआ कि जुलाई के अलावा अगले आठ महीने तक लाभार्थी एलपीजी सिलेंडर 300 रुपये की छूट का लाभ ले सकेंगे।

देश की राजधानी दिल्ली में घरेलू उपयोग में आने वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 803 रुपये प्रति 14.2 किलोग्राम है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सिलेंडर पर 300 रुपये की सब्सिडी मिलती है। ऐसे ग्राहकों के लिए सिलेंडर 503 रुपये में उपलब्ध है।

देश की राजधानी दिल्ली में घरेलू उपयोग में आने वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 803 रुपये प्रति 14.2 किलोग्राम है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सिलेंडर पर 300 रुपये की सब्सिडी मिलती है।

सैमसंग इंडिया ने सॉल्व फॉर टुमॉरो की 100 टीमों की पहली सूची जारी की

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के अग्रणी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपनी एक बड़ी सीएसआर पहल - सॉल्व फॉर टुमॉरो के लिए 100 टीमों को शॉर्टलिस्ट करने की घोषणा की है। यह पहल देशभर में नए-नए आविष्कार करने के सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई है। इस शॉर्टलिस्ट में स्कूल और यूथ ट्रैक से 50-50 टीमें शामिल हैं जो अब राष्ट्रीय शिक्षा और नवाचार प्रतियोगिता में आगे प्रतिस्पर्धा करेंगी।

इस वर्षशॉर्टलिस्टिंगक्षेत्रीय स्तर पर की गई है। इससे इस प्रतियोगिता को देश के सुदूर इलाकों जैसे कि ओडिशा कचर में खुर्दा और असम में कामरूप ग्रामीण और गुजरात में अमरेली में रहने वाले भारतीय इनोवेटर्स की अगली पीढ़ी तक पहुंचने में मदद मिल सके। यूथ ट्रैक में 'पर्यावरण और स्थिरता' विषय को कवर करने वाले टॉप 50 आइडियाज़ न केवल गैर- परंपरागत हैं, बल्कि इन्हें भविष्य को ध्यान रखकर लाया गया है। वनों की कटाई, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, समुद्री प्रदूषण, कार्बन उत्सर्जन, अनसस्टेनेबल पैकेजिंग और खराब जल प्रबंधन जैसे मुद्दे युवाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण विषय के रूप में सामने आए हैं।

स्कूल ट्रैक और यूथ ट्रैक में 50-50 टीमों का चयन किया गया

दूसरी ओर, 'स्कूल' ट्रैक ने 'समुदाय और समावेशन 'थीम के तहत अपने विचार पेश किए हैं। उनके विचार स्कूली छात्रों में मानसिक बीमारी, एलजीबीटीक्यू समुदाय के लिए समावेशी माहौल की कमी, समाज के आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों में डिजिटल साक्षरता की खराब स्थिति और नौकरी के लिए तैयार होने के लिए एकेडेमिक शिक्षा और तकनीकी कौशल के बीच मौजूदा अंतर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधानों पर केंद्रित हैं।

100 टीमों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 232 प्रतिभागी अब 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' प्रतियोगिता के अगले चरण के लिए तैयार होंगे। यहां उन्हें विशेषज्ञ प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के जरिए प्रजेंटेशन और असरदार ढंग से बात करने के कौशल से लैस किया जाएगा। इससे उन्हें जुलाई के मध्य में शुरू होने वाले रीजनल राउंड की तैयारी में मदद मिलेगी।

सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के कॉर्पोरेट वाइस प्रेसिडेंट एसपी चुन ने कहा सैमसंग का मानना है कि हमारे युवाओं में सकारात्मक सामाजिक बदलाव लाने की अपार शक्ति और क्षमता है। हमारे प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम सॉल्व फॉर टुमॉरो ने इस साल पहली बार स्कूली छात्रों के लिए उनके खास कौशल और विचारों को ध्यान में रखते हुए एक नई कैटेगरी बनाई है।

होरिबा ने भारत के सबसे बड़े मेडिकल उपकरण एवं कंज्यूमेबल्स विनिर्माण इकाइयों में से एक विनिर्माण इकाई का उद्घाटन किया

आत्मनिर्भर और विश्व के लिए मेक इन इंडिया के विजन के अनुरूप है यह नई इकाई

नागपुर, एजेंसी। हमारे जीवन के लिए आवश्यक ऊर्जा और पर्यावरण, बायो एवं हेल्थकेयर और मैटेरियल एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्रों के लिए एनालिटिकल उपकरण एवं मेज़रमेंट सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली क्योटो स्थित जापान के अग्रणी होरिबा लिमिटेड (ज्ञड्डस्ध 6856) समूह की कंपनी होरिबा इंडिया ने नागपुर के बुटीबोरी में आज अपनी अत्याधुनिक मेडिकल उपकरण एवं कंज्यूमेबल्स विनिर्माण इकाई का उद्घाटन किया। यह इकाई आत्मनिर्भर भारत और विश्व के लिए मेड इन इंडिया के विज़न के अनुरूप है और यह भारत के सबसे बड़े मेडिकल उपकरण एवं कंज्यूमेबल्स (रीजेंट्स) विनिर्माण इकाइयों में से एक होगी। चरणबद्ध तरीके से करीब 200 करोड़ रुपये (3.8 अरब जापानी येन) के निवेश से नागपुर की यह इकाई पूरे भारत में 30,000 से अधिक डायग्नोस्टिक लैब्स और अस्पतालों को सेवाएं देगी और यह भारत में होरिबा का तीसरा सबसे महत्वपूर्ण निवेश है जिससे टियर-2 शहरों में रोजगार के अवसरों का सृजन करने की इसकी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। होरिबा लिमिटेड का वैश्विक कारोबार 2.3 अरब डॉलर है।

सेलेब्रेटिंग हॉनमैमन थीम पर आयोजित इस उद्घाटन समारोह में केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडनवीस, होरिबा लिमिटेड के चेयरमैन एवं ग्रुप सीईओ अत्सुशी होरिबा, होरिबा लिमिटेड, जापान के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर और होरिबा इंडिया के चेयरमैन डाक्टर जय हकु और होरिबा लिमिटेड, जापान के कॉरपोरेट ऑफिसर और होरिबा इंडिया के अध्यक्ष डाक्टर राजीव गौतम उपस्थित थे। हॉनमैमन एक जापानी शब्द है जो प्रामाणिकता और उत्कृष्टता को द्योतक है और यह होरिबा का इसकी टेक्नोलॉजी और मानव संपत्ति के प्रति इसका समर्पण परिलक्षित करता है।

होरिबा लिमिटेड के चेयरमैन एवं ग्रुप सीईओ श्री अत्सुशी होरिबा ने भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा, होरिबा इंडिया की नागपुर इकाई भारत और जापान के संबंधों को मजबूत करने, भारत के बायो एवं हेल्थकेयर क्षेत्र में योगदान करने की दिशा में हमारी यात्रा और मेक इन इंडिया को लेकर हमारी प्रतिबद्धता में एक बड़ा मील का पत्थर है।

होरिबा लिमिटेड, जापान के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर और होरिबा इंडिया के चेयरमैन डाक्टर जय हकु ने कहा, यह इकाई स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देकर उत्पादन का समय घटाएगी और लागत में कमी लाएगी। इस प्रकार से यह मेक इन इंडिया बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत की सरकार की पहल में सहयोग करेगी।

होरिबा लिमिटेड, जापान के कॉरपोरेट ऑफिसर और होरिबा इंडिया के अध्यक्ष डाक्टर राजीव गौतम के मुताबिक, इस इकाई में होरिबा का निवेश मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल में सहयोग करने की हमारी प्रतिबद्धता रेखांकित करता है और हमें इस राष्ट्र की वृद्धि की यात्रा का हिस्सा बनने में गर्व है।

राप्चिक रीटा में नजर नहीं आएंगी हिना खान

टीवी अभिनेत्री हिना खान स्टेज थ्री के ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। वह इस समय कैंसर का इलाज करवा रही हैं। हाल ही में अभिनेत्री की कीमोथेरेपी हुई है। इस बीमारी ने निजी तौर पर तो हिना को प्रभावित किया ही है, बल्कि उनके प्रोफेशनल जिंदगी को भी प्रभावित किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिना खान को अपने ट्रीटमेंट के चलते उनकी एक आगामी परियोजना से हाथ धोना पड़ गया है।

अदा शर्मा ने ली हिना की जगह!

मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री हिना खान की आगामी कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म 'राप्चिक रीटा' में वह एक वकील की भूमिका निभाने वाली थीं। अब ब्रेस्ट कैंसर का पता चलने के बाद कहा जा रहा है कथित तौर पर उनकी जगह अभिनेत्री अदा शर्मा ने ले ली है।

प्रशंसकों ने की आलोचना

हिना के परियोजना से बाहर होने की खबर आने के बाद उनके प्रशंसकों ने निराशा जताई और 'डिज्नी प्लस हॉटस्टार' की आलोचना भी की। एक यूजर ने एक्स पर लिखा, वह (हिना) कैंसर से जूझ रही हैं, उनके ठीक होने का इंतजार नहीं कर सकते? यह क्रूर है।' एक और यूजर ने 'डिज्नी प्लस हॉटस्टार' को टैग करते हुए लिखा, 'शर्म आनी चाहिए।'

ब्रेस्ट कैंसर की खबर सुन प्रशंसक हो गए थे हैरान

हिना ने 28 जून को अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लिखते हुए अपने प्रशंसकों के साथ खबर साझा की। उन्होंने लिखा कि जो लोग भी उन्हें प्यार करते हैं, उनकी परवाह करते हैं, वह उन्हें बताना चाहती हैं कि उन्हें स्टेज थ्री का ब्रेस्ट कैंसर हुआ है। यह खबर सुनते ही उनके प्रशंसक हैरान रह गए और उनके लिए दुआ करने लगे। कई अभिनेत्रियों ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर स्टोरी साझा करते हुए हिना का हौसला बढ़ाया और उनके जल्दी ठीक हो जाने की कामना की।

आर्थिक तंगी से जूझ रही पंजाबी गायिका को अक्षय कुमार ने भेजे

25 लाख रुपये

बॉलीवुड के खिलाड़ी यानी अक्षय कुमार अपनी दमदार फिल्मों के साथ-साथ अपनी दरियादिली को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरते हैं। अभिनेता को अक्सर जरूरतमंदों की मदद करते देखा जाता है। इसी कड़ी में अक्षय ने ग्लोरी बावा की मदद कर हर किसी का दिल जीत लिया है। जानकारी हो कि प्रसिद्ध पंजाबी लोक गायक और पद्म भूषण पुरस्कार विजेता दिवंगत गुरमीत बावा की बेटी ग्लोरी बावा ने बीते दिन आर्थिक संकट से जूझने की बात कही थी। साथ ही सोशल मीडिया पर सरकार से मदद मांगती नजर आई थीं। ऐसे में अक्षय कुमार सामने आए और एक भाई के तौर पर उनकी मदद की।

ग्लोरी की मदद पर अक्षय कुमार ने साझा किया, मुझे इसकी जानकारी सोशल मीडिया से मिली। बहुत दुख हुआ कि गुरमीत बावा जी, जो पंजाब की शान थीं उनके परिवार को आज इतनी आर्थिक दिक्कतें हैं। मैंने उनकी बेटी ग्लोरी बावा को अपनी बहन समझ के एक प्यार का इशारा भेजा है। ये कोई मदद नहीं है, एक पंजाबी और एक कलाकार होने के नाते मेरा फर्ज है।

पब्लिसिटी के लिए फिल्म में बोल्ड सीन डालना सही नहीं

रकुल प्रीत सिंह का नाम बॉलीवुड की ग्लैमरस एक्ट्रेसेस में गिना जाता है। उन्होंने 2017 में दिए एक इंटरव्यू में इंटीमेट सीन को लेकर बात की थी। उन्होंने कहा था कि उन्हें इंटीमेट सीन करने में परहेज नहीं है। रकुल का कहना था- सीन की डिमांड पर मैं इंटीमेट सीन या लिप-लॉक करने के लिए तैयार हूं। लेकिन इस तरह के सीन को जबरदस्ती पब्लिसिटी के लिए फिल्म में नहीं डालना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, एक्ट्रेस ने कहा कि ग्लैमर फिल्म इंडस्ट्री का जरूरी हिस्सा है, हर कोई चाहता है कि वो अपनी फेवरेट एक्ट्रेस को ग्लैमरस कपड़ों में देखे। रकुल बहुत जल्द ही फिल्म 'इंडियन 2' में नजर आएंगी। ये फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राम चरण ने पूरी की गेम चेंजर की शूटिंग

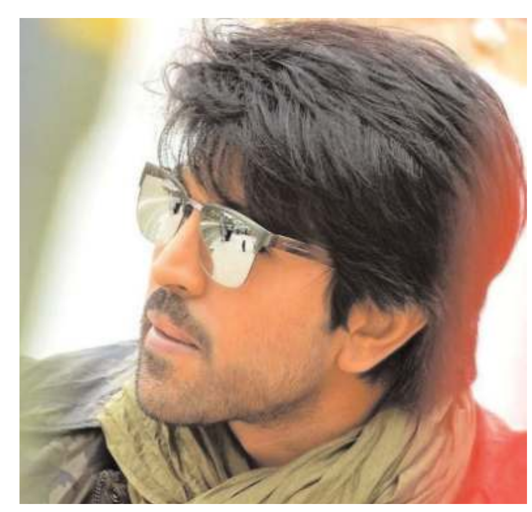

साउथ सुपरस्टार राम चरण की आगामी फिल्म गेम चेंजर इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। लगातार फिल्म को लेकर नई जानकारियां सामने आ रही हैं। दर्शक बेसब्री से फिल्म में राम चरण और कियारा आडवाणी को एक साथ बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के लिए अभिनेता ने निर्देशक एस शंकर से हाथ मिलाया है। फिल्म की शूटिंग काफी समय पहले शुरू हुई थी, जिसके कई शेड्यूल बने। वहीं अब फिल्म की शूटिंग को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। कॉलीवुड के मशहूर निर्देशक शंकर और सुपरस्टार राम चरण की अखिल भारतीय राजनीतिक ड्रामा फिल्म गेम चेंजर पर सभी की निगाहें टिकी हैं। निर्माता दिल राजू इस फिल्म को अपने करियर की यादगार परियोजना बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं, क्योंकि यह उनकी 50वीं प्रोडक्शन फिल्म है। फिल्म की शूटिंग में लगातार राम चरण और टीम व्यस्त थे। अब आखिरकार राम चरण ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। लंबे समय से चल रही शूटिंग को लेकर प्रशंसक भी परेशान थे और लगातार फिल्म की रिलीज डेट के बारे में अपडेट मांग रहे थे।

ताजा खबर से प्रशंसकों को राहत मिली है, कि अब जल्द ही फिल्म की रिलीज की तारीख का भी खुलासा कर दिया जाएगा। आज राम चरण ने फिल्म में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। ऐसे में अब जब शंकर पूरी प्रोडक्शन औपचारिकताएं पूरी कर लेंगे तो इसके बारे में नई जानकारियां साझा करेंगे। वहीं खबर यह भी है कि गेम चेंजर की शूटिंग पूरी करने के बाद अब राम चरण उप्पेना फेम बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही अपनी अगली फिल्म पर फिलहाल अपना ध्यान लगा सकते हैं और उसकी शूटिंग शुरू करने की योजना बनाएंगे।

मल्लिका शेरावत के साथ झगड़े पर

20 साल बाद इमरान ने दी सफाई

अभिनेता इमरान हाशमी और अभिनेत्री मल्लिका शेरावत फिल्म मर्डर में साथ नजर आए थे। 2004 में आई इस फिल्म में दोनों के बीच गजब की केमिस्ट्री देखने को मिली थी। लेकिन, हैरानी की बात ये भी है कि इसी फिल्म के दौरान दोनों के बीच भयंकर झगड़ा भी हो गया था। बात इतनी बिगड़ चुकी थी कि उस फिल्म के बाद दोनों फिर किसी फिल्म में साथ नजर नहीं आए। दो दशक बाद इमरान हाशमी ने उस तकरार पर अब जाकर चुप्पी तोड़ी है।

कई बार हो चुकी है मुलाकात

वक्त के साथ दोनों सितारों के बीच गिले-शिकवे अब दूर हो चुके हैं। हाल ही में मुंबई में एक कार्यक्रम में दोनो को गले मिलते देखा गया था और अब इमरान ने आखिरकार उनके बीच के उस चर्चित झगड़े पर खुलकर बात की। एक न्यूज वेबसाइट के साथ बातचीत में इमरान ने मल्लिका से मुलाकात के बारे में बात करते हुए कहा, यह बहुत गर्मजोशी भरा और कॉर्डियल था। मैंने उसे बहुत समय बाद देखा। मुझे नहीं लगता कि लंबे समय में हमारा ऐसा कोई एनकाउंटर हुआ था। मर्डर की रिलीज के बाद मैंने उससे कई बार मुलाकात की।

बोले- वो बातें अब बीत चुकीं

अभिनेत्री के साथ तकरार पर इमरान ने आगे कहा, उस वक्त हम युवा थे और बेवकूफ थे। आप अपनी जिंदगी में एक ऐसे दौर से गुजरते हैं, जब आपकी फैसला लेने की शक्ति इतनी सीमित हो जाती है। आप बहुत जल्दी आवेग में आ जाते हैं। कुछ छोटी बातें उसने कहीं और कुछ मैंने भी, लेकिन वह सभी बातें अब बीत चुकी हैं। वह सब बीत चुका है।

दोबारा करना चाहते हैं साथ काम

इस दौरान इमरान हाशमी ने कहा कि वह मल्लिका के साथ दोबारा साथ काम करना चाहते हैं। अभिनेता ने कहा, हमने यह सब एक तरफ रख दिया, बहुत समय पहले की बात है। उसे देखना और मिलना बहुत अच्छा लगा। वह बहुत गर्मजोशी से भरी थीं और मैं भी। वह एक को-एक्ट्रेस हैं, काश मैं उनके साथ दोबारा काम कर पाता।

पूजा भट्ट के साथ रिश्ते पर बोले रणवीर शौरी!

हाल ही में रणवीर शौरी ने एक एक्ट्रेस के साथ अपने ब्रेकअप पर बात की है। रणवीर ने कहा कि एक एक्ट्रेस के साथ रिलेशनशिप में रहना उनकी लाइफ का सबसे बड़ा स्कैंडल बन गया था। रणवीर के इस बयान के बाद अंदाजा लगाया जा रहा है कि उन्होंने पूजा भट्ट के साथ अपने रिश्ते पर बात की है। एक वक्त पर एक्टर की पूजा के साथ लिंकअप की खबरें बहुत ज्यादा चर्चा में थीं। दोनों लिव इन रिलेशनशिप में भी थे, लेकिन बाद में दोनों के रिश्ते में बहुत दूरी आ गई। बिग बॉस 3 के हालिया एपिसोड में रणवीर ने कहा कि वो 2002 में लद्दाख में फिल्म लक्ष्य की शूटिंग कर रहे थे। एक दिन घर से कॉल आया कि उनकी मां की तबीयत ठीक नहीं है। लेकिन वो शूटिंग खत्म होने से पहले छुट्टी लेकर मां के पास नहीं जा सकते थे। उन्होंने बताया कि उस वक्त वो एक एक्ट्रेस के साथ सबसे बड़े स्कैंडल में फंसे हुए थे। इस बारे में उन्होंने कहा- उस वक्त मुझे एक एक्ट्रेस के साथ जिंदगी के सबसे बड़े स्कैंडल का भी सामना करना पड़ा था। मैं इस सिचुएशन से अकेले नहीं निकल सकता था।

मैंने हमेशा गलत पुरुषों को डेट किया: मनीषा कोइराला

अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपनी अभिनय प्रतिभा के बूते इंडस्ट्री में अलग मुकाम हासिल किया है। नेपाली मूल की मनीषा ने बॉलीवुड में कई शानदार फिल्में दी हैं। हाल ही में अभिनेत्री अपने व्यक्तिगत जीवन पर बात करती नजर आईं। इस दौरान मनीषा ने कहा कि उन्होंने अपनी जिंदगी में रिलेशनशिप के मामले में काफी कुछ झेला है।

मनीषा ने कहा कि उन्होंने गलत पुरुषों को डेट किया है। मनीषा कोइराला ने फिल्मफेयर के साथ बातचीत के दौरान अपनी निजी जिंदगी पर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने कहा कि वह टॉक्सिक रिलेशनशिप में रही हैं। मनीषा ने कहा कि उन्होंने हमेशा गलत पुरुषों को डेट किया है। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उन्होंने पिछले रिश्तों में खबरों के साफ-साफ संकेत मिलने पर भी वह नजरअंदाज क्यों किए थे। मनीषा कोइराला ने बताया, मैंने इस बात पर गौर किया कि मैं सिर्फ गलत लोगों के प्यार में क्यों पड़ी। मैं सोचती थी कि मैं बार-बार ऐसा क्यों कर रही हूं या फिर मेरे साथ कुछ गड़बड़ है, जो मैं कमरे में सबसे ज्यादा परेशान रहने वाले व्यक्ति की ओर आकर्षित हो रही हूं। मैंने सोचा कि सबसे पहले मुझे इस बात पर काम करना होगा कि मुझे क्या परेशान कर रहा है। मैं पिछले पांच-छह वर्षों से अकेली हूं और मैं घुलने-मिलने के मूड में नहीं हूं, क्योंकि मुझे अभी भी लगता है कि मुझे खुद पर बहुत काम करने की जरूरत है। अभिनेत्री से जब पूछा गया कि वे कैसा पार्टनर चाहती हैं? तो जवाब मिला, यह सब कहने के बाद कभी मैं एक अच्छे रिलेशनशिप में आना चाहूंगी, जहां मुझे लगे कि हम दोनों एक-दूसरे को स्वीकार करते हैं और जहां हम हैं, उसके बारे में ईमानदार हैं। यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि हमें आगे बढ़ने के लिए क्या सीखने की जरूरत है और क्या हम अपनी यात्रा में एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं।

मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रहना चाहती हूं, जिसके पास सपने और महत्वाकांक्षाएं हों और किसी तरह का जुनून हो, क्योंकि मैं बहुत भावुक इंसान हूं।

तापसी ने फिर साधा एनिमल पर निशाना

फिल्मों का दर्शकों पर क्या प्रभाव पड़ता है और अभिनेताओं और फिल्म निर्माताओं की नैतिक जिम्मेदारियां क्या हैं, यह बात लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। हालांकि, निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल की रिलीज के बाद यह चर्चा शुरू हुई।पिछले साल दिसंबर में इस मुद्दे ने और तूल पकड़ लिया था। कई लोगों ने फिल्म की आलोचना करते हुए कहा था कि इसमें महिलाओं के प्रति घृणा और हिंसा को महिमामंडित किया गया है। एक्सप्रेसो के एक साक्षात्कार में तापसी पन्नू ने एक बार फिर एनिमल की आलोचना की है। तापसी ने कहा, अगर मैंने एनिमल की स्क्रिप्ट पढ़ी होती, तो मैं भी रणबीर कपूर की तरह ही उत्साहित होती... लेकिन, फर्क यह है... जब आप कोई स्क्रिप्ट पढ़ते हैं और जब आप वही देखते हैं जो आप देखते हैं, तो यह निर्देशक का माध्यम होता है। जब मैं कोई स्क्रिप्ट पढ़ रही होती हूं, तो मुझे नहीं पता होता कि वह किस शॉट पर लो एंगल और हाई बीजीएम डाल रहा है। तापसी ने आगे कहा, मैं स्क्रिप्ट के जरिए यह नहीं देख पाती। यह सिर्फ निर्देशक ही है जो शॉट-टेकिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन के जरिए संवाद कर सकता है। आप एक निश्चित सीन और शॉट की कल्पना करते हैं। एक किरदार, इस बात पर निर्भर करता है कि सीन कैसे शूट किया गया है यह कागज पर नहीं होगा। तापसी ने कहा, एनिमल में कुछ सीन्स पर तालियां और सीटियां सुनना थोड़ा अजीब था, जहां मुझे इस तरह के किरदार का इस तरह बढ़ना पसंद नहीं था। वहीं, तापसी इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में चल रही हैं।

बॉडी डिस्मॉर्फिया से जूझ रहे हैं करण जौहर

करण जौहर को भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के सबसे महान फिल्म निर्माताओं में से एक माना जाता है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता निर्देशक-निर्माता को स्टार मेकर के रूप में भी जाना जाता है। हाल ही में एक साक्षात्कार में, उन्होंने बॉडी डिस्मॉर्फिया से जूझने की बात स्वीकार की। करण जौहर हाल ही में बातचीत में थे, अपनी असफलताओं के बारे में बात की। उन्होंने यह भी बताया कि बचपन में उन्हें अपने दिखने के तरीके से असहज महसूस होता था जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अब भी उस वजन को ढो रहे हैं, तो केजेओ ने स्वीकार किया, मुझे बॉडी डिस्मॉर्फिया है, मुझे पूल में उतरना बहुत अजीब लगता है।

-साभार एजेंसी

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने फिर की बड़ी भविष्यवाणी

नईदिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय क्रिकेट टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीत लिया था. 29 जून को ब्रिजटाउन के केंसिंग्टन ओवल में हुए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को 7 रनों से पराजित किया. भारतीय टीम ने दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जीता. इससे पहले उसने 2007 के सीजन में भी टी20 वर्ल्ड कप अपने नाम किया था.

जय शाह की ये भविष्यवाणी हुई थी सच

फाइनल मुकाबले में जीत के साथ ही भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के सचिव जय शाह की भविष्यवाणी सच साबित हो गई थी. दरअसल जय शाह ने पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी कि बारबाडोस के मैदान पर रोहित शर्मा भारत का झंडा गाड़ेंगे. कप्तान रोहित शर्मा ने खिताबी जीत के बाद मैदान पर भारत का झंडा भी गाड़ा था. अब जय शाह ने फिर बड़ी भविष्यवाणी की है. जय शाह ने कहा कि भारतीय टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में अगले साल आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी और वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल जीतेगी.

शाह के बयान से ये बात भी स्पष्ट हो चुका है कि चैम्पियंस ट्रॉफी में रोहित शर्मा ही भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे. चैम्पियंस ट्रॉफी 50 ओवर्स के प्रारूप वाला टूर्नामेंट है. रोहित ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया, लेकिन बाकी दो फॉर्मेट में वो ही अभी कप्तान हैं. जय शाह ने एक वीडियो संदेश में कहा, टीम इंडिया को इस ऐतिहासिक जीत के लिए बहुत-बहुत बधाई. इस जीत को मैं कोच राहुल द्रविड़, कैप्टन रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा को डेडिकेट करना चाहता हूं.

बीते एक साल में ये हमारा तीसरा फाइनल था. जून 2023 में हम वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में हारे. नवंबर 2023 में दस जीत के बाद हम दिल जीते, लेकिन कप नहीं जीत पाए.

शाह ने कहा, मैंने राजकोट में बोला था कि जून 2024 में हम दिल भी जीतेंगे, कप भी जीतेंगे और भारत का झंडा भी गाड़ेंगे और हमारे कप्तान ने झंडा गाड़ दिया. इस जीत में आखिरी पांच ओवर का बहुत बड़ा योगदान था. इस योगदान के लिए मैं सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं. इस जीत के बाद अगला पड़ाव है फाइनल और चैम्पियंस ट्रॉफी. मुझे पूरा भरोसा कि रोहित शर्मा की कप्तानी में हम इस दोनों टूर्नामेंट में चैम्पियन बनेंगे.

अब रोहित शर्मा का पहला लक्ष्य चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में अपनी टीम को खिताबी जीत दिलाने पर होगा. फिर वह जून 2025 में लॉर्ड्स में होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल को भी जीतना चाहेंगे. हालांकि फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को न्यूजीलैंड, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में दमदार खेल दिखाना होगा.

दिग्गज रेसलर जॉन सीना ने WWE से संन्यास की घोषणा की

न्यूयॉर्क,एजेंसी। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट के दिग्गज रेसलर जॉन सीना अपने लीजेंड्री करियर का जल्द ही अंत करने जा रहे हैं। WWE के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में जॉन सीना ने इन-रिंग प्रतियोगिता से संन्यास की घोषणा की है। वह 2025 में WWE को अलविदा कहेंगे। जॉन सीना कनाडा के टोरंटो में डब्ल्यूडब्ल्यूई मनी इन द बैंक शो में लौटे। उन्होंने सभी फैंस को चौंकाते हुए अचानक एंट्री की। इसके बाद उन्होंने कहा, आज रात मैं आधिकारिक तौर पर WWE से अपनी रिटायरमेंट की घोषणा कर रहा हूं। जॉन सीन की इस घोषणा ने उनके प्रशंसकों को दुखी कर दिया है।

एक सोशल मीडिया यूजर ने कमेंट किया, आपको याद करेंगे चैंपियन। एक अन्य प्रशंसक ने लिखा- सीना के बिना डब्ल्यूडब्ल्यूई देखना मुश्किल होगा। सीना ने खुलासा किया कि वह फिलहाल मंडे नाइट रॉ में बने रहने की योजना बना रहे हैं। दरअसल, मंडे नाइट रॉ शो जनवरी 2025 में नेटफ्लिक्स पर लॉन्च होने जा रहा है। सीना ने कहा- मैं आज संन्यास नहीं लूंगा। यह विदाई, यह आज रात खत्म नहीं होती है। उन्होंने कहा, हर कोई मंडे नाइट रॉ को अगले साल इतिहास बनाते देखना चाहता है। जब यह शो नेटफ्लिक्स पर आएगा तो इतिहास रचा जाएगा। मैं कभी भी नेटफ्लिक्स पर रॉ का हिस्सा नहीं रहा, यह इतिहास है। यह पहली बार है, और मैं वहां रहूंगा। उस इतिहास का गवाह बनूंगा। सीना ने कहा- 2025 रॉयल रंबल मेरा आखिरी होगा। 2025 एलिमिनेशन चैंबर मेरा आखिरी होगा। और मैं आज रात यहां यह घोषणा करने के लिए हूं कि लास वेगास में रेसलमेनिया 2025 मेरा आखिरी रेसलमेनिया होगा जिसमें मैं मुकाबला करूंगा। सीना ने 2001 में WWE के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया और उसके बाद लगातार सफलता की सीढ़ियां चढ़ते गए। शुरुआत में उनकी और कर्ट एंगल की फ्यूड काफी चर्चा में रही थी। कर्ट ओलंपिक में गोल्ड मेडलिस्ट हैं।

2018 में वह WWE से दूर हो गए और कभी कभी दिखते रहे। उन्होंने अपने अभिनय करियर को आगे बढ़ाने के लिए इससे किनारा कर लिया। वह रिकॉर्ड 16 बार के WWE विश्व चैंपियन हैं। हाल ही में जॉन सीना फास्ट एंड फ्यूरियस, बार्बी जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

कपिल देव और एमएस धोनी की विरासत रोहित शर्मा ने आगे बढ़ाई: गावस्कर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने टी20 विश्व कप 2024 जीतने के लिए रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि सलामी बल्लेबाज रोहित भी एमएस धोनी और कपिल देव की तरह ही लोगों के कप्तान हैं। रोहित टी20 विश्व कप 2007 और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारत की टीम के सदस्य थे। कप्तान के तौर पर वो वनडे विश्व कप 2023 और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में उपविजेता रहे। लेकिन रोहित को आखिरकार किस्मत का साथ तब मिला जब भारत ने पिछले महीने केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर टी20 विश्व कप जीता।

टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद रोहित ने टी20 विश्व कप 2024 जीत को अपने खेल करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया, जिसे भारत ने प्रतियोगिता में अजेय टीम के रूप में जीता। गावस्कर ने रविवार को मिड-डे के लिए अपने कॉलम में लिखा, रोहित शर्मा उन दो अन्य क्रिकेट दिग्गजों, कपिल देव और धोनी के साथ शामिल हो गए हैं, जिन्होंने भारत को विश्व कप ट्रॉफी दिलाई है। इन दोनों की तरह, रोहित भी लोगों के कप्तान हैं। न केवल उनकी टीम के सदस्यों द्वारा, बल्कि पूरे भारतीय क्रिकेट समुदाय में उन्हें खूब पसंद किया जाता है। क्रिकेट प्रशंसकों को उनकी नेतृत्व शैली भी पसंद है और रणनीति के मामले में, वे खेल में सबसे तेज हैं। उनके कुछ कदम आपको आश्चर्यचकित कर सकते हैं, लेकिन अंतिम परिणाम अक्सर वही होता है जिसकी टीम को उस समय जरूरत होती है। गावस्कर ने रोहित और राहुल द्रविड़ की कप्तान-कोच जोड़ी की भी सराहना की, जिन्होंने भारत को ट्रॉफी जीतने में अहम भूमिका निभाई।

राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में सहयोगी स्टाफ ने भी जीत में अहम भूमिका निभाई। टूर्नामेंट में, रोहित ने 156.70 की स्ट्राइक रेट से 257 रन बनाए और भारत को बल्ले से तेज शुरुआत देने की जिम्मेदारी ली, जिसमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ उनके अर्धशतक महत्वपूर्ण थे।

विम्बलडन :

विम्बलडन का आनंद लेने पहुंचे क्रिकेट के भगवान

नई दिल्ली, एजेंसी। सचिन के अलावा इंग्लैंड के टेस्ट और सीमित ओवरों के कप्तान बेन स्टोक्स और जोस बटलर के साथ पूर्व कप्तान जो रूट भी विम्बलडन के मुकाबलों का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचे।

क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर शनिवार को विम्बलडन सेंटर कोर्ट पहुंचे। इस दौरान दर्शकों ने भारतीय दिग्गज को स्टैंडिंग ओवेशन दिया और तालियां बजाईं। वहीं, पूर्व बल्लेबाज ने हाथ हिलाकर प्रशंसकों को धन्यवाद कहा। सचिन के अलावा इंग्लैंड के टेस्ट और सीमित ओवरों के कप्तान बेन स्टोक्स और जोस बटलर के साथ पूर्व कप्तान जो रूट भी विम्बलडन के मुकाबलों का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचे। अब विम्बलडन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक खास वीडियो साझा करते हुए सचिन का स्वागत किया। विम्बलडन ने एक्स पर डाले वीडियो के साथ लिखा, सेंटर कोर्ट पर फिर आपका स्वागत है सचिन।

बैडमिंटन

प्रियांशु राजावत ने किया उलटफेर, डेनमार्क के इस खिलाड़ी को हराकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को हराया। राजावत ने एंटोनसेन को हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। राजावत शानदार लय में दिख रहे हैं और उन्होंने अपना प्रदर्शन इस शीर्ष वरीय खिलाड़ी के खिलाफ भी जारी रखा और कनाडा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

विश्व में 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत ने एक घंटे 19 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में एंटोनसेन को 21-11, 17-21, 21-19 से हराया। यह पहला अवसर है जब इस 22 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया। राजावत दूसरी बार विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जहां उनका सामना फ्रांस के अलेक्स लेनियर से होगा। राजावत ने अच्छी शुरुआत की तथा पहले गेम में एक समय वह 7-4 से आगे थे। एंटोनसेन ने हालांकि जल्द ही स्कोर 9ङ्क9 से बराबर कर दिया। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद लगातार पांच अंक बनाए। एंटोनसेन ने फिर वापसी की कोशिश की, लेकिन राजावत ने लगातार सात अंक बनाकर पहला गेम अपने नाम कर दिया।

इंडिया वर्सेस जिम्बाब्वे

काम खत्म नहीं हुआ है अभी सीरीज जीतनी है: सिकंदर रजा

हरारे, एजेंसी। जिमबाब्वे क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए हरारे के मैदान पर टीम इंडिया के खिलाफ पहला मुकाबला 13 रन से जीत लिया। सिंदर रजा की अगुवाई में जिमबाब्वे टीम ने पहले खेलते हुए महज 115 रन ही बनाए थे

लेकिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया को 102 रन पर ही ऑलआऊट कर दिया। मैच में सिकंदर ने तीन महत्वपूर्ण विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। उन्होंने मैच खत्म होने के बाद कहा कि मैं जीत से बहुत खुश हूं। एक समय में एक खेल लेने की जरूरत है। काम ख़त्म नहीं हुआ, अभी सीरीज खत्म नहीं हुई है। विश्व चैंपियन विश्व चैंपियन की तरह खेलते हैं इसलिए हमें अगले गेम के लिए तैयार रहना होगा।

रजा ने कहा कि यह ऐसा विकेट नहीं है जहां आप 115 रन पर आउट हो जाएं। दोनों पक्षों के गेंदबाजों को श्रेय देना चाहिए। यह स्पष्ट रूप से एक संकेत है कि हमें अपने कौशल को बढ़ाने की जरूरत है। मैंने कहा कि जब तक हम भीड़ और चेंजिंग रूम के प्रति सच्चे रह सकते हैं, तब तक मुझे परिणाम की परवाह नहीं है। आज हम अपनी योजनाओं पर कायम रहे और हमने अपने लोगों का समर्थन किया। हमारी कैचिंग और ग्राउंड फील्डिंग अद्भुत थी लेकिन हमने कुछ गलतियां कीं, जिससे पता चलता है कि सुधार की गुंजाइश है। हम जानते थे कि प्रशंसक हमारा हौसला बढ़ाएंगे और हमें ऊर्जा देंगे, इसका श्रेय उन्हें जाता है, इससे हमें मदद मिली।

हार्दिक पांड्या पर बोले ईशान किशन

आपको कड़ी मेहनत, ईमानदारी का परिणाम मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के क्रिकेटर इशान किशन ने पिछले छह महीनों में सुस्त फॉर्म से जूझने के बावजूद अपने शांत और केंद्रि÷ दृष्टिकोण के लिए ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की सराहना की। चोट लगने के बाद भारत का यह ऑलराउंडर वनडे विश्व कप 2023 से बाहर हो गया।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में भी, 30 वर्षीय खिलाड़ी मुंबई इंडियंस (एमआई) को टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में ले जाने में असफल रहे। लेकिन हार्दिक ने टी20 विश्वकप में अपनी उपयोगिता साबित कर टीम इंडिया को खिताब दिला दिया। हार्दिक ने बल्ले से 8 मैचों की 6 पारियों में 151.57 की स्ट्राइक रेट से 144 रन बनाए। इस बीच उन्होंने गेंद से भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने टूर्नामेंट में 8 मैच खेलकर 7.64 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट लिए। उन्होंने बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर टीम इंडिया को अपनी दूसरी टी20 विश्व कप

ट्रॉफी जीतने में मदद की।

बहरहाल, किशन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कहा कि हार्दिक को पिछले कुछ महीनों में कई चीजों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि ऑलराउंडर को उनकी कड़ी मेहनत का फल मिला। किशन ने लिखा- पिछले कुछ महीनों में आपने बहुत सी चीजों का सामना किया, फिर भी आप शांत और केंद्रित रहे। और आज भैया आपको अपनी कड़ी मेहनत, ईमानदारी और निष्ठा का परिणाम मिला।

मैं और भी बहुत कुछ महसूस करता हूं और कहना चाहता हूं लेकिन शब्द कम पड़ जाएंगे। किशन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, आप एक चैंपियन हैं और आप दुर्लभ हैं। किशन ने टी20 विश्व कप जीत के बाद हार्दिक पंड्या से मुलाकात का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ने ऑलराउंडर से मिलने के बाद उसे गले लगाया।

महिला टी20 एशिया कप में हरमनप्रीत कप्तान, पहला मुकाबला होगा पाकिस्तान से

मुंबई, एजेंसी। हरमनप्रीत कौर 19 जुलाई से श्रीलंका में होने वाले महिला टी20 एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुआई करेंगी।

हरमनप्रीत अभी चेन्नई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही टी20 श्रृंखला में खेल रही हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में शानदार फॉर्म में चल रही सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को उप-कप्तान बनाया गया है। मुख्य टीम की 15 खिलाड़ियों के अलावा श्वेता सहरावत, साइका इशाक, तनुजा कंवर और मेघना सिंह को रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर शामिल किया गया है। भारत को टूर्नामेंट के ग्रुप ए में रखा गया है जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान (19 जुलाई), संयुक्त अरब अमीरात (21 जुलाई) और नेपाल (23 जुलाई) शामिल हैं। सभी मैच रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जायेंगे।

भारत गत विजेता है और उसने रिकॉर्ड सात बार प्रतियोगिता जीती है।

भारतीय टीम:

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), पूजा वस्त्रकार, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल और सजना सजीवन।

रिजर्व: श्वेता सहरावत, साइका इशाक, तनुजा कंवर और मेघना सिंह।

ओलंपिक से पहले विनेश फोगाट का दमदार प्रदर्शन, स्पेन ग्रां प्री के फाइनल में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। दो बार की विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता विनेश ने फाइनल में मारिया तियुमेरेकोवा को 10-5 से हराकर पहला स्थान हासिल किया।

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वलिफाई कर चुकी भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को स्पेन ग्रां प्री में महिलाओं के 50 किग्रा का स्वर्ण पदक जीता। दो बार की विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता विनेश ने फाइनल में मारिया तियुमेरेकोवा को 10-5 से हराकर पहला स्थान हासिल किया। विनेश को बुधवार को आखिरी समय में शेंगेन वीजा मिला था और उन्होंने बिना किसी परेशानी के तीन मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई थी।

29 वर्षीय विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता ने पहले क्यूबा की युस्नेलिस गुजमैन को अंकों के आधार पर 12-4 से हराया।

इसके बाद उन्होंने क्वार्टर फाइनल में बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक विजेता कनाडा की मैडिसन पार्क्स के खिलाफ जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में, विनेश ने एक अन्य कनाडाई केटी डचक को अंकों के आधार पर 9-4 से हराया।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस की रेड से डरकर तीसरी मंजिल से कूदने वाले युवक की मौत, महादेव सट्टा पैनल का करता था संचालन

रायपुर , एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में ऑनलाइन महादेव सट्टा एप्प मामले बीते दिनों पुलिस कार्रवाई को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पुलिस के कार्रवाई के दौरान पैनल संचालक युवक तीसरे मंजिल से छलांग दिया था, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई है। मामले में एक सप्ताह पहले भिलाई के कुछ युवक ऑनलाइन महादेव सट्टा एप्प का पैनल हैदराबाद के तेलंगाना में संचालित कर रहे थे। इसकी सूचना दुर्ग पुलिस को मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर किराए के मकान पर छापामारी कर नाबालिग समेत छह सटोरियों को गिरफ्तार किया गया था। वहीं एक युवक तीसरे मंजिल से छलांग लगा दिया था, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने गंभीर हालत में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया था। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई है। युवक का नाम सुजीत कुमार साव बताया जा रहा है जो कि भिलाई का रहने वाला था। मृतक सुजीत भिलाई के वैशालीनगर कैंप 1 का रहने वाला था, जो तेलंगाना में महादेव ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहा था। पुलिस ने इस मामले में बी चंदू, अभिषेक वर्मा ,हिमांशु चौहान, उदय, विनय समेत एक नाबालिग को गिरफ्तार किया था।

तेज रफ्तार की बीएमडब्ल्यू कार ने फिर मारी बाइक में टक्कर, मछली पकड़ने निकली महिला की मौत

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र में तेज रफ्तार की कार ने एक और जान ले ली है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में रविवार की सुबह वर्ली में एक तेज रफ्तार की बीएमडब्ल्यू कार ने एक बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार कपल को जबरदस्त चोट लगी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला की मौत हो गई। घटना सुबह 5:30 बजे के करीब है। कहा जा रहा है कि वर्ली के कोलीवाड़ा इलाके में रहना वाली यह जोड़ी मछली पकड़ने के लिए ससून डॉक गया था। वे पकड़ी हुई मछली लेकर घर लौट रहे थे, तो उनके दोपहिया वाहन को पीछे से एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनकी बाइक पलट गई और पति-पत्नी दोनों कार के बोनट पर गिर गए। खुद को बचाने की कोशिश में पति बोनट से कूदने में कामयाब रहा। हालांकि, उसकी पत्नी इतनी भाग्यशाली नहीं थी। इसके बाद मची अफरा-तफरी में चार पहिया वाहन का चालक घायल महिला को छोड़कर मौके से भाग गया। घायल महिला को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि पति का फिलहाल इलाज चल रहा है। साथ ही हिट-एंड-रन मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

वन रक्षक भर्ती पेपर लीक मामले में बड़ी कार्रवाई, 11 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान के 2022 वन रक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। एसओजी ने वन रक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में राजस्थान में ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया है। राजस्थान पुलिस की ओर से शनिवार को जारी बयान में उक्त जानकारी दी गई है। राजस्थान पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 28 जून को पुलिस ने बांसवाड़ा में दो आरोपियों प्रवीण मालवीय और उनकी पत्नी सविता डोडियार को गिरफ्तार किया था। उनसे पूछताछ की गई तो सनसनसीखेज जानकारियां सामने आईं। आरोपियों ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि साकन सिंह खड़िया नामक व्यक्ति ने उनसे ऐसे लोगों को खोजने के लिए कहा था जो लीक प्रश्नपत्र के लिए 8 लाख रुपये दे सकें। आधिकारिक बयान के अनुसार, मालवीय और डोडियार ने आठ उम्मीदवारों की व्यवस्था की जो पेपर के लिए भुगतान करने को तैयार थे। एसओजी ने मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। आगे की पूछताछ जारी है। हाल ही में एसओजी ने विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले में कथित तौर पर शामिल एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। एसओजी ने एक महीने तक चले ऑपरेशन के बाद मंगलवार को तीन आरोपियों ओमप्रकाश ढाका, शम्मी बिश्नोई और सुनील बेनीवाल को गिरफ्तार किया गया है।

1.5 किमी लंबे नंद नगरी फ्लाईओवर की डेडलाइन 4 महीने और बढ़ी

नईदिल्ली, एजेंसी।
उत्तर-पूर्वी दिल्ली में नंद नगरी से गगन सिनेमा के बीच बन रहे फ्लाईओवर का निर्माण कार्य तय समय से पीछे चल रहा है। अब इसके पूरा होने की डेडलाइन अक्टूबर तय की गई है। यह सड़क दिल्ली को गाजियाबाद से जोड़ती है। दिल्ली का यह इलाका सघन आबादी वाला है। आधिकारिक सूत्रों की मानें तो अलग-अलग कारणों से फ्लाईओवर की नई डेडलाइन चार माह बढ़ाई जा रही है। अधिकारियों का दावा है कि इस योजना का 95 फीसदी काम पूरा हो चुका है।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी से गगन सिनेमा (मंगल पांडे मार्ग) पर बन रहे 1.5 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर को सितंबर, 2022 में मंजूरी मिली थी। फरवरी, 2023 में काम शुरू हुआ था। इसे पूरा करने के लिए जुलाई 2024 तक की डेडलाइन रखी गई थी। अधिकारियों की मानें तो 95 फीसदी काम पूरा हो चुका है, लेकिन वन विभाग समेत कई अन्य विभागों से जरूरी मंजूरी मिलने में देरी के कारण समय सीमा बढ़ाई गई है। योजना से जुड़े अधिकारी के मुताबिक, बिजली के तार शिफ्ट करने का काम अभी चल रहा है। इसकी मंजूरी में थोड़ी देरी हुई है। इसके अलावा सबसे बड़ा कारण पेड़ों की कटाई की मंजूरी को लेकर है। बताया जा रहा है कि इस योजना के लिए कुल 118 पेड़ों को काटा जाना था। अभी तक पेड़ काटने की मंजूरी नहीं मिल पाई है, क्योंकि वन विभाग ने इस क्षेत्र को डीम्ड फॉरेस्ट एरिया घोषित कर रखा है।

ज्ञात हो कि इस पुल के निर्माण के बाद पूर्वी दिल्ली से गाजियाबाद आने-जाने वालों को काफी सहूलियत होगी। अभी तक फ्लाईओवर का अधिकांश कार्य पूरा होने का दावा अधिकारी कर रहे हैं। ऐसे में अक्टूबर में पुल के खुलने की संभावना है।

मंगल पांडे मार्ग पर नंद नगरी से गगन सिनेमा तक बनने वाले इस फ्लाईओवर के बनने से घौंडा, मुस्तफाबाद, गोकलपुर, नंद नगरी, करावल नगर के अलावा आस-पास की दर्जनों घनी आबादी वाली कॉलोनियों को फायदा मिलेगा।

32 सूत्रीय मांग को लेकर पटवारियों का आंदोलन, 8 जुलाई से अनिश्चितकालीन धरने पर संघ

रायपुर , एजेंसी। छत्तीसगढ़ सरकार छह जुलाई से राजस्व पखवाड़ा आयोजित करने जा रही है, दूसरी ओर राजस्व पटवारी संघ आठ जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। दरअसल, लोगों की खेती किसानी संबंधित नक्शा, खसरा समेत अन्य चीजों में होने वाली परेशानी को दूर करने राज्य सरकार राजस्व पखवाड़ा आयोजित करने जा रही है। वहीं पटवारी संघ ने मंत्री टंकराम वर्मा के नाम से जारी ज्ञापन में 32 सूत्रीय मांग रखी है। पटवारी संघ 32 सूत्रीय मांगों को लेकर आठ जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। ऑनलाइन काम के लिए कम्प्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर, इंटरनेट जैसी सुविधाओं की मांग की गई है। साथ ही ऑनलाइन एप भुइंया में नक्शा, बटांकन संशोधन को लेकर आने वाली तकनीकी समस्याओं को दूर करने के लिए मांग की गई है। इसके लिए उन्होंने जिले स्तर पर सहायक प्रोग्रामरों की पदस्थापना की मांग की है। इस प्रकार राजस्व पटवारी संघ ने कुल 32 मांगें मंत्री टंकराम वर्मा के समक्ष रखी हैं। पटवारी संघ ने मंत्री टंकराम वर्मा के नाम से ज्ञापन जारी करते हुए दो दिनों के भीतर समाधान करने की मांग की है।

हरियाणा में जाट वोट बैंक पर सबकी नजर! सतीश पूनिया लगा पाएंगे सेंध?

जयपुर , एजेंसी।
राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को बीजेपी आलाकमान ने हरियाणा का प्रभारी बनाया है। इसके सियासी मायने निकाले जा रहे है। क्या सतीश पूनिया कांग्रेस के जाट बैंक में सेंध लगा पाएंगे? सतीश पूनिया का राजस्थान में कद बढ़ा है? सियासी जानकारों का कहना है कि इन दोनों सवालों के जवाब आगामी दिनों में मिल सकते है। हरियाणा में तीन महीने बाद विधानसभा चुनाव होने है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने वापसी करते हुए बीजेपी के वोट बैंक में जबर्दस्त सेंध लगाई थी। सियासी जानकारों का कहना है कि बीजेपी के हरियाणा में सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सतीश पूनिया की असली चुनौती हरियाणा में बीजेपी वापसी की है।

हरियाणा में भी चुनाव में जातिगत आंकड़ा काफी मायने रखता है। आंकड़ों पर नजर डालें तो हरियाणा में जाट वोट बैंक का दबदबा रहता है। प्रदेश में जाट वोट प्रतिशत करीब 22.2 फीसदी, अनुसूचित जाति करीब 21 फीसदी, पंजाबी करीब 8 फीसदी, ब्राह्मण करीब 7.5 फीसदी, अहीर करीब 5.14 फीसदी, वैश्य करीब 5 फीसदी, जाट सिख करीब 4 फीसदी, मेव और मुस्लिम करीब 3.8 फीसदी, राजपूत करीब 3.4 फीसदी, गुर्जर करीब 3.35 फीसदी, बिश्नोई करीब 0.7 फीसदी और अन्य करीब 15.91 फीसदी है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने जाट बाहुल्य इलाकों में शानदार प्रदर्शन किया था। 10 में से 5 सीटें जीतकर बीजेपी को करारी शिकस्त दी थी।

बीजेपी ने हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी जिम्मेदारी सौंपी हैं। पूनिया राजस्थान में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। पूनिया को संगठन का मजबूत नेता माना जाता है। पूनिया के पास लोकसभा चुनाव में भी पार्टी की जिम्मेदारी थी। इस बार माना जा रहा था कि हरियाणा में बीजेपी 2 से 3 सीट पर सिमट जाएगी लेकिन पूनिया ने पार्टी को 5 सीट जितवाने में अहम भूमिका अदा की है। पूनिया जाट बिरादरी से आते हैं ऐसे में उनका राज्य में फायदा मिल सकता है। विधानसभा चुनाव में हारने के बाद पूनिया को पार्टी ने हरियाणा का सह प्रभारी बनाया था, लेकिन करीब 6 महीने बाद ही पूनिया का प्रमोशन कर कर प्रभारी बना दिया गया है। इससे सतीश पूनिया की दिल्ली दरबार में गहरी पैठ के रूप में देखा जा रहा है।

भाजपा को उसी के दांव से करेंगे चित? महाराष्ट्र में सरकार के खिलाफ एमवीए की तैयारी

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव तो अभी दूर हैं, लेकिन महिला वोटरों को रिझाने की कोशिशें शुरू हो चुकी हैं। जहां हाल ही में भाजपा नेतृत्व वाली महायुति गठबंधन सरकार ने महिलाओं को 1500 रुपए हर महीने देने का वादा किया है। वहीं, अब महाविकास अघाड़ी ने इसको काउंटर करने की तैयारी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक अगर एमवीए सत्ता में आती है तो वह महिलाओं को हर महीने इससे अधिक पैसे देगी। गौरतलब है कि हालिया लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद महायुति गठबंधन सरकार ने महिलाओं को कैश पेमेंट की घोषणा की थी। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव कैंपेन के दौरान महिला वोटर कांग्रेस की 'महालक्ष्मी' योजना से प्रभावित हुईं। इसलिए महायुति गठबंधन को महिलाओं का वोट उतना नहीं मिला। अब इन वोटर्स को फिर से अपने पक्ष में लाने के लिए महायुति गठबंधन योजनाएं बनाने में जुट गया है।

असल में कांग्रेस को महाराष्ट्र में इस तरह का सबक मिल चुका है। यहां पर चुनाव से पहले कांग्रेस नेता कमलनाथ ने सत्ता में आने पर महिलाओं को 1500 रुपए हर महीने देने का ऐलान किया। इसके तत्काल बाद मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महिलाओं को मिलने वाली 1000 की रकम को बढ़ाकर 1250 कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी ऐलान कर दिया कि अगर भाजपा फिर से चुनाव जीतती है तो इस रकम को बढ़ाकर 1500 कर दिया जाएगा। बाद में भाजपा ने चुनाव जीत भी लिया और कांग्रेस को एक बड़ा सबक मिल गया।

अब महाराष्ट्र में सरकार द्वारा कैश पेमेंट योजना के ऐलान को कांग्रेस गलत दांव बता रही है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक कांग्रेस नेताओं का कहना है कि चुनाव करीब है और महायुति ने महिलाओं को मिलने वाली रकम फिक्स कर दी है। अब हम इसका फायदा उठाएंगे और आने वाले चुनाव में महिलाओं के लिए इससे ज्यादा रकम की घोषणा करेंगे। इसके अलावा कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव से जनता के मूड के बारे में बड़ा संकेत मिला है। इससे जाहिर होता है कि लोगों का झुकाव कांग्रेस की तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा को बिल्कुल भी फायदा नहीं मिलने वाला है। गौरतलब है कि हाल-फिलहाल हुए चुनावों में महिलाओं के लिए कैश पेमेंट संबंधी योजनाएं काफी कारगर रही हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा ने 'लाडली बहना' योजना के जरिए एक बड़ा उदाहरण पेश किया है। इसके बाद कांग्रेस ने भी इस ट्रेंड को फॉलो किया है। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के चुनावों में इस योजना के दम पर महिला वोटरों को अपने पक्ष में करने में सफलता पाई है। अब महाराष्ट्र में भी वह इसको दोहराने की योजना बना रही है।

एनसीआर की कई इलाकों में घरों के ऊपर से गुजर रहीं हाईटेंशन लाइन हटेंगी, दर्जनों कॉलोनियों को मिलेगी राहत

नईदिल्ली, एजेंसी।
घरों के ऊपर से गुजर रहीं हाईटेंशन लाइनें हटाई जाएंगी। गुरुग्राम में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) ने पटौदी और फर्रुखनगर क्षेत्र में 11केवीए क्षमता की छह हाईटेंशन लाइन को स्थानांतरित करने की योजना बनाई है। इस लाइन के नीचे लोगों ने घर बना लिए हैं, जिसकी वजह से हादसा होने का डर बना रहता था।

डीएचबीवीएन के स्थानीय अधिकारियों ने इस मामले को प्रबंध निदेशक पीसी मीणा के समक्ष रखा था। मीणा ने आदेश जारी किए हैं कि इन हाईटेंशन लाइन को स्थानांतरित करवाया जाए। इस योजना पर करीब 62 लाख रुपये का खर्चा आएगा। पटौदी शहर में रामलीला ग्राउंड के पास 11केवीए हाईटेंशन लाइन के नीचे लोगों ने मकान बना लिए हैं। इसके अलावा फर्रुखनगर के गांव मुसैदपुर, वॉर्ड नंबर आठ स्थित बलहाली बस्ती, शिव मंदिर के पास, सुल्तानपुर गांव के पास और नई गढ़ी में भंडारी ट्रांसफार्मर के पास लोगों ने हाईटेंशन लाइन के नीचे घर बना लिए हैं। घरों की छत पर बच्चे खेलते रहते हैं। लोग कपड़े सुखाने के लिए जाते हैं। ऐसे में हादसा होने का डर बना रहता है। इसको देखते हुए दो महीने पहले डीएचबीवीएन की तरफ से सर्वे किया था। इस दौरान जांच की गई थी कि इन तारों को स्थानांतरित किया जा सकता है या नहीं। तारों को स्थानांतरित करने की जगह मिलने के बाद डीएचबीवीएन ने इन्हें स्थानांतरित करने की योजना बनाई, जिसे प्रबंध निदेशक ने हरी झंडी दे दी है।

तेलपुरी फीडर से गांव नानूकलां के स्कूल तक हाईटेंशन केबल जा रही है। डीएचबीवीएन ने सर्वे में पाया है कि इस लाइन को स्थानांतरित करने के लिए जगह नहीं है। ऐसे में लाइन स्थानांतरित करने की योजना को रद्द कर दिया है।

डीएचबीवीएन के अधीक्षक अभियंता श्यामबीर सैनी ने कहा, हाईटेंशन लाइन के नीचे अवैध रूप से कॉलोनियां विकसित हो गई हैं। इसके चलते इन लाइन को स्थानांतरित करने की योजना बनाई गई है। उपमंडल अभियंता और कार्यकारी अभियंता को आदेश जारी किए हैं कि इन लाइनों को अतिशीघ्र स्थानांतरित करवाएं।

बालिका संप्रेषण गृह से तीन नाबालिग लड़कियां फरार, गार्ड को पहले बनाया बंधक, फिर स्कूटी लेकर भागी

रायपुर , एजेंसी। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले स्थित बालिका संप्रेषण गृह से तीन नाबालिग लड़कियां फरार हो गई है। तीनों किशोरियों में कई अपराधिक मामला दर्ज है। नाबालिग लड़कियों ने बालिका संप्रेषण गृह से वहां मौजूद कर्मचारियों को चमका देकर फरार हो गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, किशोरियों ने गार्ड और होम मेड को बंधक बनाकर स्कूटी लेकर फरार हो गई हैं। मामले में पुलिस जांच में जुट गई है। मामले में बसंतपुर थाना क्षेत्र के निलगिरी पार्क स्थित बालिका संप्रेषण गृह में निरूध्द तीन बालिकाएं जिनके ऊपर आपराधिक मामले दर्ज हैं। तीनों बालिका पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, इसमें से दो बालिकाओं पर धारा 302 का मामला दर्ज है। साथ ही एक अन्य बालिका पर 294,323 और अन्य धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध है। संप्रेषण गृह से फरार नाबालिगों की सूचना पुलिस को दी गई है। अब मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। तीनों की पता तलाश जारी है। पुलिस को जैसे ही इसकी सूचना मिली पुलिस क्षेत्र में बालिकाओं की तलाश कर रही है। मामले में राजनांदगांव सीएसपी पुष्पेंद्र नायक ने बताया कि रात्रि हमें सूचना मिली की बालिका संप्रेषण गृह में निरूध्द तीन अपचारी बालिकाएं वहां के गार्ड को और हाउस मेड को बंधक बनाकर स्कूटी लेकर फरार हो गई है। पुलिस को सूचना मिलने के बाद पता तलाश जारी है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द ही तीनों को पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने यह भी बता कि इस मामले में किसी भी कर्मचारी की संलिप्त अभी सामने नहीं आई है, हालांकि अभी जांच की जा रही है। वहां तैनात महिला होमगार्ड ने पकड़ने की बहुत कोशिश की लेकिन नाकाम रही और तीनों किसी भी तरीके से भागने में कामयाब हुए।

शिक्षकों को सातवें वेतन आयोग के अनुसार एरियर दें वर्ना...; हाईकोर्ट का दिल्ली के निजी स्कूलों को सख्त निर्देश

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली के निजी स्कूलों के शिक्षकों के लिए अच्छी खबर है। दिल्ली हाई कोर्ट ने निजी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे शिक्षकों को सातवें वेतन आयोग के तहत एरियर का भुगतान करें। निजी स्कूलों के शिक्षकों को एरियर नहीं मिलने को लेकर दायर याचिका पर हाई कोर्ट ने निजी स्कूलों के संचलकों को फटकार भी लगाई।

हाई कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर निजी स्कूल बकाया राशि का 25 प्रतिशत भी जमा करने में असमर्थ हैं तो इसका मतलब है कि स्कूल दयनीय स्थिति में है। उनके पास स्कूल के संचालन के लिए पर्याप्त धन नहीं है। कोर्ट ने स्कूल संचालकों से पूछा कि वे कैसे, किस तरीके से और कब अपने शिक्षकों को सातवें वेतन आयोग के अनुसार वेतन दे सकते हैं। जस्टिस सुरेश कुमार कैथल ने कहा कि अगर स्कूलों के पास इसे लागू करने का संसाधन नहीं है तो अदालत शिक्षा निदेशालय को ऐसे स्कूलों को अपने नियंत्रण में लेने का आदेश देने को बाध्य होगी। जस्टिस कैथल ने कहा कि कोर्ट शिक्षकों और छात्रों के हितों के साथ खिलवाड़ होता नहीं देख सकती है। कोर्ट ने इस मामले में सभी पक्षों से अपनी-अपनी लिखित रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। इससे पहले मामले की सुनवाई के दौरान निजी स्कूलों की ओर पेश वकील ने कहा कि स्कूल याचिकाकर्ता शिक्षकों को देय राशि का 25 प्रतिशत भी देने की स्थिति में नहीं है। वकील ने दलील दी कि शिक्षा निदेशालय ने उन्हें फीस में बढ़ोतरी करने की इजाजत नहीं दी। इस मामले में अगली सुनवाई 21 अगस्त को होगी। दिल्ली हाई कोर्ट ने आप सरकार को निजी गैर सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षकों के वेतन से संबंधित वेतन आयोग की शिफारिशों के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए समिति गठित करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि यह खेदजनक है कि शिक्षकों को सातवें वेतन आयोग की शिफारिशों के अनुसार अपने वेतन और अन्य लाभ के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है, जिसके वे हकदार हैं।

दिल्ली में शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ धड़ाधड़ एक्शन, 27 फीसदी ज्यादा चालान

नईदिल्ली, एजेंसी।
शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। जनवरी से जून माह की अवधि में पिछले साल की तुलना में इस साल 27 फीसदी ज्यादा चालान शराब पीकर वाहन चलाने के मामले में किए गए हैं। खास बात यह है कि यातायात पुलिस ने दिल्ली की उन दस जगहों की पहचान भी की है जहां पर शराब पीकर वाहन चलाने के मामले सबसे ज्यादा हैं। सड़क हादसों के प्रमुख कारणों में शराब पीकर वाहन चलाने को भी शामिल किया जाता है।

ऐसे चालक न सिर्फ अपनी बल्कि दूसरों की भी जान को जोखिम में डालते हैं। शराब पीकर वाहन चलाने वालों से होने वाले खतरे को दूर करने के लिए यातायात पुलिस ने ऐसे चालकों के खिलाफ कार्रवाई को तेज कर दिया है। यातायात पुलिस के मुताबिक पिछले वर्ष जनवरी से जून माह में कुल नौ हजार 837 चालान किए गए थे। लेकिन, इस बार छह महीने की अवधि में 12 हजार 468 चालान किए गए हैं।

यानी पिछले साल की तुलना में इसमें 27 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यातायात पुलिस के मुताबिक शराब पीकर वाहन चलाने वालों के मामलों में हो रही बढ़ोतरी को एक चेतावनी की तरह देखा जाना चाहिए। कानून को लागू कराने वाली संस्थाओं के साथ-साथ इस पर आम लोगों को भी ध्यान देना चाहिए। यातायात पुलिस ने उन दस जगहों को भी चिह्नित किया है, जहां पर शराब पीकर वाहन चलाने वालों के सबसे ज्यादा चालान हुए हैं। यातायात पुलिस के मुताबिक इन छह महीनों में सबसे ज्यादा 770 चालान राजौरी गार्डन में हुए हैं। जबकि, दूसरे नंबर पर मौजूद समयपुर बादली में 514 चालान हुए हैं।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएनएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)